निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

हजारीबाग में रिश्वत लेते गिरफ्तार राजस्व कर्मचारी

• बोकारो, शनिवार, 11 अक्टूबर 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 145 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

संक्षिप्त समाचार

झारखंड कैबिनेट की बैठक 16 को

रांची(नबिटा ब्यूरो)। झारखंड कैबनेट की बैठक 16 अक्टूबर को होने जा रही है। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे। मंत्रिपरिषद् की बैठक राजधानी के धुर्वा स्थित झारखंड मंत्रालय के मंत्रिपरिषद कक्ष में होगी। मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग की ओर से शुक्रवार को यह जानकारी दी गयी है। बैठक में कई अहम फैसलों को मंजूरी दी जा सकती है।

गोड्डा के पूर्व सांसद का निधन

मधुपुर (नबिटा ब्यूरो)। गोड्डा लोकसभा के पूर्व सांसद प्रो सलाउद्दीन अंसारी का शुक्रवार को मधुपुर के खलासी मोहल्ला स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। उनके निधन की सूचना से इलाके में शोक की लहर दौड़ गयी है। वे पिछले 14 सितंबर को घर में फिसल कर गिर गये थे। इसकी वजह से उनके सिर में चोट आयी थी। इलाज के लिए उन्हें रांची ले जाया गया था। इलाज कराने के बाद 25 सितंबर को मधुपुर लौटे थे।

रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन को सशर्त जमानत

रांची(नबिटा ब्यूरो)। झारखंड की नौकरशाही में लंबे समय से चर्चा में रहे आईएएस अधिकारी छवि रंजन को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शुक्रवार को देश की सर्वोच्च अदालत ने रांची के पूर्व उपायुक्त सह आईएएस अधिकारी छवि रंजन को जमीन घोटाला मामले में सशर्त जमानत प्रदान की। अदालत ने इस दौरान कई सख्त शर्तें भी लगाई है ताकि जांच प्रक्रिया प्रभावित न हो सके। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि छवि रंजन बिना अदालत की पूर्व अनुमति झारखंड से बाहर नहीं जा सकेंगे।

पलामू जेल से साहिबगंज शिफ्ट होगा गैंगस्टर सुजीत सिन्हा

मेदिनीनगर(नबिटा ब्यूरो)। गैंगस्टर सुजीत सिन्हा को पलामू की मेदिनीनगर सेंट्रल जेल से साहिबगंज जेल में स्थानांतरित किया जाएगा। जेल आईजी ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। सुजीत सिन्हा मेदिनीनगर के रेड़मा का निवासी है और उसके गिरोह के दर्जनों सक्रिय सदस्य क्षेत्र में मौजूद हैं। इसी के मद्देनजर पलामू के डीआईजी और सेंट्रल जेल के अधीक्षक ने मुख्यालय को विधि व्यवस्था संबंधी रिपोर्ट भेजी थी जिसमें सुजीत सिन्हा को पलामू जेल से हटाने की मांग की गई थी।

युवक ने फांसी लगा की आत्महत्या

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। केंदुआडीह थाना क्षेत्र के गोधर बस्ती स्थित मड़ी गोदाम में 18 वर्षीय रवि कुमार ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक चिकन-मुर्गा बेचता था। परिवार वालों ने बताया कि रवि पिछले कुछ महीनों से गलत संगत में पड़ नशे की लत का शिकार हो गया था। उसके भाई सुजीत कुमार ने कहा कि हमने कई बार उसे नशा छोड़ने की सलाह दी लेकिन वह किसी की बात नहीं मानता था।

घुसपैठ को राजनीतिक नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए : शाह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान चुनाव आयोग के एसआईआर और घुसपैठ के मुद्दे पर अहम बयान दिए। शाह ने दूसरे देश से आने वाले लोगों की संख्या पर अंकुश लगाने को जरूरी बताते हुए कहा कि अगर बिना किसी पाबंदी के लोगों को आने दिया गया तो देश धर्मशाला बनकर रह जाएगा। एक कार्यक्रम में शाह ने कहा, घुसपैठ को राजनीतिक नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने घुसपैठियों को राजनीतिक संरक्षण नहीं देने की बात पर भी जोर दिया।

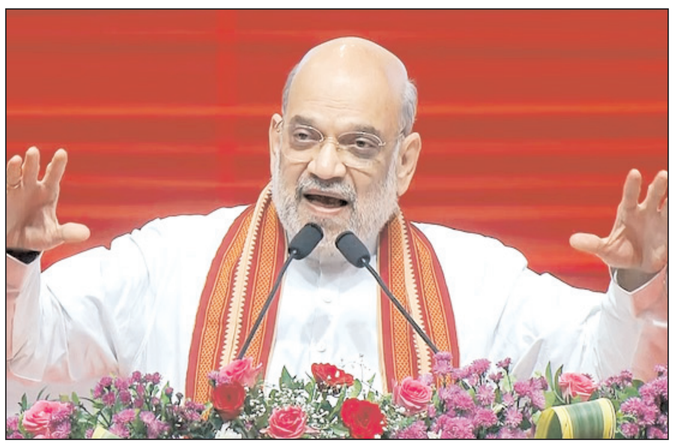

अमित शाह ने मतदाता सूची शुद्धिकरण के लिए निर्वाचन आयोग की प्रक्रिया-विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का जिक्र करते हुए कहा, चुनाव आयोग की प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा, एसआईआर चुनाव आयोग की सांविधानिक जिम्मेदारी है। बता दें कि निर्वाचन आयोग ने हाल ही में बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया पूरी की है। अब आयोग पूरे देश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की तैयारी कर रहा है। आयोग ने कहा है कि पश्चिम बंगाल समेत अन्य राज्यों में चरणबद्ध तरीके से एसआईआर की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। हालांकि, पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समेत कुछ अन्य विपक्षी राजनेताओं ने भी निर्वाचन आयोग के इस फैसले का मुखरता से विरोध किया है।

राजस्व कर्मचारी रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने दारू अंचल में बड़ी कार्रवाई करते हुए राजस्व कर्मचारी ज्ञानी राम को तीन हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार दारू थाना क्षेत्र के मेढ़कुरी कला गांव निवासी हिरामन प्रजापति ने एसीबी हजारीबाग कार्यालय में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि राजस्व कर्मचारी ज्ञानी राम उनकी पत्नी दुर्गा देवी के नाम दाखिल-खारिज आवेदन को स्वीकृत करने के बदले दस हजार रुपए रिश्वत की मांग कर रहा है। शिकायतकर्ता ने इतनी बड़ी रकम देने से इनकार कर एसीबी को सूचित किया। एसीबी ने शिकायत की गंभीरता को देखते हुए उसका सत्यापन कराया। सत्यापन में पाया गया कि ज्ञानी राम ने पहली किस्त के तौर पर तीन हजार रुपए की मांग की थी। इसके बाद एसीबी टीम ने पूरी योजना बनाकर ट्रैप ऑपरेशन तैयार किया। तय योजना के अनुसार शुक्रवार को एसीबी टीम ने कार्रवाई करते हुए राजस्व कर्मचारी ज्ञानी राम को वादी से तीन हजार रुपए लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा। गिरफ्तारी के बाद आरोपी ज्ञानी राम को पूछताछ के लिए एसीबी कार्यालय हजारीबाग लाया गया है। एसीबी एसपी आरिफ एकराम ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। एसीबी की इस त्वरित और प्रभावी कार्रवाई से सरकारी विभागों में कार्यरत भ्रष्ट कर्मचारियों के बीच हड़कंप मच गया है। आम नागरिकों ने इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी सख्त कार्रवाई से भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

कार से 16 लाख से अधिक कैश जब्त

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर झारखंड पुलिस भी अलर्ट पर है। इसी कड़ी में हजारीबाग जिले के चौपारण थाना अंतर्गत चोरदाहा स्थित झारखंड-बिहार चेकपोस्ट के पास गुरुवार देर रात वाहन चेकिंग के दौरान एक कार से 16 लाख से अधिक नकद बरामद किए गए। दरअसल बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर झारखंड पुलिस भी कड़ी नजर बनाए हुए है। इसी बीच गुरुवार रात को वाहन चेकिंग कें दौरान पुलिस ने एक कार(संख्या जेएच2बीभी-0702) को रोका। इस दौरान वाहन सवार व्यक्ति के पास से एक सूटकेस में 16 लाख 50 हजार रुपये नकद मिले। कार सवार व्यक्ति दक्षिणी दिल्ली का रहने वाला है। थाना प्रभारी ने बताया कि कार सवार ने बरामद राशि से संबंधित कोई भी कागजात पेश नहीं किया जिसके कारण पदाधिकारियों ने जब्ती सूची बनाकर उक्त व्यक्ति सहित पैसे को जब्त कर आगे की जांच कर रही है। इस छापेमारी में अंचलाधिकारी संजय यादव, सब इंस्पेक्टर सरोज सिंह, चौपारण थाना प्रभारी, उपनिरीक्षक राज कुमार सिंह, सब इंस्पेक्टर बादल कुमार महतो सहित अन्य जवान शामिल थे।

मुठभेड़ में दो अपराधी घायल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। जिले के खलारी थाना क्षेत्र में शुक्रवार अहले सुबह पुलिस और अपराधियों के बीच हुई मुठभेड़ में दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गए। यह मुठभेड़ कुख्यात राहुल दुबे गिरोह के सदस्यों के साथ हुई। पुलिस ने घटनास्थल से भारी मात्रा में हथियार और कारतूस बरामद किए हैं और गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान कर उनकी सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार रांची एसएसपी राकेश रंजन को मिली गुप्त सूचना के आधार पर एक विशेष पुलिस टीम ने खलारी थाना क्षेत्र में छापेमारी की। मौके पर मौजूद अपराधियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। जवाबी कार्रवाई में गिरोह के साजन अंसारी और अमित गुप्ता नामक दो अपराधी घायल हो गए। पुलिस

अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल से कई प्रकार के असलहे बरामद किए गए जिनमें देशी और आठ पिस्टल, कारतूस और खटोला-बारूद शामिल हैं। साथ ही मौके से एक मोटरसाइकिल और अन्य संदिग्ध सामान भी पुलिस ने कब्जे में लिया। बताया जा रहा है कि बरामद हथियार और कारतूस स्थानीय स्तर पर आपराधिक घटनाओं में उपयोग किए जा रहे थे। पुलिस ने दो अन्य संदिग्धों को भी गिरफ्तार किया है और उनसे पूछताछ जारी है। पूछताछ के आधार पर गिरोह के अन्य सक्रिय सदस्यों और उनके आश्रयों की खोज शुरू कर दी गई है। रांची पुलिस का कहना है कि इस कार्रवाई का उद्देश्य गिरोह की कमर तोड़ना और क्षेत्र में अपराध के मामलों को नियंत्रित करना है। एसएसपी कार्यालय ने कहा कि घटना की जांच के लिए विशेष टीम गठित की गई है और जल्द ही प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्रीय लोग और स्थानीय व्यापारी इस कार्रवाई से अस्थायी शांति महसूस कर रहे हैं लेकिन कई लोगों ने सुरक्षा बढ़ाने की मांग भी की है। पुलिस ने कहा कि आगामी दिनों में निरंतर गश्त और चेकिंग बढ़ाई जाएगी और किसी भी जानकारी मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। यह घटना राहुल दुबे गिरोह की सक्रियता के लिए गंभीर चेतावनी मानी जा रही है। पुलिस ने जनता से अपील की है कि संदिग्ध व्यक्तियों या हथियारों संबंधी जानकारी मिलने पर तुरंत नजदीकी थाने या 100 नंबर पर सूचित करें ताकि अपराधियों को कानून के कटघरे में लाया जा सके।

ऑटो-बाइक के बीच टक्कर में एक की मौत

लोहरदगा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के भंडरा थाना क्षेत्र में सड़क हादसों का सिलसिला लगातार जारी है। बुधवार की शाम को हुए एक हादसे में तीन युवकों की मौत की चर्चा अभी ठंडी भी नहीं हुई थी कि गुरुवार को एक और गंभीर सड़क हादसा सामने आया। गुरुवार की शाम नंदनी पुल के समीप ऑटो और तेज रफ्तार बाइक की सीधी भिड़ंत हुई। इस हादसे में भंडरा क्षेत्र के भैसमुंदो टंगरा टोली निवासी पंचू महली के पुत्र ब्रजकिशोर महली की मौके पर ही मौत हो गई।

संदिग्ध अवस्था में इंजीनियर की मौत

चतरा (नबिटा ब्यूरो)। सिमरिया थाना क्षेत्र के शीला के पीरी गांव में एक इंजीनियर का शव उनके कमरे से बरामद किया गया है। मृतक की पहचान बिहार के मधेपुरा निवासी दिलनवाज के रूप में हुई है। मृतक के बिस्तर के नीचे से कुछ दवाएं भी बरामद की गई है।

एसएफसी गोदाम से नौ हजार क्विंटल चावल-गेहूं गायब

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गढ़वा। जिले में एक बार फिर करोड़ों रुपये का अनाज घोटाला हुआ है। केतार प्रखंड के एसएफसी गोदाम से तीन करोड़ मूल्य का नौ हजार क्विंटल अनाज गायब हो गया है। मामले में डीसी दिनेश यादव ने प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया है। दरअसल गढ़वा के केतार प्रखंड स्थित 250 मीट्रिक क्षमता वाले एसएफसी गोदाम से नौ हजार क्विंटल अनाज पीडीएस लाभुकों और आदिवासियों के बीच वितरण करने के लिए रखा गया था लेकिन अनाज गरीबों तक नहीं पहुंचा और बीच रास्ते में ही गायब हो गया। गोदाम से अनाज गायब होने का मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। मामला उजागर तब हुआ जब जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने गोदाम में रखे नौ हजार क्विंटल के स्टॉक को दूसरे गोदाम में शिफ्ट करने का निर्देश दिया। इसपर गोदाम मैनेजर ने अनाज

नहीं होने की बात बताई। इसके बाद हड़कंप मच गया। जब विधिवत स्टॉक की जांच की गई तो 27 ट्रक चावल और गेहूं कम पाया गया। जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने तत्काल इसकी जानकारी गढ़वा डीसी को दी। इसके बाद डीसी ने गोदाम मैनेजर को निलंबित करते हुए प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया है। साथ ही एक कंप्यूटर ऑपरेटर को सेवा से बर्खास्त कर दिया है और तीन मिलर्स को शो-कॉज किया है। डीसी ने कहा कि यह गंभीर मामला है। मामले में कड़ी कार्रवाई करेंगे। गढ़वा के केतार प्रखंड से इतनी भारी मात्रा में अनाज गायब होने की सूचना पर स्थानीय लोग सकते में हैं। लोगों का कहना है कि विभाग में शामिल पदाधिकारी ऊपर से लेकर नीचे तक मिले हुए हैं। आखिर हम लोगों को मिलने वाला अनाज कहां गया। एक डीलर ने तो कहा कि हमें अनाज मिला ही नहीं है।

कुबरी नदी के किनारे से अधजला शव बरामद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। जिले के टाटीझरिया थाना क्षेत्र में शुक्रवार को कुबरी नदी के पास से एक अज्ञात अधेड़ व्यक्ति का अधजला शव बरामद हुआ। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने जंगल के रास्ते में शव देखकर तुरंत जनप्रतिनिधियों को सूचना दी। सूचना मिलते ही डहरभंगा के मुखिया प्रतिनिधि रवींद्र यादव और टाटीझरिया मुखिया सुरेश यादव मौके पर पहुंचे। उन्होंने तत्काल पुलिस को घटना की जानकारी दी। टाटीझरिया थाना प्रभारी इंद्रजीत कुमार, सब इंस्पेक्टर पवन कुमार और एएसआई रामप्रवेश राय अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और जांच शुरू की।

अनुमंडल कार्यालय में अनुसेवक की मौत

कोडरमा(नबिटा ब्यूरो)। अनुमंडल कार्यालय में एक अनुसेवक की काम के दौरान हृदयगति रुकने से मौत हो गई। मृतक की पहचान हजारीबाग निवासी 45 वर्षीय महेश कुमार के रूप में हुई है। मृतक हजारीबाग जिले का रहने वाले थे और 2021 से यहां कार्यरत थे।

तीन साल बाद रांची में अंतरराष्ट्रीय वनडे का रोमांच

30 नवंबर को भिड़ेंगी भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीमें

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड की राजधानी एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के रोमांच से सराबोर होने वाली है। लगभग तीन साल के लंबे अंतराल के बाद रांची के झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) इंटरनेशनल स्टेडियम में वनडे मुकाबला आयोजित किया जा रहा है। यह मैच भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला होगा जो 30 नवंबर 2025 को खेला जाएगा। यह मुकाबला झारखंड के क्रिकेट प्रेमियों के लिए उत्साह का बड़ा मौका लेकर आया है। पिछली बार अक्टूबर 2022 में भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीमें इसी मैदान पर आमने-सामने आई थीं, जिसमें भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सात विकेट से जीत दर्ज की थी। अब एक बार फिर वही इतिहास दोहराने के लिए टीम इंडिया तैयार है। भारत-दक्षिण अफ्रीका सीरीज के तहत दूसरा वनडे 3 दिसंबर को रायपुर और तीसरा 6 दिसंबर को विशाखापट्टनम में खेला जाएगा। इस दौरे में तीनों प्रारूपों टेस्ट, वनडे और टी20 के मैच शामिल हैं। झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के अधिकारियों ने बताया कि यह मैच रांची के लिए गर्व का क्षण है। इसके साथ ही यह भी संकेत दिया कि जनवरी 2026 में भारत दौरे पर आने वाली न्यूजीलैंड टीम के कार्यक्रम में भी रांची को एक और अंतरराष्ट्रीय मुकाबला मिलने की संभावना है। भारत-दक्षिण अफ्रीका वनडे मुकाबले के लिए टिकट बिक्री की प्रक्रिया मैच से पांच दिन पहले शुरू होगी। दर्शक स्टेडियम के वेस्ट गेट के पास स्थित काउंटर से टिकट खरीद सकेंगे। फिलहाल ऑनलाइन टिकट बिक्री को लेकर जेएससीए ने अंतिम निर्णय नहीं लिया है। पिछली प्रतियोगिताओं की तरह इस बार भी टिकट बिक्री, सुरक्षा व्यवस्था और दर्शकों की सुविधा के लिए समान प्रणाली लागू रहेगी। स्टेडियम प्रबंधन ने बताया कि पिच, ग्राउंड स्टाफ और आउटफील्ड का काम पूरा कर लिया गया है। मैदान की स्थिति अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है और दर्शकों के बैठने की व्यवस्था को भी बेहतर बनाया गया है। स्टेडियम के आसपास पार्किंग, सुरक्षा जांच और एंट्री गेटों पर भीड़ प्रबंधन के लिए विस्तृत योजना तैयार की जा रही है। रांची के इस विश्वस्तरीय मैदान पर अब तक कुल छह एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जा चुके हैं। इनमें भारत ने तीन मैच जीते हैं, दो में हार झेली है और एक मुकाबला रद्द हुआ था।

अनियमितता और भ्रष्टाचार की शिकायत मिलने के बाद आठ जेलकर्मियों पर हुई कार्रवाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। जिला के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में अनियमितता और भ्रष्टाचार की शिकायत मिलने के बाद आठ जेलकर्मियों पर बड़ी कार्रवाई की गई है। जेल में बंद कैदियों से मुलाकात करवाने के नाम पर पैसे की उगाही करने के मामले में यह कार्रवाई की गई है। इस बार चर्चित अवधेश सिंह को भी जेल आईजी द्वारा निलंबित किया गया है। जेल में फैले भ्रष्टाचार के खिलाफ राज्य सरकार का कड़ा एक्शन देखने को मिल रहा है। हजारीबाग जेल के आधा दर्जन कर्मियों को सस्पेंड करने और एक को जेल भेजने के बाद अब रांची जेल में भी बड़ी कार्रवाई की गई है। रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा के आठ कर्मियों के खिलाफ जांच के बाद बड़ी कार्रवाई की गई है। जेल में बंद कैदियों से मुलाकात करने आनेवाले मुलाकातियों से पैसे लेने के आरोप में ये पूरी कार्रवाई की गई। इस मामले में जेल अधीक्षक और सहायक जेलर को कारण बताओ नोटिस भी दिया गया है। वहीं चीफ हेड वार्डन अवधेश कुमार और रिजर्व हेड वार्डन विनोद कुमार (मॉनिटरिंग में लापरवाही के आरोप) को निलंबित करते हुए विभागीय कार्रवाई शुरू की गई है। जेल क्लर्क प्रमिला कुमारी (कैदियों की चिट्ठी दबाने और लापरवाही के आरोप), निरल टोप्पो (मुलाकातियों से गड़बड़ी के आरोप) को निलंबित किया गया है। वहीं संविदा पर कार्यरत दो पूर्व सैनिकों को भी बर्खास्त कर दिया गया है। झारखंड के जेल आईजी सुदर्शन मंडल ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच करवाई गई थी।

बिहार-झारखण्ड का अपना अखबार

नवबिहार टाइम्स

आवश्यकता

1. बोकारो जिला मुख्यालय के अलावा प्रत्येक प्रखंड के लिए संवाददाता चाहिए।

2. नवबिहार टाइम्स के बोकारो कार्यालय के लिए उप सम्पादक/कार्यालय संवाददाता की आवश्यकता है। हिन्दी में समाचार लिखने और समाचार की समझ रखने वाले अनुभवी संवाददाता ही सम्पर्क करें। मानदेय-योग्यतानुसार।

3. बोकारो कार्यालय के लिए एक चतुर्थवर्गीय कर्मचारी की आवश्यकता है। बोकारो, चास या आस-पास का ही निवासी होना अनिवार्य है

सम्पर्क करें:-

7295863300/8210783623

'नवबिहार टाइम्स' कार्यालय, 31 कॉपरेटीव कॉलोनी बोकारो (झारखण्ड) मो0- 7004247547/6206165107

E-mai : nbtimesbihar@gmail.com

C M Y K

चुनाव आचार संहिता के दौरान चौपारण में 16.50 लाख नगद बरामद, दक्षिण दिल्ली की महिला से हुई बरामदी

नवीन सिन्हा

चौपारण (हजारीबाग)। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर लागू आदर्श आचार संहिता के तहत पुलिस और प्रशासन की टीम द्वारा सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 09 अक्टूबर 2025 की रात करीब 8:30 बजे चौपारण थाना क्षेत्र के चोरदाहा चेकपोस्ट के पास संयुक्त वाहन चेकिंग के दौरान एक बड़ी कार्रवाई की गई।

जांच के दौरान इरटिंगा वाहन संख्या JH02BV-0702 को रोककर तलाशी ली गई। वाहन में सवार व्यक्तियों के पास से एक सूटकेस बरामद हुआ, जिसकी जांच करने पर कुल 16,50,000

(सोलह लाख पचास हजार रुपये) नकद मिले। पूछताछ में वाहन में सवार आकृति कनौजिया, निवासी दक्षिण दिल्ली (मोबाइल नंबर 8505824474) ने इस धनराशि से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर पंचायत सचिव व स्टैटिक टीम के दंडाधिकारी श्री केदार साव द्वारा विधिवत कार्रवाई करते हुए नगद राशि की जप्ती सूची बनाकर जब्ती की प्रक्रिया पूर्ण की गई।

छापामारी दल में शामिल पदाधिकारी

1. श्री संजय कुमार यादव, अंचल अधिकारी, चौपारण
2. पु०अ०नि० सरोज सिंह चौधरी, थाना प्रभारी, चौपारण
3. स०अ०नि० राज कुमार सिंह, चौपारण थाना
4. स०अ०नि० बादल कुमार महतो, चौपारण थाना
5. सशस्त्र बल एवं लाठी बल की टीम

यह कार्रवाई आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की आशंका को देखते हुए की गई, ताकि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनी रहे।

दुर्घटना की स्थिति में मुआवजा के लिए छह माह के अंदर दावा करना है अनिवार्य : राज कुमार मिश्रा

फॉर्म ए में भरा जाता है एफएआर फर्स्ट एक्सीडेंट रिपोर्ट : डीएलएसए सचिव

- दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने पर किसी भी व्यक्ति को मिलता है इनाम : एसडीपीओ
- मोटर दुर्घटना दावा अधिनियम के तहत डीएलएसए पलामू के तत्वावधान में कार्यशाला आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। झालसा के दिशा निर्देश व पलामू जिला के प्रधान न्यायाधीश श्रीराम शर्मा के मार्गदर्शन व जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में शुक्रवार को उप विकास आयुक्त के सभागार में मोटर दुर्घटना दावा अधिनियम को ले एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में पुलिस पदाधिकारियों, वकीलों व पीएलवी को मोटर दुर्घटनाओं के वाद, कानूनी अधिकार, मुआवजा प्राप्ति की प्रक्रिया व सड़क सुरक्षा से जुड़े नियमों की जानकारी दी गई। साथ ही माननीय उच्चतम न्यायालय व उच्च न्यायालय के द्वारा दिये गए विभिन्न निदेर्शों से भी सभी पुलिस अनुसंधान कताओं को अवगत कराया गया। कार्यशाला का उद्घाटन पलामू जिला व्यवहार न्यायालय के जिला व सत्र न्यायाधीश षष्टम राजकुमार मिश्रा, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव राकेश रंजन, सदर एसडीपीओ मणि भूषण प्रसाद ने संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वलित कर किया ।कार्यशाला में अधिवक्ता, एलएडीसी में कार्यरत अधिवक्ता पीएलवी के अलावे जिले के विभिन्न थाना के पुलिस अधिकारी शामिल थे। मौके पर जिला व सत्र न्यायाधीश षष्टम राजकुमार मिश्रा ने कहा कि मोटर दुर्घटनाओं में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए कानूनी प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। दुर्घटना की स्थिति में छह माह के भीतर दावा करना अनिवार्य है ।हिट एंड रन मामले में भी मुआवजा देने की स्पष्ट व्यवस्था है। कहा कि यदि दुर्घटना सरकारी वाहन से होती है तो राज्य सरकार पूर्ण मुआवजा प्रदान करती है। छह माह के अंदर कम्पनशेषन का केस करना अनिवार्य है। हिट एंड रन के मामले में जख्मी होने पर 50 हजार रुपए व मृत्यु होने पर दो लाख रुपए का मुआवजा डीटीओ कार्यालय से दिया जाता है।

मौके पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव राकेश रंजन ने कहा कि एफएआर फर्स्ट एक्सीडेंट रिपोर्ट फॉर्म ए में भरा जाता है। वही 10 दिन के अंदर फॉर्म दो तैयार करना है। उसकी कॉपी विक्टिम को भी देना है। साथ ही फार्म नं. तीन ड्राइवर से सम्बंधित फॉर्म है । इसे भर कर 30 दिन के अंदर देना पड़ता है ।फॉर्म चार ऑनर से संबंधित है। इसे भी 30 दिन के अंदर भरकर देना है। वही फॉर्म पांच इंटरिम एक्सीडेंट रिपोर्ट है, जो 50 दिन के अंदर सम्बंधित टियूबनल में जमा कर देना है। फॉर्म 6 विक्टिम से सम्बंधित हैं, इसे भरकर अनुसन्धानकर्ता को दिया जाता है जो 60 दिन के अंदर जमा करना अनिवार्य है। वही डिटेल एक्सीडेंट रिपोर्ट फॉर्म सात भरकर टियूबनल में जमा करना है।

मौके पर सदर एसडीपीओ मणि भूषण प्रसाद ने कहा कि तेज रफ्तार व शराब हादसे के बड़े कारण हैं। सड़क हादसों के मुख्य कारण पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अधिकतर दुर्घटनाएं तेज रफ्तार के कारण होती है। शराब सेवन के कारण भी हादसे में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के बाद पहले गोल्डन आवर में जख्मी का सही इलाज मिलना अत्यंत आवश्यक है ।उन्होंने हिट एंड रन की जानकारी दी। साथ ही कहा कि यदि कोई व्यक्ति किसी घायल को अस्पताल पहुंचाता है तो उसे इनाम दिया जाता है । साथ ही उसे पुलिस या अदालत में परेशान नहीं किया जाता है ।इसके अतिरिक्त सरकार द्वारा घायल को 50 हजार तक का निशुल्क इलाज देने की व्यवस्था भी की गई है।

मौके पर अधिवक्ता चितेश मिश्र ने कहा कि मोटर दुर्घटना केस में अनुसंधानकर्ता का रोल बहुत महत्वपूर्ण होता है । अनुसंधानकर्ता की लापरवाही से बड़ा दावा भी कभी-कभी नहीं मिल पाता है। जहां तक सामाजिक सुरक्षा की बात है तो सामाजिक सुरक्षा के जिम्मेवारी सरकारी बीमा कंपनियों की होती है । पुलिस की ड्यूटी होती है कि वह आवेदन पर वाहन मालिक को कोर्ट में प्रस्तुत करें ताकि मामले निपटने में अनावश्यक विलम्ब नहीं हो। कोर्ट का भी समय बर्बाद ना हो । साथ ही उचित मुआवजे की राशि समय पर मिल सके। लीगल एड डिफेंस काउंसिल के डिप्टी चीफ संतोष कुमार पांडेय ने पलामू जिला विधिक प्राधिकार के कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि तीन लाख रुपए की वार्षिक आय वाले लोगों का केस डीएलएसए के माध्यम से निशुल्क लड़ा जाता है।

बरही में जल्द शुरू होगी ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट, डीएस ने दी जानकारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही। बरही अनुमंडलीय अस्पताल परिसर में मरीजों के लिए बहुत जल्द सौगात मिलने जा रही है। लाखों रुपए के लागत से तैयार हुआ ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट (बीपीएचयू) भवन अब अपने संचालन की दहलीज पर खड़ा है। वर्षों की प्रतिक्षा के बाद आखिरकार स्वास्थ्य विभाग ने प्रक्रिया को गति दी है और अक्टूबर माह के अंत तक या उससे पहले इसके संचालन की संभावना प्रबल हो गई है।

ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट के शुरू होने से बरही व आस - पास की ग्रामीण इलाकों से आने वाले हजारों मरीजों की अब ना जी निजी पैथोलॉजी की दौड़ लगानी होगी और ना ही जांच के लिए जिला मुख्यालय जाना पड़ेगा। बीपीएचयू चालू होते ही ब्लड टेस्ट, लिवर फंक्शन टेस्ट, किडनी फंक्शन टेस्ट, सीबीसी, हीमोग्लोबिन, लिपिडप्रोफाइल, एमपी विडाल जैसी आवश्यक जांच सुविधाएं यही उपलब्ध होगी। इससे मरीजों का कीमती समय बचेगा और आर्थिक भार में भी

उल्लेखनीय कमी आएगी। बरही अनुमंडलीय अस्पताल के डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी के अनुसार भवन निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है और अब मशीनों का इंस्टॉलेशन तकनीकी स्टाफ की नियुक्ति की तैयारियां चल रही है। जैसे ही मशीनें लगेगी, बीपीएचयू का संचालन प्रारंभ कर दिया जाएगा। उम्मीद है कि अक्टूबर के अंत तक या उससे पहले यह शुरू हो जाएगा।

डीएवी पब्लिक स्कूल बरही में करियर काउंसलिंग का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही। डीएवी पब्लिक स्कूल बरही में कक्षा 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को नीट, जेईई, आईआईएम, निफ्ट, आईटीआई सहित विभिन्न करियर विकल्पों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने छात्रों को अपने अनुभव साझा करते हुए करियर चयन से जुड़ी उपयोगी सलाह दी। मुख्य वक्ता डॉ. आशुतोष ने कहा कि बच्चों को अपने करियर का चयन अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार करना चाहिए, क्योंकि पसंद के क्षेत्र में किया गया कार्य ही जीवन में संतुष्टि और सफलता दोनों देता है। विद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी के अंदर एक विशेष प्रतिभा होती है, जिसे पहचानना और उसी दिशा में आगे बढ़ना ही सफलता की कुंजी है।

दारू प्रखंड में एसीबी की बड़ी कार्रवाई

सरकारी कर्मचारी ज्ञानी राम 5,000 रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। हजारीबाग जिले के दारू प्रखंड में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) ने शुक्रवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक सरकारी कर्मचारी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार कर्मचारी की पहचान ज्ञानी राम के रूप में हुई है, जो दारू प्रखंड कार्यालय में कार्यरत था।

सूत्रों के अनुसार, ज्ञानी राम ने एक काम के एवज में 5,000 की रिश्वत की मांग की थी। शिकायत मिलने के बाद एसीबी की टीम ने योजना बनाकर जाल बिछाया और उसे रिश्वत लेते हुए मौके पर ही पकड़ लिया। एसीबी की टीम ने आरोपी को तत्काल गिरफ्तार कर लिया और उससे पूछताछ शुरू कर दी है। इस कार्रवाई के बाद प्रखंड कार्यालय में हड़कंप मच गया है। एसीबी अधिकारियों ने बताया कि मामले की आगे की जांच जारी है, और न्यायिक प्रक्रिया जल्द पूरी की जाएगी।

बरदखुट्टा सह सोहराय मेला के अध्यक्ष बने चंद्रशेखर पटेल एवं सचिव राजकुमार महतो

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

विशुनपुरा। प्रधान अंतिम बनसो के नावाड़ास में आगामी 22 अक्टूबर को होने वाले बरदखुट्टा सह सोहराय मेला को लेकर बुधवार रात ही ग्रामीणों द्वारा एक बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में बरदखुट्टा सह सोहराय मेला बेहतर ढंग से मनाने को लेकर 21 सदस्यीय कमिटी का गठन किया गया। बैठक की अध्यक्षता मुखिया चंद्रेश्वर पटेल ने की। कमेटी में सर्वसम्मति से चंद्रशेखर पटेल को अध्यक्ष एवं सचिव पद पर चुना गया। उपाध्यक्ष राजकुमार महतो, सहायक सचिव राजकुमार रविदास, कोषाध्यक्ष रामदयाल महतो, सहसचिव पिंटू कुमार महतो, बंटू महतो, सचिव सह संयोजक सविता देवी, प्रचारक दिलीप

कुसमाली, आनंदलाल प्रसाद सिंह का चयन किया गया। वहीं सदस्यों में आशिष कुमार महतो, पिंटू कुमार बंस, विवेक कुमार महतो, संतोष कुमार महतो, बंटू महतो, सुभाष महतो, राजेंद्र सिंह, हुमायूं महतो, अमरदीप महतो, चचायरण महतो आदि ग्रामीणों को सदस्य मनोनीत किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुखिया चंद्रशेखर ने कहा कि हम अपनी संस्कृति के लिए जाने जाते हैं, जिसे आगे बढ़ाना हम युवाओं का कर्तव्य है। पंचायत समिति सदस्य राजकुमार महतो ने कहा कि हम सभी ग्रामीण और युवा इस बरदखुट्टा मेले में जितने भी बल और सहयोग, उनकी कमिटी द्वारा दिए गए कार्यों को लेकर सम्मानित किया जाएगा, साथ ही मेला को बेहतर बनाने के लिए सभी ग्रामीणों से सुझाव दिए जाने की अपील भी की गई। बैठक के समापन पर पंचायत समिति सदस्य राजकुमार महतो ने किया।

वाहन चेकिंग के दौरान अवैध हथियार के साथ दो व्यक्ति गिरफ्तार, भेजा गया हिरासत में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। छतरपुर अनुमंडल क्षेत्र के नौडीहा बाजार थाना के द्वारा बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सीमावर्ती क्षेत्रों में पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष वाहन चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस ने दो व्यक्तियों को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत भेजा।

इस बाबत नौडीहा थाना प्रभारी अमित कुमार द्विवेदी ने बताया कि वरीय पुलिस पदाधिकारी के निर्देश पर थाना क्षेत्र के लकड़ाही बाजार व खैरादोहार में देर रात्रि वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था, की इसी दौरान गुरुवार की रात लगभग 10 बजे दो संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा गया। तलाशी के क्रम में उनके पास से एक भरठूवां बंदूक एवं गोली बरामद की गई।अवैध हथियार मामले में सिकंदर उरांव पिता स्व. जगु उरांव, विनोद उरांव वर्ष, पिता सूजन उरांव को गिरफ्तार किया गया।दोनों व्यक्ति ग्राम हुटूगदाग, थाना छतरपुर, जिला पलामू के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि इस अवैध हथियार से जंगली सूअर का शिकार करने जा रहे थे। पुलिस ने उनके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।

करंट लगने से 27 वर्षीय युवक की मौत, परिवार में कोहराम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

के नगर/चम्पानगर/पूर्णिया। थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या-8 स्थित चम्पानगर गाँव शुक्रवार सुबह 9 बजे हृदयविदारक हादसे का साक्षी बना। 27 वर्षीय रोहित राय अचानक बिजली की चपेट में आ गया और बेहोश हो गया। परिजन उसे तुरंत इलाज के लिए जीएमसीएच पूर्णिया ले गए, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव घर लौटते ही परिजन सदमे में आ गए। मृतक के पिता गिरजानंद राय, माता माखन देवी, पत्नी टुन टुन देवी, तीन साल का पुत्र ऋतिक और 15 माह की बेटी ऋतिका सहित परिवारजन अपने प्रियजन से लिपट कर बेसुध रोते रहे। हृदयविदारक दृश्य देखकर आसपास के लोग भी भावुक हो उठे। परिजन इसे लेकर किसी चमत्कार की आस में अररिया जिले के रानीगंज थाना क्षेत्र के मझलत्ता गाँव तांत्रिक के पास भी गए, लेकिन तांत्रिक ने शव को भी मृत घोषित कर दिया।

अंत में शुक्रवार शाम को मृतक का अंतिम संस्कार कारी कोशी नदी के तट पर स्थित श्मशान घाट में किया गया। घटना ने पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ा दी है और परिजन अभी भी हादसे के सदमे से उबर नहीं पाए हैं।

पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा ने जेडीयू को अलविदा कह राजद में किया प्रवेश, धमदाहा सीट पर मुकाबले की अटकलें तेज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। राजनीति के पटल पर सियासी हलचल तेज हो गई है। पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा ने 11 साल बाद जनता दल (यूनाइटेड) छोड़कर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का दामन थाम लिया।

कुशवाहा जेडीयू से दो बार पूर्णिया से सांसद रह चुके हैं और पिछली बार निर्दलीय पप्पू यादव के हाथों लगभग 23 हजार मतों से पराजित हुए थे। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि वे आगामी विधानसभा चुनाव में धमदाहा से राजद का उम्मीदवार बन सकते हैं, जहां उनका मुकाबला बिहार सरकार की मंत्री लेसी सिंह से होने की संभावना है। शुक्रवार को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के पटना पोलो रोड स्थित आवास पर आयोजित समारोह में कुशवाहा ने राजद की सदस्यता ग्रहण की। तेजस्वी यादव ने उनका स्वागत करते हुए कहा कि 'संतोष कुशवाहा के आने से न केवल कोसी-सीमांचल क्षेत्र में पार्टी की स्थिति मजबूत होगी, बल्कि सामाजिक न्याय की लड़ाई भी नए उत्साह के साथ आगे बढ़ेगी।' कुशवाहा ने जेडीयू से अपने अलगाव का कारण स्पष्ट किया। उन्होंने कहा, 'जिस जेडीयू को मैं जानता था, वह अब नहीं रहा। पार्टी पर ऐसे लोग हावी हैं जिनकी सोच सामंती है और जो दलित, पिछड़ा और गरीब विरोधी हैं।

चौपारण बीईईओ का प्रभार राकेश कुमार सिंह को शिक्षा व्यवस्था में सुधार की उम्मीद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। शुक्रवार को शिक्षा विभाग, हजारीबाग ने चौपारण सहित बरही अनुमंडल के कई प्रखंडों के बीईईओ (प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी) का प्रभार एक बार फिर राकेश कुमार सिंह को सौंपा है।

राकेश कुमार सिंह एक अनुभवी और सख्त प्रशासक माने जाते हैं। उनके पूर्व कार्यकाल में चौपारण के विद्यालयों में शिक्षण व्यवस्था, शिक्षकों की उपस्थिति और विद्यार्थियों की प्रगति में उल्लेखनीय सुधार हुआ था।

उन्होंने टेलीफोनिक बातचीत में कहा कि वे पूर्ण निष्ठा और पारदर्शिता के साथ कार्य करेंगे। साथ ही शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने और शिक्षक-विद्यार्थी समन्वय को मजबूत करने का संकल्प दोहराया। वहीं स्थानीय शिक्षकों और अभिभावकों ने उनके दोबारा प्रभार मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की है और उम्मीद जताई है कि शिक्षा व्यवस्था में फिर से सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा।

विष्णुगढ़ में कीचड़ एवं गंदगी की भरमार लोग फिसलकर हो रहे हैं दुर्घटनाग्रस्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

विष्णुगढ़। विष्णुगढ़ पंचायत में इन दिनों दबंग लोगों का मनोबल सातवें आसमान पर है, क्योंकि इन्हें किसी का डर नहीं, ना ही पुलिस का, और ना ही प्रशासन का। इन्हें तो जैसे भगवान से भी डर नहीं, क्योंकि पूरे प्रशासन सड़क पर गंदा पानी बहाने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहा। सड़क पर स्वच्छता अभियान भी नहीं चल रहा।

सड़क पर बहते गंदे नाली के पानी के कारण राहगीर आए दिन फिसल जाते हैं और दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, प्रशासन स्वच्छता पर ध्यान नहीं दे रहा है। जबकि दो साल पहले स्वच्छता अभियान चलाना शुरू किया गया था। लोगों

का कहना है कि सड़क पर कई बार मारकर गिरा दिया जाता है। इसी कारण कई महिलाएं और बच्चे हर दिन फिसलते देखे जा सकते हैं। स्थानीय देवी मंदिर के पास गंदगी का अंबार लगा रहता है। लोग रोजाना गंदे पानी में पैर रखते ही फिसल कर गिर जाते हैं। अगर प्रशासन गंदा पानी बहाने वाले पर कोई कार्रवाई नहीं करती है तो हमलोग आंदोलन करने पर मजबूर होंगे, दशरथ राय दशरथ राय सहित कई स्थानीय लोग जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी दे रहे हैं। उनका कहना है कि सड़क पर बहता गंदा पानी और गंदगी नियंत्रण में नहीं आई तो वे मजबूर होकर आंदोलन करेंगे। जगह-जगह कीचड़ एवं गंदगी का अंबार है, सड़क पर नाली का पानी बहता रहता है, जिससे राहगीर फिसल जाते हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से कई बार शिकायत की है, लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं मिला है।

श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल के सात छात्र 13वीं नेशनल गतका चैंपियनशिप में दिखायेंगे अपनी प्रतिभा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही। बरही के श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल के सात युवा प्रतिभाएं भिलाई छत्तीसगढ़ में आयोजित 13वीं नेशनल गतका चैंपियनशिप में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने के लिए तैयार हैं। देवचंदा मोड़ स्थित श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल के बच्चे, गतका की इस रोमांचक प्रतियोगिता में छात्र-छात्राएं अलग-अलग आयु वर्गों में उतरेंगे, जहां उनकी तेजी, सटीकता और साहस की परीक्षा होगी। स्कूल की इन सितारों की टीम में अंडर-14 कैटेगरी से आयुश कुमार (कक्षा 7), अंडर-17 कैटेगरी में अंशु कुमारी, लक्की कुमार और नेहा टोप्पो, अंडर-19 कैटेगरी में रौशन चौबे और एम.डी. राजा अपनी ताकत और तकनीक से सबका दिल जीतने की ठान चुके हैं। ये सभी बच्चे न सिर्फ स्कूल का,

बल्कि झारखंड का नाम ऊंचा करने के लिए मैदान पर उतर रहे हैं, जहां हर झटका और हर वार में उनकी महीनों की मेहनत झलकेगी। पी.टी.आई इंचार्ज हर्ष ओर गतका कोच अंशु कुमार ने कहा कि हमारे बच्चे पूरी तरह तैयार हैं। वे मानसिक और शारीरिक रूप से अपने खेल को लेकर आत्मविश्वास से भरे हुए हैं। हमें पूरा यकीन है कि ये खिलाड़ी मैदान में अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे और विजेता बनकर लौटेंगे। हमारे सभी खिलाड़ी हमारे लिए पहले से ही चैंपियन हैं।" उनकी ये बातें सुनकर लगता है कि ये बच्चे सिर्फ ट्रॉफी नहीं, बल्कि दिलों पर राज करने जा रहे हैं। स्कूल के निदेशक, शिक्षक शिक्षिकाओं ने सभी खिलाड़ियों की उज्वल भविष्य की कामना की है।

ऑनलाइन गेमिंग की लत में युवक ने गंवाए तीन करोड़

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। ऑनलाइन गेमिंग की खतरनाक लत ने एक युवक की जिंदगी पूरी तरह तबाह कर दी है। हजारीबाग जिले के बड़कागांव प्रखंड के चुरचू गांव निवासी भीम कुमार प्रजापति ने ऑनलाइन गेम के जाल में फंसकर करीब तीन करोड़ रुपये गंवा दिए। अब कर्जदारों के दबाव में उसकी जिंदगी संकट में पड़ गई है। युवक ने अपनी समस्या को लेकर हजारीबाग एसपी कार्यालय में आवेदन दिया है और मुख्यमंत्री से गुहार लगाई है कि उसे कर्ज चुकाने के लिए कुछ समय की मोहलत दिलाई जाए।

30 लोगों से लिया था कर्ज

एनटीपीसी की पकरी बरवाडीह कोयला परियोजना के लिए 7 एकड़ जमीन अधिग्रहित होने पर भीम को विस्थापन मुआवजे के रूप में लगभग दो करोड़ रुपये मिले थे। इसके अलावा उसने बाजार के करीब 30 लोगों से एनटीपीसी के नाम पर एक करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज भी लिया। तीन करोड़ रुपये की यह पूरी

रकम उसने 2022 में शुरू की गई ऑनलाइन गेमिंग की लत में गंवा दी। शुरुआत में वह 20–30 लाख रुपये तक जीतता रहा, जिससे उसका आत्मविश्वास बढ़ता गया। लेकिन धीरे-धीरे वह लगातार हारता गया और अंततः भारी नुकसान झेलना पड़ा। तीन करोड़ रुपये डूबने के बाद अब कर्जदाताओं का दबाव इतना बढ़ गया है कि वह घर छोड़कर इधर-उधर छिपता फिर रहा है। नौकरी पर भी नहीं जा पा रहा है। वर्तमान में वह त्रिवेणी सैनिक कंपनी में कार्यरत है।

ऑनलाइन गेमिंग से बरबाद हुई जिंदगी

भीम कुमार ने बताया कि ऑनलाइन गेमिंग की शुरुआत उसने महज मनोरंजन के लिए की थी, लेकिन यह धीरे-धीरे खतरनाक जुआ साबित हुआ। उसने लोगों से अपील की कि कोई भी व्यक्ति इस लत में न फंसे, वरना उसकी स्थिति भी ऐसी हो सकती है।

सरकार ने लगाया बैन

भारत सरकार ने अब ऑनलाइन गेमिंग पर प्रतिबंध लगा दिया है, क्योंकि इस लत के कारण देशभर में कई परिवार आर्थिक संकट में फंस चुके हैं। हजारीबाग में भी कुछ ऑनलाइन गेम संचालकों को गिरफ्तार किया गया है। एएसपी अमित कुमार ने कहा, "ऑनलाइन गेमिंग एक बुरी लत है, जिसने कई घर बर्बाद किए हैं। लोग गलती से भी इस जाल में न फंसें।" भीम कुमार का मामला इस बात का जीता-जागता उदाहरण है कि ऑनलाइन गेमिंग कैसे किसी की जिंदगी को सड़क पर ला सकती है। यह चेतावनी है कि मनोरंजन के नाम पर चल रहे इस काले कारोबार से दूर रहना ही समझदारी है।

रांची विश्वविद्यालय ने बंद किया चांसलर पोर्टल

रांची/नबिटा ब्यूरो। रांची विश्वविद्यालय में इस वर्ष स्नातक में दाखिले को लेकर छात्रों में जबरदस्त उत्साह दिखा। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, इस शैक्षणिक सत्र में कुल 71,840 आवेदन प्राप्त हुए।वहीं विश्वविद्यालय से संबद्ध 39 कॉलेजों में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए लगभग 45,000 सीटें निर्धारित हैं। अब तक 41,356 विद्यार्थियों का नामांकन पूरा किया जा चुका है, जबकि शेष सीटों को लेकर अब विश्वविद्यालय ऑफलाइन प्रक्रिया के माध्यम से स्थिति स्पष्ट कर रहा है। रांची विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया पूरी करने के साथ-साथ अब ध्यान शैक्षणिक सत्र को नियमित करने पर केंद्रित किया गया है। इसी उद्देश्य से फिलहाल चांसलर पोर्टल को बंद कर दिया गया है। पिछले कुछ वर्षों से नामांकन में हो रही देरी के कारण सत्र लगातार पीछे खिसक रहा था। विश्वविद्यालय प्रबंधन ने अब इस समस्या को प्राथमिकता से दूर करने की दिशा में कदम उठाया है।

रांची यूनिवर्सिटी के डीएसडब्ल्यू ने दी जानकारी

इस संबंध में रांची विश्वविद्यालय के डीएसडब्ल्यू सुदेश कुमार साहू ने बताया कि विश्वविद्यालय का सत्र काफी लेट हो चुका है और इसे अब नियमित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, इस बार विश्वविद्यालय प्रशासन ने समय पर नामांकन की प्रक्रिया रोककर आगे का शैक्षणिक कैलेंडर समयबद्ध करने का निर्णय लिया है। नियमित सत्र से न केवल शिक्षण कार्य समय पर पूरा होगा, बल्कि छात्रसंघ चुनाव भी तय समय पर कराए जा सकेंगे।

छात्रा के अपहरण की कोशिश में पांच आरोपित गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

साहिबगंज। जिले के राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत उत्क्रमित उच्च विद्यालय जामनगर के पास गुरुवार को एक नाबालिग स्कूली छात्रा को अपहरण की कोशिश को ग्रामीणों की सूझबूझ से विफल कर दिया गया। इस घटना में शामिल पांच आरोपियों को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में एसडीपीओ नितिन खंडेलवाल ने जानकारी दी।

ग्रामीणों की सतर्कता से बची छात्रा

एसडीपीओ ने बताया कि जामनगर बंगाली टोला के समीप एवं लखीपुर–मनसिंहा पेट्रोल पंप के पास पांच युवकों ने एक नाबालिग छात्रा का अपहरण करने का प्रयास किया। ग्रामीणों ने समय रहते घटना को देख लिया और साहस दिखाते हुए पुलिस को तुरंत सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन हरकत में आया और आरोपितों को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया गया।

एसपी ने गठित की विशेष टीम

मामले की गंभीरता को देखते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के निर्देश पर पुलिस निरीक्षक राजीव रंजन के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया। इस टीम में थाना प्रभारी हसनैन अंसारी, पुलिस अवर निरीक्षक ओमप्रकाश चौहान, पवन यादव, शंभु शंकर सिंह, महादेव उरांव, सहायक अवर निरीक्षक सिकंदर तिर्की सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

मजहर टोला दियारा से पांचों आरोपित गिरफ्तार

छापेमारी के दौरान पुलिस ने अपहरण की कोशिश में शामिल पांचों युवकों को मजहर टोला दियारा क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में गोढ़िया टोली निवासी सेन्टू शेख, समीर शेख, बाबर शेख, मेंबर शेख और हसन टोला निवासी हमीद शेख शामिल हैं।

आरोपितों को भेजा गया जेल

गिरफ्तारी के बाद सभी आरोपियों की चिकित्सीय जांच कराई गई और उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। एसडीपीओ नितिन खंडेलवाल ने कहा कि क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने स्थानीय लोगों से अपील की कि असामाजिक तत्वों के खिलाफ प्रशासन को सहयोग दें।

प्रशिक्षण ही निर्वाचन प्रक्रिया की आधारशिला : जिला निर्वाचन पदाधिकारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। शहर के विभिन्न विद्यालयों में मतदान संपन्न कराने हेतु पोलिंग ऑफिसर 1 एवं पोलिंग ऑफिसर 2 का प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार बिहार विधानसभा आम निर्वाचन, 2025 के निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं सुचारू आयोजन हेतु जिला प्रशासन द्वारा संचालित किया जा रहा है। मास्टर ट्रेनरों के द्वारा सभी मतदान कर्मियों को बेहद सरलतापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान किया गया ताकि मतदान की प्रक्रिया सफलतापूर्वक सुनिश्चित की जा सके।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री द्वारा शहर में चल रहे विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों का औपचारिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रशिक्षण सत्र की गुणवत्ता, प्रशिक्षण सामग्री की उपलब्धता तथा उपस्थित मतदान कर्मियों की संख्या का अवलोकन किया। उन्होंने प्रशिक्षण में सम्मिलित मतदान कर्मियों से प्रत्यक्ष संवाद करते हुए मतदान प्रक्रिया में शत-प्रतिशत दक्षता एवं निष्पक्षता बनाए रखने हेतु आवश्यक निर्देश दिए।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने प्रशिक्षण कोषांग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक मतदान कर्मी को ईवीएम एवं वीवीपैट मशीन के संचालन, मतदान केंद्र पर आचार संहिता का अनुपालन, दिव्यांग एवं वरिष्ठ मतदाताओं के लिए विशेष प्रबंध, तथा आपातकालीन परिस्थितियों में कार्यवाही की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाए। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि प्रशिक्षण ही निर्वाचन प्रक्रिया की आधारशिला है और इसका उचित संचालन मतदान दिवस की सफलता सुनिश्चित करेगा। प्रशिक्षण कोषांग के नोडल अधिकारी रितेश कुमार यादव ने कहा कि "प्रशिक्षण एक आवश्यक प्रक्रिया है, जो प्रत्येक मतदान कर्मी को उनके दायित्वों एवं कर्तव्यों के प्रति सक्षम बनाता है। हमारा प्रयास है कि प्रशिक्षण के माध्यम से प्रत्येक कर्मी निर्वाचन प्रक्रिया की समस्त तकनीकी एवं व्यवस्थापकीय सूचनाओं से परिपूर्ण होकर मतदान दिवस पर निर्बाध एवं निष्पक्ष सेवा प्रदान कर सके। प्रथम चरण के प्रशिक्षण के सफल आयोजन के उपरांत द्वितीय चरण की तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं, जिसमें व्यावहारिक अभ्यास एवं दिशा-निर्देश सम्मिलित होंगे। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने समस्त अधिकारियों एवं कर्मियों से अनुरोध किया कि वे प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान एवं निर्देशों को मतदान दिवस पर पूर्ण रूप से कार्यान्वित करें, जिससे बिहार विधानसभा आम निर्वाचन, 2025 एक सशक्त, पारदर्शी एवं लोकतांत्रिक आयोजन के रूप में सुनिश्चित हो सके।

दिव्यांग बच्चों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण विकसित करने पर जोर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय स्थित पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय के सभागार में सदर प्रखंड के नोडल टीचर्स का तीन दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य उदय कुमार सिंह एवं प्रशिक्षक राकेश कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्रशिक्षण के शुभारंभ के उपरांत नोडल टीचर्स को संबोधित करते हुए प्राचार्य उदय कुमार सिंह ने कहा कि तीन दिन का प्रशिक्षण से उनका दिव्यांगों के प्रति दृष्टिकोण और भी संवेदनशील हो जाएगा। दिव्यांगों का हौसला केवल बढ़ाने की जरूरत है वह किसी भी कठिन से कठिन कार्य को बेहतर तरीके से संपादित कर सकते हैं। उन्होंने स्टीफन हॉकिंस, सुधा चंद्रन, यूपी में डीएम रहे सुहास एल वाई आदि का उदाहरण देकर कहा कि वह इसलिए इतने कामयाब हुए क्योंकि कोई न कोई एक अच्छा शिक्षक या मोटीवेटर उनकी जिंदगी में आया था। प्राचार्य ने कहा कि प्रशिक्षक राकेश कुमार तीन दिवसीय ट्रेनिंग के लिए डिजाइन किए हुए मॉड्यूल के अनुरूप उन्हें प्रशिक्षित करेंगे।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: ओ/एसी/टी/105/25-26 (ओपन), दिनांक 09.10.2025; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं (खुली) आमंत्रित की जाती हैं: **केस सं.:** ओ-एसी-टी-105-25-26; **कार्य का नामः** आसनसोल मंडल के जोन सं. 26 में सीनि. डीईएन/1/आसनसोल अनुभाग में दिनांक 01.07.2025 से 30.06.2026 तक की अवधि के लिए एलसी गेट लॉज एवं सड़क की मरम्मत इत्यादि के लिए जोनल कार्य हेतु खुली निविदा। **निविदा मूल्यः** रु. 30,00,000; **बयाना राशिः** रु. 60,000; **कार्य समापन अवधिः** 09 महीने। **बंद होने की तारीख एवं समयः** 05.11.2025 को 12.00 बजे। सम्पूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखे जा सकते हैं। (ASN-204/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

सनकी ने दो भाइयों पर किया चाकू से हमला, एक की हालत गंभीर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। जहानाबाद जिले के नगर थाना क्षेत्र के हाट बाजार में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक सनकी युवक ने आपसी विवाद के चलते दो सगे भाइयों पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस हमले में एक भाई गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद पीएमसीएच पटना रेफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हाट बाजार निवासी शंकर साव के दो पुत्र — सुजल कुमार और राधेश्याम — ड्राई फ्रूट्स की दुकान चलाते हैं। गुरुवार की शाम राधेश्याम दुकान पर बैठे थे, तभी पास के ही एक युवक ने अचानक उन पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गए।इसके बाद जब परिजन राधेश्याम का इलाज कराकर लौट रहे थे, उसी दौरान हमलावर ने दोबारा हमला करते हुए राधेश्याम के छोटे भाई सुजल कुमार को भी चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। आनन-फानन में दोनों घायलों को सदर अस्पताल, जहानाबाद लाया गया, जहां से डॉक्टरों ने सुजल कुमार को बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच पटना रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, घर में ताला लगाने को लेकर हुए विवाद ने यह हिंसक रूप ले लिया। नगर थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर के बीचोबीच बाजार में हुई इस चाकूबाजी की घटना से स्थानीय लोगों और व्यापारियों में दहशत फैल गई है। घटना के बाद लोग काफ़ी भयभीत और डरे सहमे हुए हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस घटना में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

जमीन विवाद में बुजुर्ग की हत्या, पसरा सन्नाटा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। जिले के सिकरिया थाना क्षेत्र के लुतफुल्लाह चक गांव में जमीन विवाद को लेकर एक बुजुर्ग की हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 79 वर्षीय राजबलम यादव के रूप में हुई है। मृतक बुजुर्ग लुतफुल्लाह चक गांव के निवासी बताए जाते हैं। घटना के बाद पूरे गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, जहानाबाद भेज दिया है। परिजनों ने बताया कि राजबलम यादव अपने खेत में बरगद के सूखे पत्तों को इकट्ठा कर जलाने का काम कर रहे थे, तभी उनके गोतिया (सगे रिश्तेदार) वहां पहुंच गए और इसका विरोध करने लगे। इस बीच दोनों के बीच कहासुनी हुई, जो धीरे-धीरे हिंसक झड़प में बदल गई। आरोप है कि गोतिया के लोगों ने राजबलम यादव पर लाठी-डंडे से हमला कर दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि यह विवाद कई महीनों से चला आ रहा था। दोनों पक्षों के बीच जमीन की सीमांकन को लेकर लगातार तनातनी बनी रहती थी। इसी तरह शुक्रवार को भी मामूली विवाद हुआ जो बाद में झगड़े का गंभीर रूप ले लिया। इस लड़ाई में एक शांत स्वभाव के बुजुर्ग जो अपने जीवन के अंतिम पड़ाव पर था उनकी जान चली गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग घटनास्थल पर जुट गए। वहीं, जब मृतक के परिजनों को खबर मिली, तो वे खेत की ओर दौड़े और लहूलुहान अवस्था में पड़े राजबलम यादव का शव देखकर रो-रो कर बेहाल हो गए। इस घटना के बाद पूरे गांव में मातम का माहौल पसर गया। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए घटना की सूचना पुलिस को सूचना दिया। सूचना मिलते ही सिकरिया थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला जमीन विवाद से जुड़ा हुआ प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि घटना की हर पहलू से जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि की जा सकेगी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। वहीं, ग्रामीणों ने प्रशासन से दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि राजबलम यादव एक शांत और मिलनसार व्यक्ति थे, जो कभी किसी से विवाद नहीं करते थे।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

ई-निविदा सूचना सं.: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-91-92-25, दिनांक: 08.10.2025 तथा **ई-निविदा सूचना सं.: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-93-94-25, दिनांक: 09.10.2025।** भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक (अभियांत्रिकी), दक्षिण पूर्व रेलवे, आद्रा नीचे उल्लिखित विवरणों के अनुसार **आरसीसी टैंक, विविध कार्यों, एच-बीम** तथा **एलएचएस कार्यों** के लिए **04 (चार) अदद** ई-निविदायें आमंत्रित करते हैं: **क्रम संख्या:** 1। **निविदा सं.: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-91-25। कार्य का विवरण:** दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल में पुरुलिया में आरसीसी ओवरहेड टैंक द्वारा पुराने जीर्ण शीर्ण तथा अत्यंत पुराने आरसीसी टैंक की बदली। **निविदा मूल्य:** ₹ 2,63,34,248.72। **क्रम संख्या:** 2। **निविदा सं.: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-92-25। कार्य का विवरण:** दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल में डीईएन/सेंट्रल/आद्रा के अधिकार क्षेत्र के अधीन मधुकुण्डा-दामोदर खंड में पुल संख्या 520 (30.5 x 22) की रिवर बेड मैपिंग। **निविदा मूल्य:** ₹ 3,32,387.55। **क्रम संख्या:** 3। **निविदा सं.: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-93-25। कार्य का विवरण:** आद्रा मंडल- दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल में टीबीएसआर (एच-बीम)-1195 अदद। **निविदा मूल्य:** ₹ 3,83,87,944.62। **क्रम संख्या:** 4। **निविदा संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-94-25। कार्य का विवरण:** आद्रा मंडल के गौरीनाथधाम-बरबेंदा के बीच किमी. 343/4-5 पर पीके-17 आरओबी का कट एवं कवर पद्धति द्वारा तथा पुरुलिया-चांडिल के बीच जेसी-26, जेसी-43, जेसी-53, जेसी-56 के लोकेशनों पर बॉक्स पुशिंग पद्धति द्वारा आरओबी के स्थान पर सीमित ऊंचाई के सबवे का निर्माण। **निविदा मूल्य:** ₹ 32,28,19,301.83। ई-निविदा बंद होने की तारीख और समय: **03.11.2025 को अपराह्न 3:00 बजे** (क्रम संख्या 1 एवं 2 प्रत्येक के लिए) तथा **10.11.2025 को अपराह्न 3:00 बजे** (क्रम संख्या 3 एवं 4 प्रत्येक के लिए)। उपर्युक्त ई-निविदाओं के विवरण के लिए कृपया वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** देखें। (PR-706)

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक (अभियंत्रण)/पूर्व मध्य रेल/धनबाद द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती हैः–

क्र.सं. : 1, **ई–निविदा सं. :** 201-DHN-2025-26, **कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि :** व.मं.अभि./2/धनबाद के अधीन मंडल में हजारीबाग रोड गुड्स शेड पर गुड्स शेड का सुधार एवं प्रदूषण नियंत्रण उपायों का प्रावधान। **12 (बारह) महीना, कार्य की लगभग लागत (रू. में):** 4,39,61,686.78

क्र.सं. : 2, **ई–निविदा सं. :** 202-DHN-2025-26, **कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि :** धनबाद मंडल में बेरमो, बरकाकाना (एलटीबीके एवं ओएसबीके) तथा पतरातु गुड्स शेड पर गुड्स शेड का सुधार एवं पीसी उपायों का प्रावधान। **12 (बारह) महीना, कार्य की लगभग लागत (रू. में) :** 32,61,77,266.12

क्र.सं. : 3, **ई–निविदा सं. :** 203-DHN-2025-26, **कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि :** धनबाद मंडल में पिपराडीह एवं न्यू गिरिडीह गुड्स शेड पर गुड्स शेड का सुधार एवं प्रदूषण नियंत्रण उपायों का प्रावधान। **12 (बारह) महीना, कार्य की लगभग लागत (रू. में):** 5,30,11,751.54

क्र.सं. : 4, **ई–निविदा सं. :** 204-DHN-2025-26, **कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि :** सहा.मं.अभि./1/धनबाद के अधीन धनबाद में 10बटालियन/आरपीएसएफ/धनबाद के लिए 150 बिस्तर क्षमता के साथ बहु मंजिला बैरक के निर्माण का अवशेष भाग। **12 (बारह) महीना, कार्य की लगभग लागत (रू. में) :** 1,01,69,658.92

क्र.सं. : 5, **ई–निविदा सं. :** 205-DHN-2025-26, **कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि :** सहा.मं.अभि.(2)/धनबाद के अधीन सी एण्ड डब्लयु माइनर डिपो कुसुंडा और कतरासगढ़ में बुनियादी सुविधाओं का सुधार। **12 (बारह) महीना, कार्य की लगभग लागत (रू. में):** 2,23,61,527.44

क्र.सं. : 6, **ई–निविदा सं. :** 206-DHN-2025-26, **कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि :** सहा.मं.अभि.–1/गोमो के अधीन गोमो के जल भंडारण को सुधारने के लिए चोरापट्टी रिजर्वियर का डिसिल्टिंग। **06 (छः) महीना, कार्य की लगभग लागत (रू. में):** 54,93,676.00

क्र.सं. : 7, **ई–निविदा सं. :** 207-DHN-2025-26, **कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि :** रजहरा (RHR) में नये वार्फ, शेड, सुविधाओं, सड़क संयोजन, रेलवे कर्मचारियों के लिए कार्यालय, रोशनी की व्यवस्था का निर्माण तथा धनबाद मंडल में टीपीएसटी (TORI), बीराटोली, कुसमाही एवं डाल्टनगंज गुड्स शेड पर गुड्स शेड का सुधार एवं पीसी उपायों का प्रावधान। **12 (बारह) महीना, कार्य की लगभग लागत (रू. में):** 34,15,55,587.79

क्र.सं. : 8, **ई–निविदा सं. :** 208-DHN-2025-26, **कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि :** धनबाद मंडल– व.मं.अभि./3/धनबाद के क्षेत्राधिकार में सहा.मं.अभि./बरकाकाना के अधीन सेस मरम्मत 1.55 टीकिमी (3 मीटर ऊँचाई)। **12 (बारह) महीना, कार्य की लगभग लागत (रू. में):** 39,58,536.07

क्र.सं. : 9, **ई–निविदा सं. :** 209-DHN-2025-26, **कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि :** धनबाद मंडल– व.मं.अभि./3/धनबाद के क्षेत्राधिकार में सहा.मं.अभि./2/गोमो और सहा.मं.अभि./बरकाकाना के अधीन टीबीएसआर (एच–बीम)–810 नं.। **12 (बारह) महीना, कार्य की लगभग लागत (रू. में) :** 2,73,87,539.95

क्र.सं. : 10, **ई–निविदा सं. :** 210-DHN-2025-26, **कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि :** सहा.मं.अभि.(2)/धनबाद के अधीन वाशिंग पिट सं. 03 एवं 04 का अपग्रेडेशन/विकास और कोचिंग डिपो धनबाद में व्हील लेथ लाईन का ट्रैक लिंकिंग। **12 (बारह) महीना, कार्य की लगभग लागत (रू. में) :** 2,05,89,570.20

क्र.सं. : 11, **ई–निविदा सं. :** 211-DHN-2025-26, **कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि :** धनबाद मंडल में कटकमसांडी, हजारीबाग टाउन, चरही और बेस गुड्स शेड पर गुड्स शेड का सुधार एवं पीसी उपायों का प्रावधान। **12 (बारह) महीना, कार्य की लगभग लागत (रू. में):** 32,63,34,071.62

ब्याने की राशि (रू. में) : ब्याने की राशि http://www.ireps.gov.in पोर्टल पर दिखाये राशि के अनुसार लागू। **निविदा बंद होने एवं खुलने की तारीख तथा समय :** ई–निविदा बंद होने की तारीख 30.10.2025 को 12:00 बजे तक। ई–निविदा खुलने की तारीख 30.10.2025 को 12:30 बजे से। **वेबसाइट का विवरण : http://www.ireps.gov.in** ई–निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल रेल प्रबंधक (अभियंत्रण)
पूर्व मध्य रेल/धनबाद

पीआर/1119/डीएचएन/इंजी०/टी/25–26/112

आचार संहिता उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई : जिलाधिकारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 की अधिसूचना जारी कर दी गई है। नवादा जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में मतदान की तिथि 11 नवम्बर 2025 तथा मतगणना की तिथि 14 नवम्बर 2025 निर्धारित की गई है। निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के आलोक में सभी उम्मीदवारों, उनके चुनाव अभिकर्ताओं एवं समर्थकों को निर्देश दिया है जाता है कि चुनाव प्रचार के दौरान किसी भी निजी भवन, दीवार आदि पर बिना लिखित अनुमति के पोस्टर, बैनर, नारा आदि नहीं लगाया जाए। सार्वजनिक भवनों, बिजली के खंभों, सरकारी संपत्ति, पुल-पुलिया, सड़कों के महत्वपूर्ण स्थानों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड आदि पर विज्ञापन, बैनर, झंडा, नारा या पोस्टर लगाने की अनुमति नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई प्रत्याशी या समर्थक इन आदेशों का उल्लंघन करता पाया गया, तो इसे आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन मानते हुए संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिला निर्वाचन कार्यालय सभी दलों, उम्मीदवारों एवं आम नागरिकों से आचार संहिता के नियमों का पालन करने की अपील करती है, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न हो सके।

राजनीतिक दलों के साथ डीएम ने की समीक्षा बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी कुंदन कुमार की अध्यक्षता में एक अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक का उद्देश्य था जिले भर के मतदान केंद्रों की स्थिति की समीक्षा और नए सहायक मतदान केंद्रों के प्रस्तावों पर चर्चा। जिलाधिकारी ने बताया कि हाल ही में किए गए भौतिक सत्यापन में कई पुराने मतदान केंद्र अब या तो पूरी तरह से ध्वस्त हो चुके हैं या उनकी स्थिति इतनी जर्जर है कि वहां मतदान कराना जोखिम भरा हो सकता है। कुछ केंद्र निजी भवनों में भी संचालित हो रहे थे, जिन्हें अब सार्वजनिक स्थलों में स्थानांतरित करने की जरूरत महसूस की जा रही है। इसी क्रम में हिलसा विधानसभा क्षेत्र (175) का एक मामला विशेष रूप से सामने आया। सांध पैक्स गोदाम, सलेमपुर भवन में आई दरारें और छत की जर्जर स्थिति को देखते हुए अब मतदान केंद्र को कन्या प्राथमिक विद्यालय, सलेमपुर (जो केवल 5 मीटर की दूरी पर है) में शिफ्ट करने का प्रस्ताव रखा गया, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया। चुनाव आयोग की गाइडलाइनों के अनुसार, यदि किसी मतदान केंद्र पर मतदाताओं की संख्या तय सीमा से अधिक हो जाती है, तो वहां एक सहायक मतदान केंद्र बनाया जा सकता है। जिले की समीक्षा में

केवल बिहारशरीफ विधानसभा क्षेत्र (172) के दो केंद्र 222 और 225 (उर्दू प्राथमिक विद्यालय, छज्जू) ही ऐसे निकले, जहां मतदाताओं की संख्या अधिक थी। इन दोनों केंद्रों में ही मूल भवन के भीतर सहायक मतदान केंद्र बनाए जाने का प्रस्ताव दिया गया। बाकी के विधानसभा क्षेत्रों — अस्थावां, राजगीर (अ.जा), इस्लामपुर, हिलसा, नालंदा और हरनौत में मतदाताओं की संख्या मानक के अनुरूप पाई गई, वहां किसी सहायक केंद्र की आवश्यकता नहीं महसूस की गई। चर्चा गंभीर थी, लेकिन सहमति सहजता से बनी। आम आदमी पार्टी से लेकर बीजेपी, राजद से लेकर जेडीयू, वाम दलों से लेकर अन्य मान्यता प्राप्त पार्टियों के प्रतिनिधियों ने प्रशासन की तैयारियों की सराहना की और प्रस्ताव को निर्वाचन विभाग, बिहार को भेजने के लिए अपनी सहमति दी। बैठक में जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी समेत सभी प्रमुख दलों के प्रतिनिधि मौजूद थे, और हर किसी की चिंता एक ही थी — मतदाता बिना डर और असुविधा के मतदान कर सकें।

पार्किंग अनुबंध के लिए ई-नीलामी सूचना

ई-नीलामी सूचना संख्या: सीओएमएमएल.-1/पार्किंग/10/25 दिनांक : 07.10.2025।

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, आद्रा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-नीलामी आमंत्रित करते हैं: विवरण निम्नलिखित अनुसार हैं: **श्रेणी: पे एंड यूज़। नीलामी कैटेलॉग संख्या: पेएनयू23। लॉट सं./श्रेणी:** पीएनयू-एडीआरए-बीकेएससी-टीओआई-47-25-2 (पे एंड यूज़ टॉयलेट)। **नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट):** 21.10.2025 को दोपहर 12.00 बजे। **नीलामी बंद होने की तारीख/समय:** 21.10.2025 को दोपहर 12.30 बजे। **श्रेणी: पार्किंग।** (1) **नीलामी कैटेलॉग संख्या: पार्क 89। लॉट सं./श्रेणी:** पार्किंग-एडीआरए-पीआरआर-एमएक्स-71-25-1 (पार्किंग - मिक्स्ड)। **नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट):** 21.10.2025 को दोपहर 12.00 बजे। **नीलामी बंद होने की तारीख/समय:** 21.10.2025 को दोपहर 12.30 बजे। (2) **नीलामी कैटेलॉग संख्या: पार्क 90। लॉट सं./श्रेणी:** पार्किंग-एडीआरए-सीडीजीआर-टीडब्ल्यू-72-25-2 (पार्किंग - टू व्हीलर)। **नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट):** 22.10.2025 को दोपहर 12.00 बजे। **नीलामी बंद होने की तारीख/समय:** 22.10.2025 को दोपहर 12.30 बजे।

ई-नीलामी सूचना संख्या: सीओएमएमएल.-1/पार्किंग/10/I/25 दिनांक: 09.10.2025।

श्रेणी: पार्किंग। नीलामी कैटेलॉग संख्या: पार्क 88। लॉट सं./श्रेणी: (1) पार्किंग-एडीआरए-आरकेआई-टीडब्ल्यू-66-25-1 (पार्किंग-टू व्हीलर)। (2) पार्किंग-एडीआरए-बीबीएम-एमएक्स-64-25-1 (पार्किंग- मिक्स्ड)। (3) पार्किंग-एडीआरए-एसएलबी-एमएक्स-60-25-1 (पार्किंग- मिक्स्ड)। **नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट):** 24.10.2025 को दोपहर 12.00 बजे (क्रम संख्या 1 से 3 प्रत्येक के लिए)। **नीलामी बंद होने की तारीख/समय:** 24.10.2025 को दोपहर 12.30 बजे (क्रम संख्या 1 के लिए), 24.10.2025 को दोपहर 12.40 बजे (क्रम संख्या 2 के लिए) एवं 24.10.2025 को दोपहर 12.50 बजे (क्रम संख्या 3 के लिए)। **द्रष्टव्य:** संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे आईआरईपीएस वेबसाइट **(www.ireps.gov.in)** पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल पर जाएं। पूछताछ/स्पष्टीकरण, यदि कोई हो , के लिए कृपया अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से संपर्क करें।

(PR-708) **वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, आद्रा**

दक्षिण पूर्व रेलवे
मुस्कान के साथ सेवा

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिये तकनीकी विशेषज्ञता, वित्तीय क्षमता एवं पर्याप्त अनुभव रखनेवाले ख्यातिलब्ध प्रतिष्ठानों/एजेंसियों/संवेदको ''टू पैकेट बिड'' पर ई–निविदायें आमंत्रित है।

1. निविदा संख्या एवं दिनांक : e-tender Notice No. MC-07-OPEN-2025-26 दिनांक 08.10.2025. 2. कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि : धनबाद मंडल से खुलने वाली ट्रेनों में ऑन बोर्ड लिनन डिस्ट्रब्यूशन का चार साल के लिए ठेका। कार्य समापन अवधि–4 वर्ष। 3. कार्य की अनुमानित लागत : ₹18,92,80,940.80 (अठारह करोड़ बानवे लाख अस्सी हजार नौ सौ चालीस रूपये और अस्सी पैसे) मात्र। 4. बयाना राशि : ₹10,96,500.00 (दस लाख छियानवे हजार पांच सौ रूपये) मात्र। 5. ई–निविदा बंद होने की तारीख एवं समय : तारीख 29.10.2025 को 17:00 बजे। ई–निविदा खुलने की तारीख एवं समय : तारीख 30.10.2025 को 12:00 बजे। 6. प्री–बिड मिटिंग दिनांक एवं समय 14.10.2025 – 11:00 बजे : प्री–बिड मिटिंग स्थान : सीनियर सी.डी.ओ./धनबाद मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय/पू.म.रे./धनबाद। 7. वेबसाईट विवरण : https://www.ireps.gov.in ई–निविदा के तहद मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल रेल प्रबंधक/
पूमरे/धनबाद

पीआर/1128/डीएचएन/यां./टी/25–26/40

पूर्व मध्य रेल

निविदा सूचना

निविदा सूचना संख्या : RP/ECR/DNR/PMS/GMO-PTRU/RETEND दिनांक – 08.10.2025

1. कार्य का नाम एवं स्थान : Request for proposal (RFP) appointment of project management services (PMS) for "Design, Supply, Erection, Testing & commissioning of 132/2x25 KV Traction sub-station along with SP/SSP's between Gomoh-Patratu Section in connection with raising loading capacity upto 3000MT under East Central Railway. 2. कार्य का अनुमानित लागत : ₹63148809.53/–, 3. निविदा फार्म की किमत : ₹0.00, 4. आवश्यक बयाना राशि : ₹465800.00/–, 5. निविदा प्रस्ताव जमा करने एवं निविदा खुलने की तारीख एवं समय : निविदा प्रस्ताव जमा करने की प्रारांभिक तारीख दिनांक– 26.11.2025 निविदा खुलने की तारीख एवं समय– दिनांक 10.12.2025 को 15:00 बजे। 6. वेबसाइट विवरण, नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ पात्रता मानदंड एवं अन्य शर्ते व विवरण की जानकारी प्राप्त की जा सकती है : पात्रता मानदंड एवं अन्य शर्ते व विवरण निविदा प्रपत्र में है जिसे www.ireps.gov.in वेवसाईट पर देखा जा सकता है। 7. पता एवं अन्य जानकारी : मुख्य विद्युत अभियंता/रेल परियोजना/दानापुर कार्यालय जगजीवन स्टेडियम के निकट, खगौल पोस्ट – खगौल जिला – पटना, पिन–801105.

उप मुख्य विद्युत अभियंता/
रेल परियोजना/पूमरे/दानापुर

पीआर/1129/डीएनआर/विद्युत/टी/24–25/40

New page 4_page 12 29.05.2025.qxd 10-10-2025 21:54 Page 1

जदयू के पूर्व सांसद ने थामी लालटेन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार की सियासत में आज एक बड़ा भूचाल आ गया। जनता दल यूनाईटेड को पूर्णिया क्षेत्र में एक तगड़ा झटका देते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व लोकसभा सांसद संतोष कुमार कुशवाहा राष्ट्रीय जनता दल में शामिल हो गए हैं। उन्होंने आज दोपहर एक बजे जदयू से इस्तीफा दे दिया हैं।

पार्टी में लंबे समय से अनदेखी झेल रहे कुशवाहा अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ आज दोपहर तीन बजे के बीच पटना में राजद की सदस्यता ग्रहण की। कुशवाहा के इस कदम से सीमांचल की राजनीति गरमा गई है।

संतोष कुमार कुशवाहा ने जदयू छोड़ने के पीछे नेतृत्व की उपेक्षा को मुख्य कारण बताया है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि दो बार सांसद रहने के बावजूद जदयू के शीर्ष नेतृत्व द्वारा संतोष कुशवाहा को दरकिनार किया जाना ही उनके इस बड़े फैसले की वजह बना। उनके करीबियों का कहना है कि कुशवाहा राजद के टिकट पर

नेतृत्व की उपेक्षा बताया कारण

धमदाहा विधानसभा सीट से मैदान में उतरेंगे।धमदाहा विधानसभा सीट वर्तमान में जदयू की वरिष्ठ नेत्री और राज्य सरकार में मंत्री लेसी सिंह के पास है। संतोष कुशवाहा के चुनावी मैदान में उतरने से इस सीट पर मुकाबला सीधा और बेहद कड़ा हो जाएगा। राजद का यह दांव जदयू के मजबूत किले में सेंधमारी करने की एक सोची-समझी रणनीति मानी जा रही है।

सीमांचल में संतोष कुशवाहा को कोइरी समुदाय का एक बड़ा नेता माना जाता है। धमदाहा विधानसभा में मुस्लिम, यादव के साथ कोइरी समाज के मतदाताओं की संख्या भी अधिक है। राष्ट्रीय जनता दल ने संतोष कुशवाहा की नाराजगी को भरपूर भुनाया है। उन्हें पार्टी में शामिल करने से राजद को न सिर्फ धमदाहा सीट पर मजबूती मिलेगी, बल्कि यह निर्णय कुशवाहा वोट बैंक को अपने पाले में खींचने के लिए राजद की एक महत्वपूर्ण चाल भी है।

बता दें कि संतोष कुशवाहा का राजनीतिक जीवन कई बार पाला बदलने वाला रहा है। पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा ने पहली बार 2005 में पहली बार भाजपा के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ा लेकिन हार गए। 2010 में उन्होंने बायसी विधानसभा से भाजपा के टिकट पर फिर चुनाव लड़ा। इस बार जीत कर विधायक बने। 2013 भाजपा छोड़कर जदयू में शामिल हो गए।

वर्ष 2014 जदयू के टिकट पर लोकसभा चुनाव जीतकर सांसद बने। 2019 जदयू के टिकट पर पुनः लोकसभा चुनाव जीतकर सांसद बने। 2024 के लोकसभा चुनाव में जदयू के टिकट पर चुनावी मैदान में उतरे लेकिन निर्दलीय पप्पू यादव उन्हें हरा दिया। अब आज विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा होने चार दिन बाद ही जदयू छोड़कर राष्ट्रीय जनता दल में शामिल हो गए।

नालंदा में जसुपा की राजनीति का काउंटडाउन?

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। चुनावी राजनीति में कदम रखने से पहले ही प्रशांत किशोर के नेतृत्व वाले जन सुराज में भीतर ही भीतर उबाल देखने को मिल रहा है। जिस पार्टी की स्थापना भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई और स्वच्छ राजनीति के वादे के साथ की गई थी, अब उसी के सशक्त कार्यकर्ताओं ने टिकट बंटवारे से नाराज होकर बड़े पैमाने पर इस्तीफा दे दिया है। यह बगावत खासतौर पर नालंदा जिले में शुरू हुई है, जहां पार्टी ने तीन विधानसभा क्षेत्रों के लिए उम्मीदवार घोषित किए हैं।

जसुपा ने जिले में अपने उम्मीदवारों की घोषणा की, जिसके तुरंत बाद विरोध के स्वर मुखर होने लगे। सबसे बड़ी नाराजगी नालंदा विधानसभा क्षेत्र में देखने को मिली, जहां करीब 200 कार्यकर्ताओ ने सामूहिक रूप से इस्तीफे की पेशकश कर दी है।

कार्यकर्ताओं का आरोप है कि पार्टी ने उन्हें छला है। उनका कहना है कि प्रियदर्शी अशोक कुमार शुरूआती दौर से ही पार्टी के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे थे और एक मजबूत उम्मीदवार थे, लेकिन पार्टी ने उन्हें नजरअंदाज करते हुए टिकट किसी और को दे दिया। कार्यकर्ताओं के समर्थन से प्रियदर्शी अशोक कुमार ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह नालंदा विधानसभा से शिक्षा, रोजगार और विकास के मुद्दों पर चुनाव लड़ेंगे। प्रियदर्शी अशोक ने जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि उन्होंने कार्यकताओं के साथ छलावा किया है। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव जीतने के बाद वह जो भी पार्टी सत्ता में आएगी, उसे समर्थन देंगे. उनका मुख्य लक्ष्य क्षेत्र के लिए काम करना है, न कि किसी पार्टी विशेष के प्रति वफादारी दिखाना। जन सुराज के संस्थापक ने पार्टी की शुरूआत भ्रष्टाचार के विरुद्ध एक सशक्त विकल्प के तौर पर की थी। हालांकि, नालंदा में हुए इस घटनाक्रम ने पार्टी के अंदरूनी लोकतंत्र और टिकट वितरण की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बुरे फंसे पप्पू यादव, एफआईआर हुई दर्ज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर चुनाव आयोग ने आधिकारिक घोषणा कर दी है। पहले चरण में 6 अक्टूबर को मतदान होना है। इसी चरण में वैशाली जिले की आठ विधानसभा सीटों पर भी 6 अक्टूबर को वोटिंग होगी। चुनावी प्रक्रिया की शुरूआत के तहत शुक्रवार से नामांकन दाखिल होना शुरू हो जाएगा। इसी बीच चुनावी माहौल के बीच पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव शुक्रवार को बाढ़ पीड़ितों से मिलने वैशाली जिले के सहदेई प्रखंड के गनियारी गांव पहुंचे। यहां उन्होंने गंगा नदी के तेज कटाव से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और स्थानीय ग्रामीणों से बातचीत की। वहीं, वैशाली में अचार संहिता का उल्लंघन करने को लेकर पप्पू यादव पर प्राथमिकी दर्ज हो गई है।

मौके पर पप्पू यादव ने स्थानीय पदाधिकारियों को फोन भी लगाया और कटाव पीड़ितों की समस्याओं के समाधान का आग्रह किया। ग्रामीणों ने सांसद के सामने अपनी परेशानियां रखीं, जिस पर पप्पू यादव ने हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इसी दौरान पप्पू यादव लोगों को आर्थिक सहायता के तौर पर 2000 से 3000 रुपये तक नकद राशि देते नजर आए, जिसकी तस्वीरें और वीडियो कैमरे में साफ तौर पर कैद हुई हैं। लिस्ट से नाम पढ़कर एक-एक कर लोगों को रुपये दिए जा रहे थे।

बाढ़ पीड़ितों के बीच बांटे थे पैसे

इस मौके पर सांसद पप्पू यादव ने क्षेत्रीय सांसद चिराग पासवान और केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ह्लयहां बड़े-बड़े नेता हैं जो टिकट के चक्कर में व्यस्त हैं, लेकिन कटाव पीड़ित परिवारों से मिलने का किसी को समय नहीं है।ह्व पप्पू यादव ने आगे बताया कि उन्होंने वैशाली जिलाधिकारी को फोन किया, लेकिन डीएम ने फोन रिसीव नहीं किया। अब इस पूरे मामले पर सवाल उठ रहे हैं कि आचार संहिता लागू होने के बाद खुलेआम पैसा बांटना क्या चुनाव आयोग के नियमों का उल्लंघन नहीं है? फिलहाल इस पर प्रशासन या चुनाव आयोग की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

जसुपा की सूची ने उड़ायी भाजपा उम्मीदवारों की नींद

जदयू भी आ रहा लपेटे में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। जन सुराज पार्टी की ओर से पहली सूची में दांव आजमाने उतरे कई सितारे भाजपा प्रत्याशियों की दुश्वारियां बढ़ सकते हैं। इसमें मुख्यरूप से मुजफ्फरपुर, दरभंगा, कुम्हरार, सोनपुर, प्राणपुर, आरा एवं गोपालगंज जैसी 18 सीटें सम्मिलित हैं। पिछले चुनाव परिणाम (2020) एवं उपचुनाव के आंकड़ों पर गौर करें तो समीकरण कुछ ऐसे बनते-बिगड़ते दिख रहे हैं। कुछ सीटों पर जदयू के लिए भी परेशानी की स्थिति दिख रही है।

दरअसल, जसुपा के उम्मीदवार बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों के लिए नया सिरदर्द साबित हो सकते हैं। कई सीटों पर पीके की पार्टी ऐसे उम्मीदवार उतार रही है जो स्थानीय स्तर पर प्रभावशाली माने जाते हैं और सीधे भाजपा के पारंपरिक वोट बैंक में सेंध लगाने की स्थिति में हैं।

विशेषकर उन क्षेत्रों में, जहां भाजपा ने पिछली बार छोटे अंतर से जीत दर्ज की थी, वहां जसुपा उम्मीदवारों की मौजूदगी मुकाबले को त्रिकोणीय बना सकती है। पार्टी का फोकस युवा, समाजसेवी एवं सामाजिक रूप से सक्रिय चेहरों पर है, जिससे जनता में एक विकल्प की भावना बनती दिख रही है। यही नहीं, कई नौकरशाह को मैदान में उतारने के संकेत देकर लड़ाई को जसुपा ने रोचक बनाने की पटकथा भी लिख दी है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भले ही जसुपा बड़ी संख्या में सीटें न जीत पाए, लेकिन वह कई जगह भाजपा के वोट को बिगाड़ सकती है। इसका सीधा लाभ विपक्षी गठबंधन को मिलने की संभावना जताई जा रही है। आने वाले दिनों में जैसे-जैसे जसुपा का प्रचार अभियान तेज होगा, भाजपा प्रत्याशियों के लिए चुनौती और बढ़ सकती है।

महत्वपूर्ण यह है कि जसुपा की पहली सूची में संपूर्ण बिहार के सभी प्रमुख क्षेत्रों को समेटने का प्रयास किया है। जसुपा ने उन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है, जहां भाजपा ने पिछली बार सीमित अंतर से जीत दर्ज की थी। इनमें मिथिलांचल, सीमांचल एवं मगध के कई विधानसभा क्षेत्र सम्मिलित हैं। पार्टी के उम्मीदवार स्थानीय स्तर पर प्रभावशाली, शिक्षित और सामाजिक सरोकार रखने वाले चेहरे हैं। पीके की 'जनसंवाद यात्रा' एवं 'सिस्टम बदलने' के संदेश ने युवा मतदाताओं में गहरा असर छोड़ा है। यही वजह है कि भाजपा के कई प्रत्याशी अब जसुपा उम्मीदवारों को मुख्य मुकाबलेबाज मानकर रणनीति बना रहे हैं।

हालांकि, भाजपा का दावा है कि उसका संगठन मजबूत है। जसुपा का असर सीमित रहेगा, लेकिन जमीनी समीकरण बताते हैं कि त्रिकोणीय मुकाबले कई सीटों पर भाजपा के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। जैसे-जैसे चुनाव प्रचार तेज होगा, यह देखना दिलचस्प होगा कि जसुपा भाजपा के वोट बैंक में कितनी सेंध लगा पाती है।

भूमध्यसागर में मिला जीव, धनबाद के वैज्ञानिक के नाम पर हुआ नामकरण

उत्तराखंड में मिले नन्हे जीव को भी मिल चुका डॉ. चटर्जी का नाम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। तुर्की के भमध्यसागर में 12 मीटर नीचे वाटर माइट की नई प्रजाति को ढूढ़ा गया है। तुर्की के इस्पार्टा यूनिवर्सिटी ऑफ अप्लाइड साइंसेज के विज्ञानी डॉ. फुर्कन डुरुकन ने समुद्री तट से 12 मीटर तलछट वाले समुद्री घास ने सूक्ष्मजीव की इस नई प्रजाति की तलाश की है।

उनके शोध को संयुक्त राज्य अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय जर्नल टेलर एंड फ्रेंसिस में जगह मिली है। खास बात यह है कि तुर्की के अंताल्या बिलेम तट पर मिले सूक्ष्मजीव का नामकरण धनबाद के हीरापुर हरि मंदिर के पास रहने वाले टैक्सोनामी विज्ञानी डॉ. तापस चटर्जी के नाम पर अगाप्सिस चैटर्जी दिया गया है।

नई प्रजाति का जीनस अगाप्सिस और स्पीशीज का नाम चैटर्जी दिया गया है। डॉ. चटर्जी के टैक्सोनामी के हैलाकैरिड फैमिली के लिए दिए गए योगदान के लिए तुर्की विज्ञानी ने उन्हें अपनी खोज समर्पित की है। तुर्की के विज्ञानी ने डॉ.

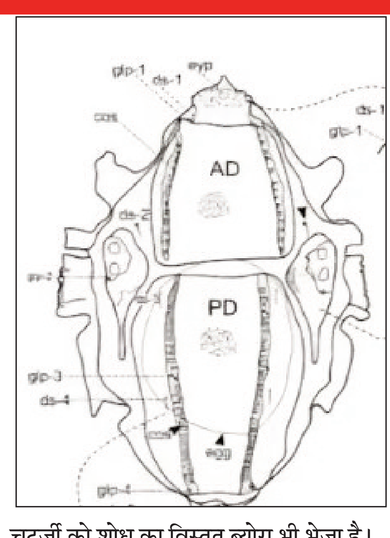

चटर्जी को शोध का विस्तृत ब्योरा भी भेजा है। टैक्सोनामी विज्ञानी डॉ. चटर्जी देश-विदेश में अब तक 140 नए सूक्ष्मजीव की प्रजातियों की खोज कर चुके हैं। दुनियाभर के लगभग 20 देशों के 50 विज्ञानियों व शोधकताओं के साथ उनका शोध प्रकाशित हुआ है। 5000 मीटर गहरे समुद्र में मिले सूक्ष्मजीव के टैक्सोनामी अध्ययन में भी इनकी भूमिका रही है। राष्ट्रीय समुद्रविज्ञान संस्थान गोवा के अलावा ब्रूनेई विश्वविद्यालय व दारुसलम में विजिटिंग प्रोफेसर भी रहे हैं। अपने करियर के शुरूआती दौर में कोरिया सरकार के प्रतिष्ठित ब्रेन पूल कार्यक्रम के तहत डेगू विश्वविद्यालय में पूर्व विजिटिंग शोधकर्ता भी रहे हैं। डॉ. चटर्जी के नाम पर इससे पहले उत्तराखंड में मिले सूक्ष्मजीव का नामकरण भी किया गया जा चुका है। नीदरलैंड के विज्ञानी हैरी स्मिथ व मोंट्रेंगो के विज्ञज्ञनी ब्लादिमीर पेसिक ने पौड़ी गढ़वाल के वाटर माइट का नाम डॉ. चटर्जी के नाम पर दिया था।शोध को यूनाइटेड किंगडम व न्यूजीलैंड से प्रकाशित जर्नल सिस्टमेटिक एंड अप्लायड एक्रोलाजी में स्थान मिला था।

धू-धू कर जला खड़ा ट्रक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले में देर रात एक बड़ी घटना सामने आई, जहां नेशनल हाइवे के किनारे खड़ी एक लोडेड ट्रक में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते ट्रक आग का गोला बन गया और पूरी तरह जलकर खाक हो गया। यह घटना ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र के चांदनी चौक एनएच-28 के पास की बताई जा रही है।

सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद करीब एक घंटे की कोशिशों के बाद आग पर काबू पाया गया। इस हादसे के दौरान ट्रक में लोड किया गया सारा सामान जलकर राख हो गया। घटना के समय वहां कई अन्य ट्रक भी खड़ी थीं, जिससे बड़ा हादसा होने की आशंका थी। गनीमत रही कि आसपास खड़े ट्रकों में आग नहीं लगी, नहीं तो नुकसान और अधिक हो सकता था।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, घटना आधी रात की है। उस समय ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र के चांदनी चौक एनएच-28 के पास खड़ी एक ट्रक में अचानक आग लग गई। आग लगने की जानकारी मिलते ही इलाके में अफरातफरी मच गई। वहीं, ट्रक के आगे खड़ी दूसरी ट्रक का चालक समय रहते कूदकर अपनी जान बचाने में सफल रहा।

जानकारी के अनुसार, दो ट्रक एक साथ खड़ी थीं, जिनमें पीछे वाली ट्रक में आग लगी। कुछ ही मिनटों में आग ने विकराल रूप ले लिया और ट्रक धू-धू कर जलने लगी। गनीमत यह रही कि आग लगने के समय ट्रक में चालक या उसका सहयोगी मौजूद नहीं था, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, हालांकि पुलिस और अग्निशमन विभाग आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच कर रहे हैं। ट्रक में लोड सामग्री पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई है।

मौके पर पहुंचे ब्रह्मपुरा थाना के अपर थाना प्रभारी सुजीत कुमार ने बताया कि ट्रक में आग लगने की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई।

पीरो के गांधी राम एकबाल वरसी की मनायी गयी पुण्य तिथि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दिनारा । लोकनायक जयप्रकाश नारायण द्वारा स्थापित गैर दलीय संगठन लोक समिति के तत्वावधान में दिनारा प्रखंड के करंज गांव में, स्वतंत्रता सेनानी, पीरो गांधी एवं पूर्व विधायक स्व. राम एकबाल वरसी की 9 वीं पुण्य तिथि के अवसर पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता लोक समिति शाहाबाद प्रक्षेत्र के अध्यक्ष एवं गांधीवादी किसान नेता श्री सुरेश प्रसाद तथा संचालन लोक समिति दिनारा प्रखंड के अध्यक्ष श्री विकास शर्मा ने की। श्रद्धांजलि सभा की शुरूआत समाजवादी नेता स्व.राम एकबाल वरसी स्व.प्रो.सोमनाथ त्रिपाठी(वाराणसी) एवं मजदूर नेता स्व. विश्वनाथ बागी(धनबाद)के तैलचित्र पर माल्यार्पण तथा पुष्पाजंली अर्पित कर किया गया। इस मौके पर लोक समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गिरिजा सतीश द्वारा भेंजा गया संदेश में कहा कि राम एकबाल वरसी ने 1942 ई. के भारत छोड़ो आन्दोलन में भाग लिया था। आन्दोलन के दौरान कई बार जेल भी गयें थे।सादगी और ईमानदारी उनकी पहचान एवं पूंजी थी।

उन्होंने आजीवन सत्ता,पद और पैसा का कोई महत्व नहीं दिया।उनका जीवन शोषित,पीड़ित एवं गरीब आम जनता के लिए समर्पित था। बिहार प्रदेश लोक समिति के प्रांतीय महासचिव शिवजी सिंह अधिवक्ता ने स्व. राम एकबाल वरसी, स्व. प्रो. सोमनाथ त्रिपाठी तथा स्व.विश्वनाथ बागी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर पूरा विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि स्व.राम एकबाल वरसी का जन्म

1924 ई. में भोजपुर जिला के तराडी प्रखंड अन्तर्गत वरसी गांव में एक गरीब किसान परिवार में हुआ था। गरीबी के कारण उनकी पढाई किसी तरह तीसरी कक्षा तक ही पूरी कर पायें थे। फिर भी वे अपने कठिन परिश्रम और संघर्ष के बदौलत आगे बढते गये।

श्री सिंह ने कहा कि इस समय देश गम्भीर संकट के दौर से गुजर रहा है।हमारा संविधान और लोकतंत्र पर खतरा है। देश की एकता और अखंडता, अमन-चैन एवं शांति सद्भावना के लिए गांव- गांव में गांधी की विचारधारा को फैलाना जरूरी है। श्री सिंह ने कहा कि स्व.राम एकबाल बरसी हमेशा कलम और कुदाल की बात करते थे। वे गरीबी और अभाव में रहते हुए डालमिया नगर के एक खड़हरनुमा छोटा सा घर में रहकर अपना पूरा जीवन व्यतित किया।वह भी उनका अपना घर नहीं था। आज उसी घर में उनका एकलौता बेटा प्रो. शिवजी सिंह रहता है। जब कि उनकी पहुंच सत्ता में बने मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव एवं नीतीश कुमार से लेकर देश के नामी- ग्रामी मंत्री और नेताओं तक थी। वे अपनी गांधीवादी एवं समाजवादी विचारधारा वाली सिद्धांत से कभी विचलित नहीं हुए। शायद इन्हीं कारणो से उनके राजनीतिक गुरू देश के महान एवं प्रखर समाजवादी नेता डॉ. राम मनोहर लोहिया ने उनको ३पीरो का गांधी३ कहा था।

श्री सिंह ने कहा कि आज के युवा पीढ़ी को लोहिया की पुस्तकें पढनी चाहिए। लोहिया ग्रंथावली में राम एकबाल वरसी और जनेश्वर मिश्र की चर्चा आयी। लोहिया के उस ठीक से पढने और समझने से आज लोकतंत्र एवं सामाजिक न्याय की राजनीति करने वाले नेताओं को नई ऊर्जा तथा शक्ति मिलेगी। राम एकबाल वरसी का जीवन हमसब सामाजिक कार्यकत्ताओं ने लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। अगर हम उनके पद्मचिन्हों पर चलकर आगे बढ़े तो यहीं उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इनके अलावे सभा को समाजवादी किसान नेता श्री मथुरा सिंह, लोक समिति के जिलाध्यक्ष आशुतोष कुमार, ललन ठाकुर, नौशाद खां, किसान नेता सुमेर प्रसाद, मठ के पुजारी देवमुनी प्रसाद, वगैरह गणमान्य लोगों ने संबोधित किया। अन्त में एक कदम गांधी के साथ राजघाट वाराणसी से गांधी की समाधि राजघाट दिल्ली तक पदयात्रा के दौरान, महाराष्ट प्रांत के गोरे गांव के सामाजिक कार्यकर्त्ता श्यामनारायण मिश्र (73वर्ष)की हुयी आकस्मिक निधन पर दो मिनट का मौन धारण कर उन्हें भी श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

पिता के हाथ में तीर बेटे ने पकड़ा लालटेन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बांका। विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच दल-बदल का सिलसिला तेज हो गया है। पूर्णिया के पूर्व जदयू सांसद संतोष कुशवाहा के राजद में शामिल होने के बाद अब बांका के जदयू सांसद गिरिधारी यादव के पुत्र चाणक्य प्रकाश रंजन ने भी राजद का दामन थाम लिया है। चाणक्य प्रकाश ने लंदन से उच्च शिक्षा प्राप्त की है। उन्होंने गुरुवार की संध्या पटना स्थित आवास पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव से मुलाकात के बाद शुक्रवार को राजद की सदस्यता ग्रहण की।

बेलहर विधानसभा बांका जिले का सबसे बड़ा विधानसभा क्षेत्र माना जाता है। यहां लगभग 3.60 लाख मतदाता हैं। यादव बहुल यह इलाका हमेशा से राजनीतिक रूप से सक्रिय रहा है। पिछले 2020 के विधानसभा चुनाव में राजद प्रत्याशी पूर्व विधायक रामदेव यादव को जदयू के मनोज यादव से लगभग ढाई हजार मतों से हराया था।

इस बार रामदेव यादव का टिकट कटने और उनकी जगह चाणक्य के मैदान में उतरने की चर्चा ने सियासत को गर्मा दिया है। यहां से सांसद गिरिधारी यादव दो बार जदयू के विधायक रहे हैं। इसी दल से एक बार जर्नादन मांझी बने। वर्तमान में जदयू से मनोज यादव विधायक हैं। इसके पहले गिरिधारी के सांसद बनने के बाद 2019 में हुए उपचुनाव में राजद से रामदेव यादव की जीत हुई थी।

चर्चा है कि चाणक्य पहले जदयू से टिकट चाह रहे थे। बात नहीं बनने पर राजद का रास्ता चुना। पुत्र के राजद के लड़ने के सवाल पर जदयू सांसद गिरिधारी यादव ने कहा कि वे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ हैं।

मेरी आस्था एनडीए के साथ है। बेटा युवा है, उसकी अपनी सोच व स्वतंत्र विचार है। इस संदर्भ में राजद जिलाध्यक्ष अर्जुन ठाकुर ने कहा कि राज्य के भविष्य तेजस्वी यादव हैं। लालटेन जिनके हाथ में होगा वह उन्हें चुनाव में जीताने का काम करेंगे।

बसपा की इंट्री ने बढ़ाई टेंशन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव की सरगर्मी तेजी से बढ़नी शुरू हो गई है। इसके साथ ही राजनीतिक गलियारों में सीटों के समीकरण, हार-जीत, जिताऊ प्रत्याशी से लेकर बिहार की राजनीति में उत्तर प्रदेश के असर की चर्चा शुरू है। बिहार के कई विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं जो उत्तर प्रदेश से सटे हैं, लिहाजा इन क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश की राजनीति का असर भी देखने को मिलता है। चंपारण, सिवान, रोहतास, बक्सर, गोपालगंज, और कैमूर जैसे क्षेत्र हैं जहां चुनाव के दौरान उत्तर प्रदेश की सियासी लहर का असर दिखता है। इन क्षेत्रों के करीब 19 विधानसभा क्षेत्र हैं जो यूपी से लगते हैं।

इन इलाकों में साल 2020 में हुए विधानसभा चुनाव में आठ सीटों पर एनडीए, जबकि 10 सीटों पर महागठबंधन ने जीत दर्ज की थी। एक सीट चैनपुर पर बहुजन समाज पार्टी के उम्मीदवार जमा खान ने जीत दर्ज कराई थी। हालांकि, जीतने के बाद वह जदयू में शामिल हो गए। अब एक बार फिर यहां चुनाव की तैयारी है। एक ओर एनडीए के उम्मीदवार यहां से ताल ठोकने की तैयारी में हैं तो दूसरी ओर महागठबंधन के उम्मीदवार भी मैदान मारने को करीब-करीब तैयार हैं। इन दो प्रमुख गठबंधनों की राजनीतिक लड़ाई में अब यूपी की पार्टी बसपा भी किस्मत आजमाने उत्तर रही है।

बसपा प्रमुख मायावती ने बीते दिनों यह घोषणा कर दी है कि उनकी पार्टी बिहार में अकेले सभी सीटों पर चुनाव मैदान में उतरेगी। उनकी पार्टी बिहार में किसी से गठबंधन नहीं करेगी। बसपा की इस घोषणा के बाद प्रदेश भाजपा भी उसकी काट की तैयारी में है।

दूसरी ओर, महागठबंधन इस भरोसे में है कि बिहार की राजनीति में अन्य प्रदेश का प्रभाव बहुत असर नहीं डालने वाला। राजनीतिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, बसपा को बिहार के अपने क्षेत्र में रोकने के लिए एनडीए ने सारा दारोमदार भाजपा के जिम्मे छोड़ा है।

कहा जा रहा है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा उपमुख्यमंत्री और बिहार चुनाव के सह प्रभारी केशव प्रसाद मौर्य और योगी कैबिनेट के मंत्री दारा सिंह चौहान को भी यहां उतार दिया गया है। दूसरी ओर बसपा ने अपने चिरपरिचित चेहरे आकाश आनंद को चुनावी रणनीति बनाने से लेकर जिताऊ उम्मीदवारों के चयन तक का जिम्मा सौंपा है।

मायावती को लेकर भी चर्चा है कि वे बिहार में कुछ प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार को आ सकती हैं। कांग्रेस भी सीमावर्ती क्षेत्र में अपनी पकड़ बनाने के लिए अपने कई राष्ट्रीय स्तर को मैदान में उतारेगी। दलों की इन तैयारियों को देखते हुए कहा जा सकता है बिहार-यूपी सीमा की सीटें तीन तरफा मुकाबले का अखाड़ा बन रही हैं।

एनडीए अपनी सत्ता के भरोसे और संगठन के बूते मैदान में है तो महागठबंधन सामाजिक समीकरणों को संतुलित कर सत्ता की ओर बढ़ना चाहता है। वहीं, मायावती की बसपा तीसरे खिलाड़ी के रूप में अपने को स्थापित करने की कोशिश में जुटी है।

ट्रेनिंग सेंटर में महिला जवानों की तबियत बिगड़ी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। हाजीपुर-पटना मार्ग पर जढुआ स्थित होमगार्ड प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण करने वाली होमगार्ड के करीब एक दर्जन से अधिक महिला जवानों का अचानक तबीयत खराब हो गई। सभी महिला जवान को आनन-फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर पहुंचाया गया। जहां डॉक्टर ने सभी का प्राथमिक उपचार किया। अचानक एक दर्जन जवान के सदर अस्पताल के एमरजेंसी में आने पर अफरातफरी मच गई। इमरजेंसी हाल में लगी बेड कम पड़ गई। सदर अस्पताल के इमरजेंसी में तैनात डॉक्टर एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने तुरंत सभी का इलाज किया।बताया जाता है कि प्रशिक्षण के दौरान ज्यादा थक जाने के कारण महिला जवानों का तबीयत बिगड़ने लगी। इसे लेकर होमगार्ड ट्रेनिंग सेंटर में अफरातफरी मच गई। तबीयत बिगड़ने की सूचना आनन-फानन में सभी को सदर अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टर ने सभी का प्राथमिक उपचार किया।

मिली जानकारी के अनुसार सभी महिला जवान प्रशिक्षण करने के बाद अपने आवास पर चली गई। इसके बाद एक-एक करके सभी की तबीयत बिगड़ने लगी। पहले आधा दर्जन से अधिक को सदर अस्पताल लाया गया। उसके बाद बस से दूसरी बार इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। इस संबंध में महिला जवानों के साथ आई जवानों ने बताया कि प्रशिक्षण के बाद अचानक सब की तबीयत बिगड़ गई। सीमरण कुमारी, माफिया कुमारी, निधि कुमारी, सुप्रिया कुमारी, चंदा कुमारी, मीनू मिश्रा, खुशी कुमारी, पूजा कुमारी, उजाला कुमारी, अंजली कुमारी, मधु कुमारी, शिविनी, छाया कुमारी, नीलम कुमारी, संजू कुमारी, छोटी कुमारी सहित एक दर्जन से अधिक महिला जवानों को सदर अस्पताल इलाज के लिए लाया गया।इस संबंध में कमांडेंट प्रेम चन्द ने बताया कि फास्टिंग के कारण कुछ महिला जवानों का अचानक तबीयत बिगड़ गई।

बागी हुए जदयू के दिग्गज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फुलपरास। जदयू के पूर्व मंत्री लक्ष्मेश्वर राय लौकहा विधानसभा क्षेत्र से टिकट न मिलने के आक्रोश में बागी हो गए। राजद का दामन थाम लिया। लक्ष्मेश्वर राय ने मुख्यमंत्री के कार्यक्रम वाले दिन ही इस बात की चर्चा सार्वजनिक कर दी थी कि यदि लौकहा से टिकट नहीं मिला तो वह बगावत करेंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नजर में यह सीट इसलिए भी महत्वपूर्ण रही है, क्योंकि लगातार जदयू यहां से जीत हासिल कर रहा था। मगर 2020 में उसे हार का सामना करना पड़ा था।

नीतीश कुमार की सरकार में मंत्री रहे हरि साह की मूर्ति अनावरण और नहर परियोजनाओं के शिलान्यास और उद्घाटन को लेकर लगातार लौकहा पहुंचकर नीतीश कुमार ने एक संदेश पहले भी दे दिया था कि यह सीट उनके लिए खास है। लौकहा विधानसभा में एनडीए गठबंधन से नया प्रयोग करने की बात चल रही है।

जदयू यहां से लीक से हटकर महागठबंधन से राजद उम्मीदवार के मूल वोट बैंक में सेंधमारी के तरफ सोच रहा है। जिसके कारण चौंकाने वाला उम्मीदवार को उतरा जा सकता है। समता पार्टी से लेकर जदयू तक लगातार लौकहा से अतिपिछड़ा उम्मीदवार को लड़ाया है। उन्हें 2000 के बाद 2020 के विधानसभा चुनाव में हार का मुंह देखना पड़ा।बता दें कि दुगार्पूजा के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का कार्यक्रम घोषिन (यादव) बाहुल्य सिरसिया में आयोजित हुआ था। जहां सीएम ने लाभुक संवाद में हिस्सा लेने के बाद एक महती सभा को संबोधित करते हुए पुनः मौका देने की अपील की थी। लौकहा हारने की टीस भी जदयू खेमे में साफ झलक रही थी, चूंकि सभा को संबोधित करते हुए जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा था कि दरभंगा एवं मधुबनी में एनडीए तीन सीट जितने में असफल रहा, जिसमें लौकहा भी शामिल है।उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश कुमार जीत के नम्बर में लौकहा को एक नम्बर पर रखे हुए थे। बता दें कि लौकहा से जदयू के कई दावेदार हैं, जिसमें पूर्व मंत्री लक्ष्मेश्वर राय भी थे। वे अब बागी हो गए। पूर्व विधायक सतीश कुमार साह, जिला पार्षद विनोद साह, कमलाकांत भारती प्रमुख हैं, लेकिन जदयू पर नजर वालों की माने तो यहां से पार्टी कोई चौंकाने वाला उम्मीदवार दे सकती है, जो राजद के मूल वोट बैंक में सेंधमारी कर जीत को सुनिश्चित करे।

तर्क देते हुए कहते हैं कि मौजूदा विधायक भारत भूषण मंडल अतिपिछड़ा के धानुक समुदाय से आते हैं व राजद प्रदेश अध्यक्ष मंगनीलाल मंडल भी उसी समुदाय से आते हैं, जिनका घर फुलपरास है। जिससे अतिपिछड़ा का प्रभावित होना तय है। जदयू को गत चुनाव से तेली जाति का वोट नहीं मिल रहा है। वर्ष 2015 में भाजपा के टिकट पर प्रमोद प्रियदर्शी को 60 हजार से अधिक मत प्राप्त था एवं वर्ष 2020 में लोजपा के टिकट पर स्व प्रियदर्शी को 30 हजार से अधिक मत मिला था।

माना जा रहा है कि तेली का एकमुश्त वोट दोनों चुनाव में प्रियदर्शी को मिला था, जिस वजह से 2020 में जदयू यहां से हार गई। इस बार भी तेली जाति से यदि किसी पार्टी ने उम्मीदवार नहीं दिया तो निर्दलीय उम्मीदवार बनने की चर्चा है।

CMYK

बिहार विद्यापीठ में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर इंटरएक्टिव सत्र आयोजित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विद्यापीठ, पटना द्वारा संचालित देशरत्न राजेन्द्र प्रसाद शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2025 के अवसर पर 'बदलते समय में मानसिक स्वास्थ्य' विषयक एक इंटरएक्टिव सत्र का आयोजन देशरत्न सभागार में किया गया। सत्र की मुख्य वक्ता क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट इशा सिंह रहीं जो रीहैबिलिटेशन काउंसिल ऑफ इंडिया से पंजीकृत प्रोफेशनल एवं मार्शल यूनिवर्सिटी (अमेरिका) से प्रशिक्षित ऑटिज्म मेंटर हैं। उन्होंने अपने व्याख्यान में मानसिक स्वास्थ्य के विविध आयामों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बदलते समय में शिक्षक और अभिभावक दोनों की भूमिका विद्यार्थियों के मानसिक संतुलन को

बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। इशा सिंह ने बाल एवं किशोर मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपने 15 वर्षों से अधिक के अनुभव साझा करते हुए बताया कि आज शिक्षा केवल ज्ञानार्जन तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के व्यवहारगत पैटर्न और मनोवैज्ञानिक प्रवृत्तियों को समझना भी एक शिक्षक की जिम्मेदारी है। उन्होंने कॉग्निटिव थेरेपी और मनोवैज्ञानिक आकलन के व्यावहारिक पहलुओं को रेखांकित करते हुए कहा कि 'कॉग्निटिव ट्रेनिंग द्वारा किसी भी समस्या का समाधान अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकता है।' उन्होंने यह भी बताया कि प्रतिदिन की छोटी-छोटी असंगत परिस्थितियां मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं, इसलिए व्यक्ति का व्यवहार और प्रतिक्रिया ही उसके मानसिक संतुलन का दर्पण होती है। सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने कई प्रश्न पूछे, जिनमें प्रमुख थे – परिवार के मानसिक स्वास्थ्य की पहचान कैसे की जाए? और क्या क्रोध एक बीमारी है? इन प्रश्नों के उत्तर में इशा सिंह ने कहा कि क्रोध एक सामान्य मानवीय प्रक्रिया है, किंतु क्रोध के बाद व्यक्ति का व्यवहार ही उसके मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति को दर्शाता है। उन्होंने यह भी बताया कि डिप्रेशन में न्यूरो-केमिकल संतुलन की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण होती है और मनोविज्ञान मानव व्यवहार की जटिलताओं को समझने का सबसे प्रभावी माध्यम है। इस अवसर पर बिहार विद्यापीठ के सचिव राणा अवधेश (सेवानिवृत्त आईएएस), महाविद्यालय की निदेशक (शिक्षा) मृदुला प्रकाश तथा संयुक्त सचिव अवधेश के. नारायण ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस की प्रासंगिकता पर अपने विचार रखे और समाज में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। महाविद्यालय की प्राचार्य पूनम वर्मा ने मुख्य वक्ता का स्वागत करते हुए सत्र की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस शैक्षणिक कार्यक्रम का सफल संचालन गाइडेंस एंड काउंसलिंग सेल की टीम – निदेशक (शिक्षा) मृदुला प्रकाश, सहायक प्राध्यापक रजनी रंजन, कुमारी श्रुति और सौरभ कुमार द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक एवं बी.एड. तथा डी.एल.एड. प्रशिक्षणार्थियों ने सक्रिय सहभागिता की। सत्र का समापन संगीत प्राध्यापक कंचन कुमार के नेतृत्व में हुए राष्ट्रीय गान के साथ हुआ।

विशेष अभियान 5.0 और स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता एवं संगोष्ठी का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कोलकाता। चल रहे विशेष अभियान 5.0 और स्वच्छता पखवाड़ा 2025 के उपलक्ष्य में दक्षिण पूर्व रेलवे मुख्यालय, गार्डन रीच में 09.10.2025 को एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रेलवे कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी कलाकृतियों के माध्यम से स्वच्छता, स्वास्थ्य-स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के विषयों को सुंदर रूप में प्रस्तुत किया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य स्वच्छता बनाए रखने और सतत पर्यावरण को प्रोत्साहित करने के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देना था। इस स्वच्छता अभियान के अंतर्गत, 'कार्यालय परिसर में स्वच्छता और सफाई के प्रति रेलवे कर्मचारियों की

स्वच्छता पखवाड़ा 2025 और विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत दक्षिण पूर्व रेलवे मुख्यालय, गार्डन रीच में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता

जागरूकता' विषय पर एक संगोष्ठी का भी आयोजन दक्षिण पूर्व रेलवे मुख्यालय, गार्डन रीच में किया गया। इस संगोष्ठी का उद्देश्य अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता बनाए रखने, कचरा पृथक्करण तथा सतत कार्यस्थल प्रथाओं के महत्व के प्रति संवेदनशील बनाना था। प्रतिभागियों को अपने आसपास की स्वच्छता बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाने और स्वच्छ व हरित रेलवे वातावरण के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया। दक्षिण पूर्व रेलवे के चारों मंडलों में विशेष अभियान 5.0 और स्वच्छता पखवाड़ा 2025 के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों और जागरूकता अभियानों का आयोजन किया जा रहा है।

निषाद समाज को वरीयता देगी विकास वंचित इंसान पार्टी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। विकास वंचित इंसान पार्टी कार्यालय पर विभिन्न क्षेत्रों से आये हुए लोगों ने विधानसभा चुनाव में वीवीआईपी से उम्मीदवारी के लिए अपना पक्ष रखा। राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप निषाद ने कहा है कि पार्टी चुनाव में ज्यादा से ज्यादा निषादों को उम्मीदवार बनाकर उतारेगी और निषाद समाज को वरीयता देगी। पार्टी पूरी ताकत से ये चुनाव लड़ेगी और जीतेगी। बहुत जल्द पार्टी प्रेस कांफ्रेंस करके अपने प्रत्याशियों की घोषणा करेगी। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय महासचिव राकेश कुमार ने की। बैठक में राष्ट्रीय प्रवक्ता शंकर चौधरी, प्रदीप तिवारी, अभिषेक कुमार, अश्विनी, विशाल निषाद, के डी यादव, अविनाश कुमार, सुमित कुमार, कृष्णा कुमार, प्रकाश कुमार, शशांक यादव आदि उपस्थित रहे।

माफियामुक्ति और शुद्ध के लिए युद्ध अभियान चलाएगी कांग्रेस : डा. अखिलेश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में राज्यसभा सांसद और कांग्रेस कार्यसमिति सदस्य पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। राज्यसभा सांसद डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि पूरे बिहार में माफियाओं का कब्जा है और मिलावटखोरी अपने चरम पर है। भाजपा जदयू राज में समूचा बिहार 20 सालों से माफियाओं की गिरफ्त में है चारों ओर से बिहार को लूटा गया है कांग्रेस पार्टी ने 12 माफिया चिन्हित किए हैं। सरकार में आते ही माफिया मुक्त बिहार होगा और शुद्ध के लिए युद्ध होगा। चप्पे चप्पे पर जाएंगे सारे माफिया मारे जाएंगे। साथ ही उन्होंने

कहा कि माफिया के लिए हमारी सरकार में बस दो ही स्थान रहेंगे ये चुनाव उनको करना है या तो जहन्नुम या जेल, माफिया का मार्शल, माफिया के लिए दो उपाय पीठ पे गोली पेट पे लात। सूदखोरी और महिलाओं के शोषण का संगठित रूप, कर्ज के बोझ में फंसी हुई लगभग 1 करोड़ 9 लाख महिलाओं पर औसतन 30,000 का बकाया बताया जा रहा है। वसूली के नाम पर धमकी, अपमान और हिंसा की रिपोर्टें मिलती हैं। हमारी कार्रवाईः तत्काल कर्ज-रोक प्रस्ताव, ऋण-रिकवरी में अवैध तरीकों पर कड़ी पुलिस और न्यायिक कार्रवाई, पीड़ित महिलाओं के लिए राहत और पुनर्वित्त कार्यक्रम और माफिया परिसम्पत्तियों की कुर्की।

ट्रांसफर-पोस्टिंग कमीशन माफिया

विभागीय अधिकारियों की पदस्थापना व स्थानांतरणों में रिश्वत का नेटवर्क, इंजीनियरों तक असर। हालिया छापेमारी (संजय हंस नेटवर्क आदि) इससे जुड़ी घटनाओं का संकेत देती हैं। हमारी कार्रवाईः स्थानांतरण-प्रक्रिया का पारदर्शीकरण, भ्रष्टाचार पर विशेष निगरानी और रिश्वत लेने वाले अधिकारियों पर शून्य-सहन नीति। दवाइयों की खरीद, एम्बुलेंस-सर्विस, अस्पताल निर्माण तथा आपूर्ति-श्रृंखला में घोटाले; फजी मेडिकल कॉलेज व नर्सिंग संस्थान। कोविड-काल में ऑक्सीजन आदि के घोटाले इसके उदाहरण रहे। संवाददाता सम्मेलन का संचालन राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे ने किया। संवाददाता सम्मेलन में राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे, प्रदेश कांग्रेस के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष कौकब कादरी, कोषाध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता, मीडिया चेयरमैन राजेश राठौड़, ब्रजेश प्रसाद मुनन, सौरभ सिन्हा, ज्ञान रंजन मौजूद थे।

एडीए सरकार के बीस साल का शासनकाल पूरी तरह विनाश काल : कांग्रेस

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गयाजी। बिहार प्रदेश कॉग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि सह प्रवक्ता विजय कुमार मिट्ठू, पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष बाबूलाल प्रसाद सिंह, राम प्रमोद सिंह, बैजू प्रसाद, प्रद्युम्न दुबे, टिंकू गिरी, युवा कॉग्रेस अध्यक्ष विशाल कुमार, विपिन बिहारी सिन्हा, मोहम्मद शामिम आलम, मुन्ना मांझी आदि ने बिहार प्रदेश कॉग्रेस कमिटी द्वारा जारी बुकलेट एनडीए सरकार का 20 साल पूरी तरह विनाश काल को गया जिला के 24 प्रखंड, 332 ग्राम पंचायत, 3849 बूथों, गांव-गांव, मुहल्ला-मुहल्ला, घर- घर में पहुंचाने का काम करेंगे। नेताओं ने कहा कि बिहार में 20 सालों में भाजपा, जदयू की सरकार ने संसाधनों की लूट की नागरिकों को गरीबी की आग में झोंकने का काम किया। बिहार की जाति सर्वे से यह बात सामने आई है कि 94 लाख परिवारों की मासिक आमदनी 6000 रुपया से क्रम है, अर्थकाम पांच करोड़ लोगों 40 रुपया प्रतिदिन पर जिंदा है और 81 लाख परिवार 10, 000 रुपया से कम मासिक कमाते हैं, इसका मतलब 4 करोड़ लोग 67 रुपया रोज पर जिंदा है, इसका कारण यह हुआ कि बिहार में अच्छी आमदनी और काम नहीं मिलने के कारण जबरदस्त पलायन हुआ क्योंकि केंद्र सरकार के इ श्रम पोर्टल पर लगभग 03 करोड़ रजिस्टर्ड बिहार के मजदूर हैं, जो दूसरे प्रांतों में काम कर रहे हैं।

विश्व मानक दिवस के उपलक्ष्य में मानक कार्निवल का आयोजन

मानक उत्पाद गुणवत्ता का आधार : डा. आर.एन. सिंह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारतीय मानक ब्यूरो, पटना शाखा कार्यालय, पाटलीपुत्रा औद्योगिक प्रांगण, पटना द्वारा विश्व मानक दिवस के अवसर पर न्यू गर्वमेंट पॉलिटेक्निक, पाटलिपुत्रा गोलम्बर के पास, पटना-13 के प्रांगण में मानक कार्निवल का आयोजन किया गया। मानक कार्निवल का उद्घाटन राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड के अकादमिक संकायाध्यक्ष, वरिष्ठ व्याख्याता/एनजीपी एवं डॉ. आर. एन. सिंह, वरिष्ठ व्याख्याता/एनजीपी के द्वारा किया गया। चंद्रकेश सिंह, वैज्ञा. ई/ निदेशक एवं प्रमुख पटना शाखा कार्यालय द्वारा अतिथियों, छात्र एवं छात्राओं का स्वागत करते हुए बताया कि मानक उत्पाद की गुणवत्ता का आधार है जो उपभोक्ताओं में यह विश्वास दिलाता है कि हमारे द्वारा

उपभोग की जाने वाली उत्पाद एवं सेवाएं उपयुक्त गुणवत्ता की हैं। इस कार्निवल में 11 स्टैंडर्ड क्लब स्कूलों के बच्चे एवं 14 औद्यागिक इकाईयों ने स्टॉल लगाया। इस मानक कार्निवल में बिहार के विभिन्न स्कूलों के स्टैंडर्ड क्लब के सदस्य लगभग 300 एवं 450 स्टैंडर्ड क्ल्ब के अन्य छात्र एवं छात्राएं के साथ ही औद्यागिक इकाईयों ने भाग लिया। स्टैंडर्ड क्लब स्कूलों के बच्चों एवं औद्योगिक इकाईयों ने स्टॉल के माध्यम से वस्तुओं के मानकीकरण, मुहरांकन और गुणवत्ता प्रमाणन गतिविधियों के विकास तथा उससे जुड़े मामलों को दर्शाया गया। बीआईएस-मानकीकरण, प्रमाणन और परीक्षण द्वारा राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को प्रत्यक्ष एवं वास्तविक रूप से कई तरह से लाभ पहुंचा रहा है। यह सुरक्षित और विश्वसनीय गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध कराने में योगदान करता है तथा उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य जोखिम को न्यूनतम करता है। इसके साथ ही उपस्थित औद्यागिक इकाईयों ने स्टॉल के माध्यम से अपने प्रतिष्ठानों में निर्मित उत्पादों को प्रदर्शित किया। स्टैंडर्ड क्लब के बच्चों द्वारा जन-जागरूकता हेतू नुक्कड़ नाटक, संगीत, सांस्कृतिक नृत्य एवं मानक से संबंधित अन्य जागरूकता संबंधित गतिविधियों का प्रदर्शन छात्र एवं छात्राओं द्वारा किया गया। इस अवसर पर स्टैंडर्ड क्लब के बच्चों एवं आगंतुकों के बीच मैजिक शो एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस कार्यकम में पटना

चौदह अक्टूबर से होटल मौर्या में दो दिवसीय बुटिक्स ऑफ इंडिया प्रदर्शनी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजधानी पटना के होटल मौर्या में 14 और 15 अक्टूबर, 2025 को दो दिवसीय बुटिक्स ऑफ इंडिया प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। इस प्रदर्शनी के 38वें संस्करण में देशभर के विभिन्न शहरों से प्रसिद्ध डिजाइनर, बुटीक हाउस और उद्यमी अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे। पारंपरिक परिधानों से लेकर आधुनिक फैशन ट्रेंड तक की झलक इस प्रदर्शनी में देखने को मिलेगी। साथ ही हैंडमेड ज्वेलरी, होम डेकोर, गिफ्ट आइटम्स और लाइफस्टाइल प्रोडक्ट्स की विशेष रेंज भी उपलब्ध रहेगी। प्रदर्शनी के आयोजक व बुटिक्स ऑफ इंडिया के संस्थापक संजय अग्रवाल ने बताया कि इस प्रदर्शनी का उद्देश्य स्थानीय डिजाइनरों और महिला उद्यमियों को एक साझा मंच प्रदान करना है जहां वे अपने उत्पादों को व्यापक दर्शकों तक पहुंचा सकें। इस प्रदर्शनी में बिहारवासियों के लिए फेस्टिव कलेक्शन को रखा गया है ताकि वो अपने त्योहार को और भी खास बना सकें। उन्होंने कहा

मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण जागरूकता हेतु मानव श्रृंखला और रैली का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। लायंस क्लब ऑफ पटना संस्कृति के तत्वावधान में मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण जागरूकता रैली का भव्य आयोजन किया गया। यह रैली टेंडर हार्ट इंटरनेशनल स्कूल के प्रांगण से प्रारंभ होकर रानी पार्क, राजेंद्र नगर रोड संख्या-8 तक निकाली गई। इस अवसर पर लायंस क्लब ऑफ पटना संस्कृति की ओर से एक प्रभावशाली मानव श्रृंखला बनाई गई जिसमें मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के महत्व को रेखांकित करने वाले संदेश-पटों (प्लेकार्ड्स) के साथ विद्यालय के कक्षा 6 से 10 तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पाल लायन प्रदीप खेतान उपस्थित रहे। अतिथि के रूप में जोन चेयर लायन तरुण कुमार, जोन चेयर लायन राजीव भार्गव, लायंस क्लब ऑफ पटना संस्कृति की अध्यक्ष लायन शिवानी, सचिव लायन रोहित शंकर, लायंस पटना नव्या के लायन कौशलेंद्र तथा अधिवक्ता बी.के. सिंह भी उपस्थित रहे। बाल रोग चिकित्सक लायन डॉ श्रवण कुमार एवं लायन डॉ नीना मोटानी भी उपस्थित रहे। सभा को संबोधित करते हुए जिला पाल लायन प्रदीप खेतान ने बच्चों को मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने हेतु टीवी और मोबाइल से दूरी बनाने तथा सकारात्मक गतिविधियों में समय लगाने का सुझाव दिया। वहीं, अधिवक्ता बी.के. सिंह ने बच्चों को जीवन में अनुशासन और नियमित दिनचर्या अपनाने की प्रेरणा दी। इस कार्यक्रम में विद्यालय के सीनियर शिक्षकगण सत्यम कुमार, विशाल शर्मा, कबीर सिंह, सोनम, कोमल एवं सोनिया प्रवीण भी उपस्थित रहे और बच्चों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के आयोजन में रेवा भार्गव का भी योगदान रहा।

डॉ. नीतू कुमारी नवगीत और राकेश कुमार पटना जिला की स्वीप आइकॉन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जिला प्रशासन, पटना की अनुशंसा पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार के कार्यालय द्वारा बिहार की प्रसिद्ध लोकगायिका डॉ. नीतू कुमारी नवगीत तथा दिव्यांगजन के विकास के क्षेत्र में सक्रिय सदस्य राकेश कुमार को पटना जिला में बिहार विधान सभा आम निर्वाचन, 2025 के दौरान मतदाताओं को मतदान करने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से स्वीप अभियान का आइकॉन बनाया गया है। डॉ. नीतू कुमारी नवगीत को स्वीप आइकॉन तथा राकेश कुमार को पीडब्ल्यूडी आइकॉन के तौर पर नामित किया गया

है। लोकगायिका डॉ. नीतू कुमारी नवगीत ने कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी विशिष्ट पहचान बनायी है। उन्होंने मॉरीशस, फिजी और नेपाल जैसे देशों में प्रस्तुति देने के साथ ही देश के अन्दर आयोजित सांस्कृतिक समारोहों में बिहार के लोक संगीत की खुशबू फैलायी है। नीतू नवगीत ने पटना नगर निगम की स्वच्छता जागरूकता अभियान की ब्रांड एम्बेसडर के रूप में कार्य करते हुए पटनावासियों को स्वच्छता अभियान से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। उन्होंने 2024 के लोक सभा चुनाव के दौरान पटना जिला की स्वीप आइकॉन के रूप में मतदाता जागरुकता अभियान में भाग लिया था और अनेक कार्यक्रमों के माध्यम से स्कूल-कॉलेजों, सार्वजनिक स्थानों पर लोगों को वोट डालने के लिए प्रेरित किया था। डॉ. नीतू नवगीत को टाईम्स वूमेन एक्सट्राऑर्डिनेयर, वुमेन लीडरशिप अवार्ड 2023, दैनिक भास्कर द्वारा बिहार के गौरव सम्मान, प्रभात खबर द्वारा अपराजिता सम्मान, दैनिक जागरण, आईनेक्सट का लेजेंड ऑफ बिहार अवार्ड 2024 एवं पटना वुमेन्स कॉलेज द्वारा साहस सम्मान 2024 से सम्मानित किया गया है। राकेश कुमार पीडब्ल्यूडी के लिए स्वीप आइकॉन बनाए गए हैं। कुर्जी कोठिया, दीघा निवासी श्री राकेश कुमार ने शारीरिक दिव्यांगता को चुनौती देते हुए अपनी विशिष्ट पहचान बनायी है। दिव्यांगजन के विकास के लिए विभिन्न क्षेत्रों यथा शिक्षा, समाज सेवा, विधिक इत्यादि में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इन्हें अनेक फोरम पर सम्मानित किया जा चुका है ।

गयाजी की दो विधानसभा सीटों पर जनसुराज ने उतारे कैंडिडेट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गयाजी। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर जन सुराज ने गयाजी जिले की दो महत्वपूर्ण सीट बोधगया और इमामगंज से अपने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर दी है। पार्टी ने बोधगया से युवा नेता लक्ष्मण मांझी और इमामगंज से डॉक्टर अजीत दास को टिकट दिया है। बोधगया और इमामगंज से अन्य बड़ी पार्टी ने अपने पत्ते नहीं खोले हैं। फिलहाल बोधगया से राजद से कुमार सर्वजीत ओर इमामगंज से केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी की बहू दीपा मांझी विधायक हैं। दीपा मांझी बिहार सरकार के मंत्री सन्तोष सुमन की पत्नी हैं। इधर बोधगया और इमामगंज के लोगों का कहना है कि लक्ष्मण और अजित दोनों को समाज में पकड़ और जनता के बीच मजबूत छवि के आधार पर मौका मिला है। बोधगया विधानसभा सीट से उम्मीदवार लक्ष्मण मांझी, उम्र 32 वर्ष, जाति से मांझी समुदाय से हैं वे स्नातक (बीए) हैं और लंबे समय से सामाजिक मुद्दों पर सक्रिय हैं।पार्टी ने उन्हें इस आधार पर टिकट दिया है कि वे जुझारू हैं, इलाके में अच्छी पैठ रखते हैं और दलित समाज के बीच उनकी स्वीकार्यता मजबूत है। लक्ष्मण मांझी लम्बे समय से बीते माह तक हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा जुड़े हुए थे। पार्टी ने उन्हें बीते माह ही बाहर का रास्ता दिखाया है। वे हम पार्टी में प्रदेश महासचिव के पद पर थे। आजकल वे हम के खिलाफ मुखर होकर बयानबाजी कर रहे हैं। जनसुराज का मानना है कि बोधगया जैसी संवेदनशील और सामाजिक रूप से मिश्रित सीट पर लक्ष्मण मांझी एक प्रभावी उम्मीदवार साबित होंगे। इमामगंज विधानसभा सीट से डॉ. अजीत दास को उतारा गया है। वे 30 वर्ष के हैं। वे चमार जाति से आते हैं और एमबीबीएस डिग्रीधारी हैं। उन्होंने बेतिया से एमबीबीएस की पढ़ाई कम्पलीट की है। इनकी पत्नी भी डॉक्टर हैं। पार्टी ने उन्हें इसलिए मौका दिया है क्योंकि वे शिक्षित, युवा और समाज में अच्छी पकड़ रखने वाले चेहरे हैं। उनके माता-पिता दोनों शिक्षक हैं जिससे परिवार की सामाजिक प्रतिष्ठा मजबूत है। डॉ अजित के पिता ने बताया कि एक दिन अचानक अजित आया और कहा कि मैं राजनीति से जुड़ कर समाज सेवा करना चाहता हूं। इस पर हमने कहा कि अच्छी बात है। इसके बाद वह अपनी टीम के साथ जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर से मिला और पार्टी ज्वाइन कर लिया।

मेजर जनरल ए. एस. बजाज ने पटना से किया नौका अभियान का शुभारंभ

गंगा संरक्षण और सांस्कृतिक जागरूकता का संदेश देंगे कैडेट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। एन.सी.सी. निदेशालय, बिहार एवं झारखंड, पटना के निर्देशन और एन.सी.सी. ग्रुप मुख्यालय पटना के तत्वावधान में 01 बिहार नेवल यूनिट एन.सी.सी. पटना द्वारा शुक्रवार को भव्य नौका अभियान का शुभारंभ किया गया। यह अभियान पटना के गांधी घाट से प्रारंभ होकर खुशरूपुर, बाढ़, सिमरिया, मटिहानी, मुंगेर, सुल्तानगंज होते हुए भागलपुर के बरारी घाट तक जाएगा। अभियान का शुभारंभ एन.सी.सी. निदेशालय के अपर महानिदेशक मेजर जनरल ए. एस. बजाज ने गांधी घाट पर हरी झंडी दिखाकर किया। उन्होंने नौका दल के सभी कैडेटों को संबोधित करते हुए कहा कि यह पहल भारत की

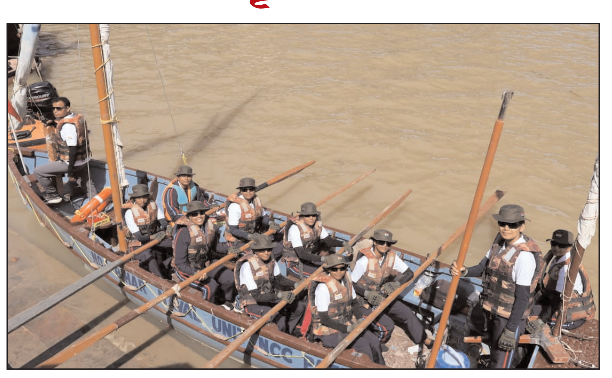

सांस्कृतिक विरासत, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक एकता को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सार्थक कदम है। मेजर जनरल बजाज ने कहा यह अभियान केवल नौकायन तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर का उत्सव, पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और युवाओं को अनुशासन, सेवा तथा समर्पण के मूल्यों से जोड़ने का प्रयास है। मुझे गर्व है कि हमारे कैडेट न केवल अपने कौशल का विकास कर रहे हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक योगदान भी दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि नौका अभियान के दौरान कैडेट गंगा किनारे स्थित विभिन्न समुदायों से संवाद स्थापित करेंगे, स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत सफाई अभियान चलाएंगे और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से सामाजिक समरसता, सौहार्द और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देंगे। अभियान का संचालन एक नियमित नौसेना अधिकारी के निरीक्षण में किया जा रहा है। इसमें भारतीय नौसेना के 8 प्रशिक्षित पी.आई. (प्रशिक्षक) स्टाफ, 11 राज्य कर्मचारी और 5 सहयोगी कर्मी सम्मिलित हैं। 1 बिहार नेवल यूनिट के कमांडिंग ऑफिसर कमांडर सन्नी कुमार गुप्ता ने बताया कि इस दल में बिहार और झारखंड के 70 कैडेट (प्रत्येक राज्य से 35-35) शामिल हैं जिन्हें एन.सी.सी. पटना यूनिट द्वारा विशेष रूप से प्रशिक्षित किया गया है। इस अभियान का उद्देश्य नदी पारिस्थितिकी तंत्र की सांस्कृतिक जीवंतता को प्रदर्शित करते हुए युवाओं में सौहार्द, अनुशासन और पर्यावरण चेतना को बढ़ावा देना है। कैडेट गांधी घाट से अपनी यात्रा प्रारंभ कर 35 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए पहले ठहराव स्थल खुशरूपुर पहुंचेंगे। इस अवसर पर पटना जिले के 100 से अधिक नेवी जे.डी., जे.डब्ल्यू. कैडेट, ए.एन.ओ., पी.आई. और सिविलियन स्टाफ उपस्थित रहे। पूरे आयोजन स्थल पर देशभक्ति और गंगा आराधना की भावना के बीच 'गंगा अमृत है, इसे स्वच्छ रखना हमारी जिम्मेदारी है' का संदेश गूंजता रहा।

संपादकीय

जीवनदायिनी दवा, इस समय बनी हुई है मौत

किसी बीमारी में दवा जीवनदायिनी हो सकती है। ऐसे में मरीज की जान बचाने के लिए उसके परिजन दवा का बंदोबस्त करने में कोई कसर नहीं छोड़ते। मगर जब कोई दवा ही मौत का कारण बन जाए, तो इसे लापरवाही या जान से खिलवाड़ नहीं तो और क्या कहा जाएगा! मध्य प्रदेश और राजस्थान में भी ऐसा ही हुआ है, जहां खांसी की दवा से कई बच्चों की मौत के मामले सामने आए हैं। शासन-प्रशासन की ओर से इन मामलों की गहन जांच कराने का आश्वासन दिया गया है।इसके अलावा, एक चिकित्सक को गिरफ्तार और कुछ अन्य अधिकारियों को निलंबित किया गया है। साथ ही इस दवा की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया है और संबंधित कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। सवाल यह है कि ऐसी कार्रवाई के लिए अक्सर किसी बड़े हादसे का इंतजार क्यों किया जाता है? दवाओं की गुणवत्ता जांच नियमित तौर पर क्यों नहीं की जाती और जो दवाएं बच्चों के लिए प्रतिबंधित हैं, वे बाजार में बिना रोक-टोक कैसे बिक रही हैं?यह कोई पहली बार नहीं है कि देश में किसी दवा की वजह से कई जानें चली गईं। इससे पूर्व भी इस तरह के मामले सामने आते रहे हैं। विडंबना यह है कि न तो सरकार एवं प्रशासन और न ही स्वास्थ्य संस्थानों एवं वहां कार्यरत अधिकारियों के स्तर पर ऐसी घटनाओं से कोई सबक लिया जाता है। मध्य प्रदेश में जिस चिकित्सक को गिरफ्तार किया गया है, उस पर आरोप है कि वह सरकारी सेवा में होने के बावजूद एक निजी क्लिनिक में भी अपनी सेवाएं दे रहा था और बच्चों के लिए इस दवा के इस्तेमाल का परामर्श देता था।सवाल है कि आरोपी चिकित्सक के सरकारी सेवा के साथ निजी क्लीनिक में काम करने पर स्वास्थ्य विभाग ने अब तक कोई संज्ञान क्यों नहीं लिया? दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि किस दवा के विभिन्न आयु-वर्ग के मरीज पर क्या प्रभाव पड़ सकते हैं, इसकी जानकारी क्या चिकित्सकों को नहीं दी जाती है? या फिर चिकित्सक और दवा कंपनियों के बीच सांठगांठ से इस तरह का गोरखधंधा फल-फूल रहा है? सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।खबरों के मुताबिक, मध्य प्रदेश सरकार ने तमिलनाडु सरकार को पत्र लिखकर वहां स्थित संबंधित दवा निर्माता कंपनी के खिलाफ जांच करने का आग्रह किया था। इसके बाद तमिलनाडु के औषधि नियंत्रक विभाग ने अपनी जांच में इस दवा के निर्माण में मिलावट होने की पुष्टि की थी। उसके सेवन से किसी की जान चली जाती है, तो उसके लिए जिम्मेदार कौन होगा? कायदे से बाजार में उपलब्ध दवाओं की गुणवत्ता को लेकर समय-समय पर जांच होनी चाहिए और गड़बड़ी मिलने पर जवाबदेही तय कर आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि लोगों की जान से खिलवाड़ न हो। इस बात के लिए भी जागरूकता अभियान चलाए जाने की जरूरत है कि कोई बीमारी होने पर आम लोग चिकित्सकों की सलाह से ही दवा लें।

फिलवक्त यह चर्चा है कि 2025 का चुनाव नीतीश कुमार के जीवन का शायद आखिरी इलेक्शन हो सकता है। चूंकि बिहार की महिलाओं और एमबीसी मतदाताओं पर नीतीश कुमार की शुरू से पकड़ रही है, इसलिए इस बार महिलाओं और अति पिछड़ा वर्ग के मतदाताओं के बीच उनकी लोकप्रियता की परीक्षा होगी। लोकतंत्र की जननी बिहार के राजनेतागण अपनी व्यक्तिगत, गुटगत, पार्टीगत और गठबंधनगत सियासी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए चुनावी जनादेश को अकसर धत्ता बताने के आदी समझे जाते हैं। पहले जब यहां कांग्रेस का एकछत्र राज या जनता पार्टी-जनता दल का छिटपुट राज हुआ करता था, तब मुख्यमंत्री बदल दिए जाते थे। लेकिन जब क्षेत्रीय दलों के रहनुमा लालू प्रसाद

बिहार में सियासी ऊंट किस करवट बैठेगा?

(कमलेश पांडे)

बताया जाता है कि इसके पीछे कांग्रेस और भाजपा के केंद्रीय व सूबाई नेतृत्व की अदूरदर्शिता भरी मनमानी तथा राजद और जदयू आदि क्षेत्रीय दलों के घात-प्रतिघात की सियासत की भी बड़ी भूमिका रही है। ऐसा प्रतीत होता है कि टीम मोदी इसबार इन राजनीतिक कुचक्रों को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है। तभी तो केंद्रीय मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव को सभी चुनावों की माँ बताया है। क्योंकि समझा जा रहा है कि यह इलेक्शन कई कारणों से बिहार की सियासत को बिल्कुल नया रंग देने वाला है। यह ठीक है कि पिछले दो दशकों से एनडीए ने बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार को मुख्य केंद्रीय भूमिका में बनाए रखा है और भाजपा को इसकी भारी चुनावी कीमत भी चुकानी पड़ी है। शायद इसलिए कि मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस और विगत तीन-साढ़े तीन दशकों उसके चहेते नेता लालू प्रसाद (राजद) व उनके पुत्र व बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को सूबाई सत्ता से दूर रखा जा सके। कहा जाता है कि बिहार में लालू प्रसाद के सियासी कुनबे को स्थापित्व देने, दिलवाने में कांग्रेस की बहुत बड़ी भूमिका रही है। इसलिए भाजपा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सभी मनमानियों को बर्दाश्त करते हुए उन्हें अपने पाले में मिलाए रखती है। दो दो बार नीतीश कुमार भाजपा से दूर भी गए, लेकिन उन्हें निकट लाने का कोई भी मौका भाजपा ने नहीं गंवाया।

फिलवक्त यह चर्चा है कि 2025 का चुनाव नीतीश कुमार के जीवन का शायद आखिरी इलेक्शन हो सकता है। चूंकि बिहार की महिलाओं और एमबीसी मतदाताओं पर नीतीश कुमार की शुरू से पकड़ रही है, इसलिए इस बार महिलाओं और अति पिछड़ा वर्ग के मतदाताओं के बीच उनकी लोकप्रियता की परीक्षा होगी। वैसे तो सवर्णों और अल्पसंख्यकों को भी मुगालते में रखने में वो सफल रहे हैं, लेकिन इस बार की सियासी स्थिति काफी बदल चुकी है। कई ऐसे सियासी प्रसंग छिड़े, जिनसे नीतीश कुमार बेनकाब हो चुके हैं। यह ठीक है कि गठबंधन में बार-बार बदलाव करके नीतीश कुमार राजनीतिक समीकरण के केंद्र में बने रहे। लेकिन, इस बार उनके सामने अपने विधायकों के खिलाफ बढ़ती नाराजगी, मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के गम्भीर आरोप और राजद सुप्रीमो तेजस्वी यादव व कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अलावा जनसुराज पार्टी के प्रशांत किशोर की मजबूत चुनौती उनके समक्ष है।

जदयू नेता नीतीश कुमार को यह याद है कि 2020 में लोजपा नेता चिराग पासवान ने एनडीए से अलग होकर जदयू के खिलाफ चुनाव लड़ा था, जिससे जदयू की सीटें भाजपा के मुकाबले काफी कम होकर महज 43 तक सिमट गईं। लेकिन इस बार एनडीए के लिए राहत की बात यह है कि चिराग पासवान की लोजपा (राम विलास) गठबंधन में बनी हुई है और साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। इससे एनडीए को चिराग के 5 प्रतिशत पासवान वोट आधार के अलावा दलित मतों पर भरोसा है, जो कि इस चुनाव में निर्णायक साबित हो सकता है। वहीं, एनडीए के पूर्व सहयोगी वीआईपी नेता मुकेश साहनी,जो 2020 में एनडीए के साथ रहकर चार सीटें जीते थे, इस बार वह इंडिया गठबंधन में शामिल हो गए हैं। इससे गंगापुत्र वोटों की क्षति भाजपा को उठानी पड़ सकती है।

वैसे महागठबंधन में सीट बंटवारे पर वीआईपी पार्टी की भी बातचीत चल रही है। इससे इंडिया गठबंधन को उम्मीद है कि सहनी के निषाद समुदाय का समर्थन मिलेगा, जो मिथिलांचल, सीमांचल, अंग और चंपारण में अहम वोटर समझे जाते हैं। यह उनकी जीत में मदद करेगा। शायद यह बिहार में पहला ऐसा चुनाव है जिसमें नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने मुफ्त योजनाओं की झड़ी लगा दी और नकद धनराशि देने पर भी जोर दिया है। यह उसकी सामान्य रणनीति से अलग है। यही वजह है कि गत सोमवार को आदर्श आचार संहिता लागू होने से ठीक पहले नीतीश ने मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 21 लाख महिलाओं को 10 हजार रुपये भेजे। इस प्रकार से कुल मिलाकर राज्य सरकार ने 1.21 करोड़ महिलाओं को 12,100 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए हैं। वहीं, अगले 29 लाख लाभार्थियों के लिए शेड्यूल जारी हो चुका है। हालांकि, आगे के हस्तांतरण के लिए निर्वाचन आयोग की मंजूरी जरूरी होगी। इसके अलावा, पेंशन राशि को 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये प्रति माह किया गया है। वहीं, कई सरकारी कर्मचारियों के मानदेय में वृद्धि की गई है। यह सब नीतीश कुमार ने इसलिए किया ताकि विरोधियों को सियासी शिकस्त दी जा सके। हालांकि, सवर्णों के वोट आधार पर अपनी-अपनी सियासत चमकाने वाली जदयू-भाजपा को इस बार जनसुराज पार्टी के संस्थापक व मशहूर चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर के रूप में एक नई चुनौती मिल रही है, जो तेजस्वी यादव से ज्यादा खतरनाक है। ऐसा इसलिए कि कई वर्षों बाद बिहार में एक ऐसा नया चेहरा चर्चा में है जो सवर्ण पृष्ठभूमि का है। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर पिछले तीन वर्षों से राज्य में प्रचार कर रहे हैं और उनकी ओर से लगाए गए सरकारी भ्रष्टाचार के आरोप पूरे राज्य में चर्चा का विषय बने हुए हैं। इससे सत्तारूढ़ और विपक्षी गठबंधन दोनों सतर्क हो गए हैं। हालांकि, अभी यह देखना बाकी है कि क्या वह इन चर्चाओं को वोटों में बदल पाएंगे। इस तरह 2025 का बिहार विधानसभा चुनाव न केवल नीतीश कुमार की विरासत की परीक्षा लेगा, बल्कि भाजपा के नए चेहरों और विपक्ष की बदलती रणनीतियों के साथ सियासत को नया आयाम भी देगा। इसलिए बिहार में चुनाव को प्रभावित करने वाले कतिपय महत्वपूर्ण व प्रमुख फैक्टर्स का विश्लेषण करना लाजिमी है, जो यह निर्धारित कर सकते हैं कि सत्तारूढ़ एनडीए सत्ता में बनी रहेगी या फिर जनता विपक्षी गठबंधन को समर्थन देकर आश्चर्यचकित कर देगा, या फिर 2025 की तरह ही एक बार फिर त्रिशंकु सरकार बनेगी। बिहार में चुनावी बिगुल आधिकारिक तौर पर बज चुका है। चुनाव आयोग द्वारा 6 और 11 नवंबर को दो चरणों में वोटिंग के ऐलान के साथ, एक बेहद अहम राजनीतिक मुकाबले का मंच तैयार है। लेकिन इस अहम मुकाबले में किसका पलड़ा भारी है? 14 नवंबर को नतीजों का इंतज़ार रहेगा। यूँ तो तमाम चुनाव पूर्व

आए मतदाता सर्वेक्षण में एनडीए के लिए अंकगणितीय बढ़त की बात बताई जा रही है, लेकिन कागज़ों पर और सियासी जमीन पर यह गणनात्मक दौड़ कितनी सही बैठी, इसका खुलासा 14 नवम्बर को ही हो पाएगा। यह ठीक है कि राजनीतिक अंकगणित के आधार पर एनडीए की स्पष्ट बढ़त से चर्चा शुरू होती है, लेकिन विपक्ष को हल्के में लेना उसकी बड़ी भूल साबित हो सकती है। यह ठीक है कि सत्तारूढ़ एनडीए में बीजेपी, जेडीयू, जीतन राम मांझी की पार्टी, चिराग पासवान और उपेंद्र कुशवाहा आदि शामिल हैं। इसलिए यह गठबंधन संख्याबल के रूप से विपक्ष यानी आरजेडी, कांग्रेस और वामपंथी दलों के गुट से ज़्यादा मज़बूत प्रतीत है, वो भी तब जब सवर्ण व मुस्लिम वोटों का बंटवारा न हो। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि भले ही आंकड़ों का गणित एनडीए के पक्ष में हो सकता है, लेकिन ज़मीनी स्तर पर बिखरे हुए राजनीतिक समीकरण मुकाबले को और अधिक दिलचस्प बना देते हैं। ज़्यादातर सर्वेक्षणों से पता चलता है कि आरजेडी के तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री पद के लिए पसंदीदा विकल्प हैं, लेकिन उनकी सबसे बड़ी चुनौती उनका पारिवारिक कलह है। वहीं, आरजेडी के पारंपरिक मुस्लिम-यादव (एम-वाई) वोट आधार से आगे खासकर सवर्णों के बीच उनकी अपनी अपील का विस्तार करना है, जिससे मुकाबला रोचक हो सकता है। इसी बीच काबिलेगौर है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 20 साल की सत्ता-विरोधी लहर से जूझ रहे हैं और मोदी-शाह के बढ़ते दबाव के चलते कुछ लोग उन्हें हाल के वर्षों में एक कमज़ोर नेता के रूप में देखते हैं। इससे वे अपनी पार्टी के लिए एक संपत्ति और एक बोझ दोनों बन चुके हैं। हालांकि एकमुखी दल के लिए यह आम बात है। वे एक सियासी सम्पत्ति इसलिए हैं क्योंकि उन्हें करीब 15 प्रतिशत वोट शेयर लगातार मिलता आया है। और एक बोझ इसलिए भी हैं क्योंकि वे सत्ता-विरोधी लहर का चेहरा हैं। दो दो बार तेजस्वी यादव को उपमुख्यमंत्री उन्होंने बनवाया है, इसलिए उनपर लोगों का भरोसा करना कठिन हो जाता है। लिहाजा, अहम सवाल यह है कि क्या नीतीश कुमार अपनी सियासी ज़मीन बचा पाएंगे या अब उनका स्थायी पतन हो रहा है। यदि ऐसा हुआ तो भाजपा के सुनहरे सपने भी ध्वस्त हो जाएंगे। क्योंकि 2026 में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव और 2027 में उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव पर बिहार के जनादेश का सीधा असर पड़ेगा। इसबार के चुनाव की खास बात यह भी है कि कल्याणकारी योजनाएं बनाम सत्ता-विरोधी भावना का लिटमस टेस्ट यहां होना है। यूँ तो फ्रीबीज से कई नई सरकारें बन चुकी हैं और पुरानी सरकारें भी बची हैं। इसलिए एनडीए ने बिहार में भी फ्रीबीज के प्रयोग को दोहरा दिया है। बताया जाता है कि मतदाताओं की बेचैनी दूर करने के लिए ही एनडीए सरकार ने हाल के महीनों में महिलाओं और युवाओं को टारगेट करते हुए प्रत्यक्ष नकद लाभ योजनाओं की एक सीरीज शुरू की है। चूंकि मतदाताओं के हाथों में सीधे पैसा पहुंचाने की रणनीति मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और उड़ीसा जैसे अन्य राज्यों में भी कारगर साबित हुई है। ऐसे में प्रत्यक्ष कल्याणकारी लाभ क्या पारंपरिक जातिगत समीकरणों को तोड़ सकते हैं, यह यक्ष प्रश्न बना हुआ है। वहीं, फ्रीबीज की घोषणा बिहार में सत्ता-विरोधी भावना को दूर करने का एक शक्तिशाली साधन हो सकते हैं। ऐसा राजनीतिक विश्लेषक भी मानते हैं। बिहार विधानसभा चुनाव का सबसे दिलचस्प और अप्रत्याशित पहलू राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर की एंट्री है। उनके बड़े चुनाव प्रचार अभियान ने स्थानीय और बाहरी हर तरह के लोगों का ध्यान खींचा है, लेकिन असली परीक्षा उस उत्साह को वोटों में बदलना है। राजनीतिक सूत्र बताते हैं कि अगर जनसुराज पार्टी 10 फीसदी से ज़्यादा वोट हासिल कर लेती है, तो मुकाबला काफ़ी खुला हो सकता है। यह बात सबको मालूम है कि 2020 का चुनाव सिर्फ़ 12,000 वोटों के बेहद कम अंतर से तय हुआ था, इसलिए प्रशांत किशोर की एक छोटी सी भी बढ़त दोनों प्रमुख गठबंधनों के वोट खींचकर अंतिम परिणाम को नाटकीय रूप से बदल सकने की क्षमता रखती है। बहरहाल, बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है, जिससे साफ है कि बिहार में दो चरणों में विधानसभा चुनाव होंगे। बिहार में पहले चरण के लिए 6 नवंबर जबकि दूसरे चरण के लिए 11 नवंबर को वोटिंग होगी। वहीं नतीजे 14 नवंबर को आएंगे। इस बीच एक ओपिनियन पोल आया है जिसमें एनडीए गठबंधन को प्रचंड बहुमत में मिलता दिखाई दे रहा है। आईएएनएस-मटराइज ओपिनियन पोल के अनुसार बिहार में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बन सकती है, क्योंकि इस ओपिनियन पोल के अनुसार बिहार में बीजेपी को 80 से 85 सीटें मिल सकती है जबकि जनता दल यूनाइटेड को 60 से 65 सीटें मिल सकती है। वहीं जीतनराम मांझी की हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा को 3 से 6, चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी को 4 से 6, उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा को एक से दो सीट मिल सकती है। वहीं अगर महागठबंधन की बात करें तो आरजेडी को 60 से 65 सीटें मिल सकती हैं। जबकि कांग्रेस को 7 से 10, सीपीआईएमएल को 6 से 9, सीपीएम को 0 से 1, वीआईपी को 2 से 4 सीट मिल सकती है। इसके अलावा असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम को 1 से 3 सीट मिल सकती है। प्रशांत किशोर की जन सुराज पहली बार चुनावी मैदान में है और उसे 2 से 5 सीटें मिल सकती है। जबकि अन्य को 7 से 10 सीटें मिल सकती है।

उल्लेखनीय है कि 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन को जीत हासिल हुई थी। एनडीए गठबंधन ने 243 सदस्यीय विधानसभा में 125 सीटों पर जीत हासिल की थी, जबकि महागठबंधन ने 110 सीटों पर जीत हासिल की थी। 2020 के विधानसभा चुनाव में आरजेडी को 75 सीटों पर जीत हासिल हुई थी जबकि भाजपा को 74 सीटें मिली थी। वहीं नीतीश कुमार की जेडीयू को 43, कांग्रेस को 19 सीपीआईएमएल को 12 और असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम ने 5 सीटों पर जीत हासिल की थी।इसप्रकार, बिहार में चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद आया पहला ओपिनियन पोल भी चौंकाने वाला है। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

क्या भारत की कोचिंग संस्कृति को समाप्त करने के लिए आसान जेईई मेन, नीट यूजी परीक्षाएं महत्वपूर्ण हैं?

विजय गर्ग

जैसा कि भारत जेईई और नीट में आसानी लाने पर बहस कर रहा है, वास्तविक चुनौती प्रश्न पत्रों से परे है। वास्तविक न्याय इस बात पर निर्भर करेगा कि प्रणाली असमानता, परीक्षा तनाव और कोचिंग संस्कृति से कैसे निपटती है जो लाखों भविष्यों को आकार देती है। जैसे-जैसे सरकार भारत की दो सबसे प्रतिस्पर्धी प्रवेश परीक्षाओं, जेईई और नीट में कठिनाई के स्तर को संशोधित करने पर विचार कर रही है, एक महत्वपूर्ण बहस फिर से सामने आई है- क्या परीक्षा कठोरता वास्तव में प्रणाली को अधिक निष्पक्ष बना सकती है? हर साल लाखों छात्र इन उच्च जोखिम वाले परीक्षणों पर अपना भविष्य दांव लगाते हैं, जो न केवल कॉलेज प्रवेश निर्धारित करते हैं बल्कि भारतीय शिक्षा प्रणाली को छाया देने वाली बहुअरब रुपये की कोचिंग उद्योग को भी आकार देते हैं। शिक्षा मंत्रालय ने हाल ही में न्याय, समावेशिता और छात्रों की भलाई के बारे में चिंताओं का हवाला देते हुए जेईई मेन और नीट-यूजी की कठिनाइयों की समीक्षा करने की योजना की घोषणा की। लेकिन जैसे-जैसे चर्चाएं तेज होती जा रही हैं, शिक्षकों, छात्रों और नीति निर्माताओं में इस बात पर मतभेद हो रहे हैं कि क्या इन परीक्षाओं को आसान बनाना समानता को बढ़ावा देगा या दबाव को कहीं और ले जाएगा। कोचिंग कल्चर ष्ट्हहहष्ठत्रूवर्षों से जेईई और नीट की कठिनाई ने भारत के उभरते कोचिंग पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा दिया है। कोटा से हैदराबाद तक, छात्र कई वर्षों और अपने माता-पिता की बचत में व्यस्त रहते हैं जो अक्सर रूट लर्निंग और टेस्ट लेने के लिए उत्सुकता और समझ को प्राथमिकता देते हैं। यदि परीक्षा कठिनाई कम हो जाती है तो हम कोचिंग उद्योग में महत्वपूर्ण परिवर्तन देखने की उम्मीद कर सकते हैं - आसान परीक्षाएं कोचिंग केंद्रों को फॉर्मूला ड्रिल सत्रों से छात्रों की अवधारणात्मक स्पष्टता और करियर कौशल विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित कर सकती हैं। यह उद्योग को एक संकीर्ण परीक्षा-केंद्रित प्रक्रिया से शैक्षणिक और व्यक्तिगत सफलता दोनों पर केंद्रित विविध शिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र में बदल सकता है, जब स्कूलों और परीक्षाओं के बीच सबसे बड़ी चुनौतियां स्कूली पाठ्यक्रमों और प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के संबंध में नहीं हैं। स्कूलों में समग्र विकास और अवधारणागत आधार पर जोर दिया जाता है, जबकि जेईई और एनआईईटी तेजी, सटीकता और आवेदन-आधारित समस्या समाधान की मांग करते हैं। विद्यालय का पाठ्यक्रम और प्रतिस्पर्धी परीक्षाएं विभिन्न लक्ष्यों के साथ डिज़ाइन की जाती हैं। दोनों को संरेखित करना परीक्षा कठिनाई कम करने से अधिक प्रभावी हो सकता है। इससे कोचिंग पर निर्भरता कम हो जाएगी, लगातार तैयारी सुनिश्चित होगी और परीक्षाएं चुनौतीपूर्ण लेकिन निष्पक्ष रहेंगी कोचिंग गति और रणनीति के साथ मदद करता है, लेकिन स्कूल नींव बनाते हैं। दोनों एक-दूसरे की पूर्ति करते हैं, स्कूल ज्ञान को बढ़ावा देते हैं और प्रशिक्षण इसे तेज करता है। फायरनेस बनाम योग्यताः नीति निर्माताओं के लिए केंद्रीय चुनौती समानता और उत्कृष्टता के बीच संतुलन ढूंढना है। एक वरिष्ठ शिक्षक कहते हैं, केवल कठिनाई को कम करना समावेशीता सुनिश्चित नहीं कर सकता। उन्होंने बताया, यह दबाव को कहीं और ले जा सकता है। वास्तविक योग्यता तर्क और समझ का प्रतिबिंब होनी चाहिए, महंगी कोचिंग या नियमित यादों तक पहुंच नहीं। निष्पक्षता का अर्थ है कि प्रत्येक छात्र को क्षमता प्रदर्शित करने के लिए समान अवसर होना चाहिए। सुधारों को अनुकूलनात्मक मूल्यांकन, परियोजना-आधारित सीखने और वंचित छात्रों के लिए ऑनलाइन सहायता प्रणालियों जैसे कई उपायों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। विजय गार्ग का तर्क है कि निष्पक्ष संसाधन, डिजिटल मार्गदर्शन और मॉड्यूलर परीक्षाएं प्रदान करने वाले पायलट कार्यक्रम भारत को मल्टी-पाथ मूल्यांकन मॉडल की ओर आगे बढ़ने में मदद कर सकते हैं, जो दबाव के तहत गति परीक्षण करने के बजाय विविध प्रतिभाओं को महत्व देता है। उन्होंने कहा, स्टेक ने शैक्षिक समानता के लिए नेतृत्व किया। सरकार का ध्यान डेटा-सूचित, प्रौद्योगिकी-आधारित सुधारों के माध्यम से इक्विटी बनाने पर केंद्रित होना चाहिए। हम छात्रों का मूल्यांकन और तैयारी के तरीके में सुधार किए बिना परीक्षाओं को आसान बनाना, केवल मौजूदा असमानताओं को मजबूत करेगा। जीएसआरजी एआई-समर्थित और साक्ष्य आधारित आकलन प्लेटफार्मों की वकालत करता है जो परीक्षण डिजाइन में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करते हैं। पाठ्यक्रमों के अनुरूप माइक्रो-मूल्यांकन अपनाते हैं, तो ग्रामीण और शहरी छात्रों के बीच प्रदर्शन अंतर 10-15 प्रतिशत कम हो जाता है जिससे यह साबित होता है कि निष्पक्ष मूल्यांकन प्रणालीगत विभाजन को संकुचित कर सकता है। गार्ग कहते हैं कि आगे का रास्ता स्कूलों में नैदानिक और शैक्षिक मूल्यांकन को शामिल करना है। (सेवानिवृत्त प्रधान शैक्षिक स्तंभकार प्रतिष्ठित शिक्षाविद् मलोट पंजाब)।

मानसिक स्वास्थ्य है रोगमुक्त जीवन की मुस्कान

(ललित गर्ग)

आज का युग आभासी दुनिया का युग है। मोबाइल, इंटरनेट, सोशल मीडिया और डिजिटल साधनों ने हमारे जीवन को जितना आसान बनाया है, उतना ही जटिल भी। आभासी संबंधों ने संवाद के नए मार्ग खोले हैं, परंतु भावनाओं की सच्चाई को खोखला कर दिया है।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस हर वर्ष हमें यह सोचने का अवसर देता है कि मनुष्य का सबसे बड़ा धन उसका मन है, और जब मन अस्वस्थ होता है तो समूचा जीवन बिखर जाता है। इस वर्ष की थीम है संकट और आपात स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करना। यह थीम प्राकृतिक आपदाओं या अन्य आपात स्थितियों के दौरान लोगों के मानसिक स्वास्थ्य की जरूरतों को पूरा करने और आवश्यक सेवाएं प्रदान करने पर केंद्रित है, जो मानसिक स्वास्थ्य समर्थन तक पहुंच की बाधाओं को दूर करने और संकटग्रस्त लोगों के लिए प्रभावी सहायता तंत्र स्थापित करने के महत्व को रेखांकित करती है। आज दुनिया ऐसी परिस्थितियों से गुजर रही है जहाँ महामारी, युद्ध, आर्थिक संकट, सामाजिक अस्थिरता, बेरोजगारी और जलवायु परिवर्तन जैसी घटनाएँ लगातार मनुष्य के मन पर चोट कर रही हैं। इन आपदाओं के बीच मानसिक स्वास्थ्य की समस्या एक मौन महामारी बन गई है। भारत में यह चुनौती और भी बड़ी है क्योंकि यहाँ मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता कम है और कलंक अधिक। मानसिक स्वास्थ्य दिवस सभी के लिए है-यह वर्ष के 365 दिन महत्वपूर्ण है, लेकिन 10 अक्टूबर दुनिया भर के सभी लोगों के लिए मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर शिक्षा और जागरूकता बढ़ाने हेतु एकजुट होने का एक अवसर है। यह सभी को अधिक समझ और सहानुभूति के माध्यम से अपने और दूसरों के मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

आज का युग आभासी दुनिया का युग है। मोबाइल, इंटरनेट, सोशल मीडिया और डिजिटल साधनों ने हमारे जीवन को जितना आसान बनाया है, उतना ही जटिल भी। आभासी संबंधों ने संवाद के नए मार्ग खोले हैं, परंतु भावनाओं की सच्चाई को खोखला कर दिया है। हम हर समय आभासी दुनिया से जुड़े रहते हैं, लेकिन भीतर से अत्यंत अकेले हो गए हैं। दूसरों के सुख और सफलता के प्रदर्शन से तुलना और हीनता की भावना बढ़ती जा रही है। इस निरंतर प्रतिस्पर्धा और प्रदर्शन ने लोगों के मन में चिंता, अवसाद और असंतोष को गहरा कर दिया है। सोशल मीडिया का अति प्रयोग मनुष्य को कल्पना और भ्रम की दुनिया में धकेल रहा है, जहाँ असली जीवन की सादगी और आत्मीयता खोती जा रही है। युवा पीढ़ी सबसे अधिक मानसिक दबाव में है। प्रतिस्पर्धा, परीक्षा, करियर और परिवार की अपेक्षाएँ उन्हें उस स्तर तक पहुँचा रही हैं जहाँ असफलता आत्मघाती कदमों में बदलने लगी है। अनेक अध्ययन बताते हैं कि आत्महत्या करने वालों में सबसे बड़ी संख्या किशोरों और युवाओं की है। वे जीवन से नहीं, अपनी असफलता से भागना चाहते हैं, परंतु संवादहीनता, समझ की कमी और मानसिक परामर्श की अनुपलब्धता उन्हें अंधकार की ओर धकेल देती है। युवा जीवन में ऊर्जा और आशा के प्रतीक हैं, लेकिन जब उन पर अपेक्षाओं का बोझ हावी हो जाता है, तब वही ऊर्जा विनाशकारी रूप ले लेती है। परिवार और समाज को चाहिए कि वे उन्हें समझें, संवाद करें, उनके मन की सुनें, और उन्हें यह विश्वास दें कि असफलता अंत नहीं है, बल्कि आगे बढ़ने का अवसर है। महिलाओं की स्थिति भी कम कठिन नहीं है। घर और बाहर की दोहरी जिम्मेदारियों, सामाजिक बंधनों और लैंगिक भेदभाव ने उनके मानसिक स्वास्थ्य को गहरे रूप से प्रभावित किया है। घरेलू

हिंसा, उत्पीड़न और सामाजिक असमानता की स्थितियाँ उन्हें भीतर से तोड़ देती हैं। फिर भी वे समाज की धुरी बनी रहती हैं। उन्हें मानसिक रूप से सशक्त बनाना, उनके लिए सुरक्षित वातावरण और परामर्श की सुविधाएँ उपलब्ध कराना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जब महिलाएँ स्वस्थ और संतुलित मन से कार्य करेंगी, तभी समाज स्वस्थ दिशा में आगे बढ़ सकेगा। इसी तरह वृद्धों का जीवन भी मानसिक स्वास्थ्य के मामले में अधिक जटिल होता जा रहा है। आत्महत्या की बढ़ती घटनाएँ एक चेतावनी हैं कि हम किसी बड़ी भूल के शिकार हैं। यह केवल व्यक्ति की समस्या नहीं, बल्कि पूरे समाज का दर्पण है। जब कोई व्यक्ति यह मानने लगता है कि अब उसके जीवन का कोई अर्थ नहीं बचा, तब उसकी आत्मा में आशा का दीप बुझ जाता है। उसे बचाने के लिए आवश्यक है कि हम उसके पास जाएँ, उसकी बात सुनें, उसे यह एहसास दिलाएँ कि वह अकेला नहीं है। समाज, परिवार, शिक्षण संस्थान और सरकार सभी को मिलकर ऐसा वातावरण बनाना होगा जहाँ निराश व्यक्ति के लिए तुरंत सहायता उपलब्ध हो। मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ गाँव-गाँव तक पहुँचें, स्कूलों और कार्यस्थलों में परामर्श केंद्र स्थापित हों, यह समय की पुकार है। नशा मानसिक अस्वास्थ्य का सबसे बड़ा सहचर बन चुका है। शराब, तंबाकू, मादक पदार्थ, यहाँ तक कि दवाओं के दुरुपयोग ने मनुष्य की चेतना को कुंद कर दिया है। नशा अस्थायी आनंद देता है, परंतु दीर्घकालिक विनाश का कारण बनता है। यह व्यक्ति की आत्मनियंत्रण शक्ति को नष्ट कर देता है, निर्णय क्षमता को कमजोर करता है और अवसाद तथा आत्महत्या की प्रवृत्ति को बढ़ाता है। नशे की लत से ग्रस्त व्यक्ति समाज से कट जाता है और उसकी आत्मा में एक गहरा शून्य भर जाता है। इस समस्या का समाधान केवल दंड से नहीं, बल्कि संवेदनशील पुनर्वास और मानसिक परामर्श से संभव है। समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति शिक्षित करना और युवाओं को इसके जाल से बचाना हर घर की जिम्मेदारी होनी चाहिए। मानसिक अस्वस्थता से जूझ रहे व्यक्ति को सबसे पहले आवश्यकता होती है आशा की। निराशा की अंधेरी सुरंग में यदि कोई हाथ थाम ले, यदि कोई मुस्कान दे दे, यदि कोई कह दे कि सब ठीक हो जाएगा, तो वही वाक्य जीवनदान बन सकता है। आत्महत्या की रोकथाम का आरंभ संवेदनशील संवाद से होता है। हमें अपने बच्चों, मित्रों, सहकर्मियों और परिवारजनों से यह रिश्ता बनाना होगा कि वे अपने मन की बात कह सकें, बिना किसी भय या लज्जा के। आज का हर व्यक्ति तनावग्रस्त है। तनाव उनको होता है, जो निरंतर मन, वाणी और शरीर की प्रवृत्ति में लगे रहते हैं, विश्राम नहीं करते। यानी कि आज की भाषा में जो 'बिजी' रहते हैं। बिजी रहने की इस आदत ने जीवन में बहुत टेंशन पैदा किए हैं। जीवन में बिजी के साथ ईजी होना जरूरी है क्योंकि एक पहिए से रथ नहीं चलता। उसके लिए दोनों पहिए चाहिए। ज्ञान और ध्यान, काम और आराम- ये जीवन रूपी रथ के दो पहिए हैं। एक पहिए को निकाल देंगे तो रथ नहीं चलेगा। आज यही तो समस्या है और यही मानसिक अस्वास्थ्य की जड़ है। जीवन को एकांगी बनाया जा रहा है। इससे बहुत भारी समस्याएं पैदा हो रही हैं। मन की चंचलता का तो ज्यादा से ज्यादा इंतजाम किया जा रहा है, पर उसे स्थिर बनाने का कोई उपाय नहीं किया जा रहा है। समस्या स्थिरता में नहीं, चंचलता में होती है। बाहर का खोल जितना भी मजबूत हो, भीतर को साधे बिना चंचलता कम नहीं होती। ये भीतर की गांठें देर-सबेर उलझा ही देती हैं। आज आवश्यकता है कि हम मानसिक स्वास्थ्य को विलासिता नहीं, बल्कि आवश्यकता समझें। शरीर की बीमारी के लिए जैसे हम डॉक्टर के पास जाते हैं, वैसे ही मन की पीड़ा के लिए भी विशेषज्ञ सहायता लेना सामान्य बने। मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा को विद्यालयों में जोड़ा जाए, परामर्श केंद्रों को सशक्त किया जाए, और हर नागरिक को यह संदेश दिया जाए कि सहायता लेना कमजोरी नहीं, बल्कि साहस का प्रतीक है। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि चेतना का पर्व है। यह हमें याद दिलाता है कि स्वस्थ मन ही स्वस्थ समाज का आधार है। हमें निराशा से आशा की ओर, अकेलेपन से अपनत्व की ओर और अस्वस्थता से संतुलन की ओर बढ़ना है। मनुष्य की सबसे बड़ी ताकत उसका मन है, और जब मन शांत, स्थिर और प्रसन्न होगा, तभी जीवन भी सुंदर होगा। इसलिए आइए, हम सभी मिलकर यह संकल्प लें कि हम अपने और दूसरों के मन की सेहत का ध्यान रखेंगे, संवाद करेंगे, सहयोग करेंगे और हर उस व्यक्ति के लिए आशा का दीप जलाएँगे जो अंधेरे में भटक रहा है। यही इस दिवस का सच्चा संदेश और जीवन का शाश्वत सार है। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है।

New page 9_page 12 29.05.2025.qxd 10-10-2025 21:56 Page 1

पीसी एण्ड पीएमडीटी एक्ट एवं क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट को लेकर बैठक

सदस्यों को एक्ट का अनुपालन सुनिश्चित कराने हेतु दी गई जानकारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी की अध्यक्षता में आज सदर अस्पताल स्थित असैनिक शल्य चिकित्सक कार्यालय कक्ष में पीसी एण्ड पीएमडीटी एक्ट एवं क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट से संबंधित एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी संबंधित विभागों के समिति के सदस्य एवं चिकित्सक उपस्थित थे।

बैठक के दौरान मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा उपस्थित सदस्यों को एक्ट एवं क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। बताया गया कि जिले में एक्ट के तहत कुल 7 अल्ट्रासाउंड क्लीनिक एवं क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के तहत कुल 58 क्लीनिक संचालित है। इनमें सभी गाइडलाइंस का अनुपालन सुनिश्चित करना समिति के सदस्यों का उत्तरदायित है।

सभी सदस्यों को उनके भूमिका एवं क्रियान्वयन की प्रक्रिया से अवगत कराया गया।

मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी ने कहा कि इन अधिनियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है, ताकि भ्रूण लिंग परीक्षण जैसी कुप्रथाओं पर अंकुश लगाया जा सके एवं निजी चिकित्सा संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित हो सके। क्लीनिक में चिकित्सक होना अनिवार्य है, साथ हीं लैब रेट चार्ट डिसप्ले भी किया जाए। जिससे मरीजों को समस्या न हो।

एक्ट के सम्पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने को लेकर सभी सदस्यों से सक्रिय भूमिका निभाने, जनजागरूकता बढ़ाने एवं आवश्यकता अनुसार ससमय छापेमारी करने पर बल दिया गया। बैठक में सदस्यों के रूप में चिकित्सक, आयुष चिकित्सा पदाधिकारी, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी, डीडीएम समेत अन्य संबंधित उपस्थित थे।

साउथ बिहार एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनें रद्द

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमशेदपुर। टाटानगर से चलकर इतवारी जाने वाली इतवारी एक्सप्रेस और आरा से चलकर वाया टाटानगर होते हुए दुर्ग को जाने वाली साउथ बिहार एक्सप्रेस 11 अक्टूबर से अलग-अलग तारीखों में रद रहेगी रेल प्रशासन ने इस संबंध में पूर्व में ही आदेश जारी कर दिया है। चक्रधरपुर मंडल में रेल विकास का काम होना है ऐसे में रेलवे ने 11 ट्रेनों को रद किया है जबकि तीन ट्रेनें परिवर्तित मार्ग से चलेगी। वहीं, चार ट्रेनों को अलग-अलग तारीखों में बीच में रद करते हुए शॉर्ट टर्मिनेट किया गया है।

ऐसे में पटना से चलकर वाया टाटानगर होते हुए दुर्ग को जाने वाली साउथ बिहार एक्सप्रेस व बड़बिल से चलकर हावड़ा जाने वाली जन शताब्दी एक्सप्रेस बीच में ही रद हो जाएगी। ऐसे में त्योहारी सीजन में जिन यात्रियों को दुर्ग व आरा सहित हावड़ा जाना है, उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

ऑटो और बाइक की भिड़ंत में एक की मौत

कई हुए चोटिल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लोहरदगा। जिले के भंडरा थाना क्षेत्र में सड़क हादसों का सिलसिला लगातार जारी है। बुधवार की शाम को हुए एक हादसे में तीन युवकों की मौत की चर्चा अभी ठंडी भी नहीं हुई थी कि गुरुवार को एक और गंभीर सड़क हादसा सामने आया। नंदनी पुल के समीप ऑटो और तेज रफ्तार बाइक की सीधी भिड़ंत हुई। इस हादसे में भंडरा क्षेत्र के भैसमुंदो टंगरा टोली निवासी पंचू महली के पुत्र ब्रजकिशोर महली की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, राम विनोद महली के पुत्र सुभाष महली की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें रांची रिम्स रेफर किया गया। दुर्गा महली के पुत्र बासुदेव महली को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

हादसे की जानकारी के अनुसार, ऑटो में सवार सुमंती कुमारी ने बताया कि वे सभी बक्सिडीपा से ऑटो किराया लेकर चट्टी स्थित बनटोली आश्रम में एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। ऑटो में दो बच्चे समेत कुल नौ लोग सवार थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार बाइक ने ऑटो से जोरदार टक्कर मारी, जिससे ऑटो पलट गया।

ऑटो में सवार बच्चों को कोई चोट नहीं आई, लेकिन अन्य यात्रियों में गुमला जिला के घाघरा निवासी दुर्गा उरांव की पत्नी दशमी उरांव, घाटा गागया निवासी सुलेंदर महतो की पत्नी रीता देवी, हेसल निवासी छेदू उरांव की पत्नी सीमा उरांव, सेन्हा क्षेत्र के उगरा निवासी धनी महली के पुत्र सुरेश भगत और सेन्हा क्षेत्र के आर्या निवासी मूसन साव की पत्नी फूलमैत देवी को प्राथमिक उपचार के बाद लोहरदगा सदर अस्पताल भेजा गया। सुमंती कुमारी और भिंसरिया उरांव को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दी गई।

भंडरा थाना प्रभारी रवी रंजन कुमार ने बताया कि जैसे ही सड़क हादसे की सूचना मिली, 108 एम्बुलेंस को सूचना दी गई और पुलिस दल बल सहित घटना स्थल पर पहुंचे। एसआई पप्पू गुप्ता, एएसआई संतोष राय, एएसआई रामदेव राय, एएसआई संजय कुमार और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भंडरा पहुंचाया गया। मृतक युवक का शव पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लोहरदगा भेजा गया। पुलिस हादसे की गहनता से जांच कर रही है।

जनता दरबार में सुनी गयी लोगों की शिकायतें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। उपायुक्त रामनिवास यादव के निदेर्शानुसार आज जिला नजारत उप समाहर्ता आशुतोष ठाकुर ने जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से व्यक्तिगत एवं सामाजिक समस्याओं के निराकरण हेतु आए करीब दर्जनों लोगों की शिकायतों और समस्याएं सुनी तथा प्राप्त आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को अग्रसारित करते हुए यथोचित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इस दौरान कई समस्याओं का ऑन द स्पॉट भी निष्पादन किया गया। जनता दरबार में प्राप्त शिकायतों में मुख्य रूप से भूमि विवाद, मईया समान योजना से जुड़ी समस्याएं, दिव्यागजन हेतु ट्राई-साइकिल की मांग, भूमि विवाद, दाखिल खारिज, स्वास्थ्य विभाग, पेंशन, राशन, भू अर्जन, पेयजल, अबुआ आवास योजना, शिक्षा विभाग व विद्यालय संचालन से संबंधित मुद्दे, स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता एवं अन्य व्यक्तिगत व सामुदायिक समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आई। इस दौरान आशुतोष ठाकुर ने सभी आवेदकों की समस्याएं सहजता, संवेदनशीलता एवं गंभीरता से सुनीं तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देशित किया।

रंगोदय 2025 में विन्ज एंटरटेनमेंट फिल्म्स की टीम ने हासिल की सफलता

बिहार एवं दिल्ली सहित कई राज्यों की 22 टीमों ने निभायी थी भागेदारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। संस्कार भारती, आगरा द्वारा आयोजित चार दिवसीय अखिल भारतीय नाट्य एवं नृत्य प्रतियोगिता ₹रंगोदय 2025₹ का भव्य समापन 7 अक्टूबर की मध्य रात्रि को हुआ। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों–जैसे झारखंड, बिहार, मणिपुर, दिल्ली, महाराष्ट्र, ओडिशा, मध्य प्रदेश जैसे अन्य राज्यो से कुल 22 टीमों ने भाग लिया।

इस प्रतिष्ठित मंच पर झारखंड, गिरिडीह की टीम विन्ज एंटरटेनमेंट फिल्म्स ने सामाजिक संदेश से परिपूर्ण नाटक ह्यकाली रात का न्यायह्न प्रस्तुत किया।

इस नाटक का निर्देशन विनीत स्वरूप ने किया, जिसने दर्शकों और निर्णायकों दोनों को गहराई से

प्रभावित किया नाटक में अद्वितीय अभिनय के लिए श्रेष्ठ चरित्र अभिनेत्री का प्रथम पुरस्कार श्रृष्टि सिन्हा को प्रदान किया गया।

इसके अतिरिक्त, टीम द्वारा प्रस्तुत सामूहिक लोकनृत्य पाइका को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ, जबकि एकल नृत्य में निराली ने तृतीय स्थान हासिल किया टीम के निर्देशक विनीत स्वरूप, प्रोडक्शन हेड साहिल सिंह और सीईओ रवि राज ने बताया कि इस प्रस्तुति की तैयारी विगत तीन महीनों से चल रही थी। उन्होंने कहा, ₹हमारी टीम ने कड़ी मेहनत की और उसका प्रतिफल हमें इस मंच पर सफलता के रूप में मिला। हम अपने शहर और राज्य का नाम आगे भी इसी5 तरह रोशन करते रहेंगे।₹

इस सफलता में टीम के सभी कलाकारों का विशेष योगदान रहा, जिनमें नंदिनी, मेनका, लक्ष्मी, खुशी, पूनम, खुशबू, नागेन्द्र, मिंटू और पवन प्रमुख रूप से शामिल रहे। सभी ने अपने-अपने किरदारों और प्रस्तुतियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर टीम को गौरवान्वित किया।

डीटीओ ने चलाया वाहन जांच अभियान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। उपायुक्त के निदेर्शानुसार आज जिला परिवहन पदाधिकारी, संतोष कुमार ने ताराटॉड थाना अंतर्गत संचालित भारी/ ओवरलोडिंग वाहन और गैर जिम्मेदाराना ढ़ंग से संचालित वाहनों की जांच की। इस दौरान मोटर वाहन अधिनियम 1988 के तहत ओवरलोडिंग और ओवर हाइट अपराध के लिए 6 वाहनों को जब्त कर जुर्माना लगाया गया। उनमें से 3 वाहन रोड टैक्स और अन्य मानदंडों का भुगतान करने में विफल रहे, उक्त 4 वाहन को ताराटांड पुलिस स्टेशन में रखा गया। उक्त सभी वाहन क्षमता से अधिक वजन लेकर आवागमन कार्य कर रही थी। उन वाहनो पर मोटर वाहन अधिनियम की धारा के अन्तर्गत कारवाई करते हुए जुर्माना वसूला गया है। साथ ही डुमरी के समीप भी दो वाहनो को ओवरहाइट के कारण सुसंगत धाराओं में जुर्माना वसूला गया। इस जिला परिवहन पदाधिकारी, श्री संतोष कुमार ने कहा कि उपायुक्त के निर्देश के आलोक में जिले में नियम विरुद्ध गैर जिम्मेदाराना ढंग से संचालित वाहनों पर कारवाई लगातार जारी रहेगी। उल्लेखनीय है कि सितंबर माह में 7,54,300 रुपये का जुर्माना लगाया गया था।

धर्मेन्द्र यादव बने जिला युवा राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष

बधाईयों का लगा तांता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। राष्ट्रीय यादव सेना के पूर्व जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र यादव को गिरिडीह जिले के युवा राजद के जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है।

इस आशय की जानकारी राजद जिला अध्यक्ष इरफान आलम ने दी। उन्होंने बताया कि युवा राजद के प्रदेश अध्यक्ष रंजन प्रसाद यादव ने सभी जिलों के जिला अध्यक्ष की सूची जारी कर दी है। जिसमें गिरिडीह से धर्मेंद्र यादव का नाम शामिल है।

धर्मेंद्र यादव को युवा राजद का जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर प्रदेश अध्यक्ष रंजन प्रसाद यादव को दिल से आभार प्रकट किया। नव निर्वाचित जिला अध्यक्ष को बधाई देने वालों में राजद जिला अध्यक्ष इरफान आलम, किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष गिरेंद्र प्रसाद यादव , महिला प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्षा रश्मि प्रकाश, प्रदेश उपाध्यक्ष अनीता यादव, पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू,प्रदेश सचिव इनामुल हक, जिला सचिव अतुल कुमार चौधरी, जिला महासचिव नन्द किशोर यादव, वरिष्ठ नेता राजकुमार यादव,जिला उपाध्यक्ष रामकिशुन यादव, जमुआ विधान सभा क्षेत्र से सुखदेव हाजरा, जमुआ राजद प्रखण्ड अध्यक्ष ललन यादव, महिला प्रकोष्ठ जिला अध्यक्षा सुनीता देवी, देवरी प्रखण्ड अध्यक्ष रामकिशुन हाजरा , तिसरी प्रखण्ड अध्यक्ष सत्यनारायण यादव, गांवा प्रखण्ड अध्यक्ष लखन प्रसाद यादव, सहित सभी प्रखण्ड के अध्यक्ष, सचिव सहित सभी लोगों ने युवा राजद के नव निर्वाचित जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी देने पर निश्चित रूप से युवाओं का कारवां सांगठनिक ताकतों के लिए मजबूती प्रदान करने में सफल साबित होगा।

बालू संकट से लोग हो रहे हलकान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर। घाटों से बालू के उठाव पर राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) की रोक आगामी 15 अक्टूबर को भले ही समाप्त हो रही है, लेकिन इसके बाद पलामू जिले में बालू संकट दूर होने की संभावना अभी दूर-दूर तक नजर नहीं आ रही है।

दरअसल, राज्य सरकार की नई नीति के तहत बालू घाटों का संचालन निजी हाथों में सौपा जाना है। बालू संकट को दूर करने के लिए कई जिलों में तो ई-टेंडर की प्रक्रिया को पूरा भी कर लिया है।

दूसरी ओर, पलामू जिले के विभिन्न बालू घाटों के लिए एक भी आवेदन नहीं आए है, अब इसके लिए ई. निविदा दाखिल करने की अंतिम तिथि 6 अक्टूबर को ही समाप्त हो गई है।

बता दे कि पूर्व में बालू घाटों के लिए पांच वर्षों के लिए ई-नीलामी के पहले चरण की अंतिम तिथि 15 सितंबर निर्धारित की गई थी। लेकिन इसमें एक भी बीडर आगे नहीं आए थे। इसके बाद खान निदेशालय ने न्यूतम सुरक्षित जमा राशि में भारी कमी कर नये सिरे से नीलामी की प्रक्रिया शुरू कर दी थी।

इसके लिए टेंडर आवेदन दाखिल करने के लिए 23 सितंबर से 6 अक्टूबर व नीलामी की तिथि 11 अक्टूबर तय कर दिया गया था। यहीं नहीं पहले जहां घाटों में बालू की उपलब्धता पर न्यूतम सुरक्षित जमा राशि निर्धारित किया गया था, वहीं अब घाटों में उत्खनन के लिए उपलब्ध बालू के डिपोजिट के आधार पर अर्नेस्ट मनी निर्धारित किया गया है।

इससे एक ओर समूहों में बालू घाटों की भी वृद्धि तो हुई साथ ही सुरक्षित राशि 13 करोड़ से कम होकर करीब तीन से चार करोड़ तक पहुंच गए। विभाग को लगा था छोटे-छोटे घाटों की उपलब्धता से भी नये बीडर नीलामी के लिए आगे आएंगे।

नव निर्माण छठपूजा समिति ने की छठ पूजा की तैयारी को ले बैठक

पदाधिकारी नियुक्त कर दी गयी जिम्मेदारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। ग्राम पंचायत लेदा में नव निर्माण छठपूजा समिति की बैठक आगामी छठ पूजा की तैयारी को लेकर की गई। उक्त बैठक की अध्यक्षता सुनील कुमार गोस्वामी ने की। इस बैठक में छठ पूजा के कार्यक्रम से संबंधी सभी प्रकार की तैयारी के लिए प्रभारी नियुक्त किया गया। इस वर्ष का पूजा प्रभारी छोटेलाल साव तथा सह प्रभारी राजेश कुमार यादव को नियुक्त किया गया। वही पूजा समिति का सचिव मनोज मंडल को नियुक्त किया गया जबकि सफाई प्रभारी के रूप में अनिल साव को नियुक्त किया।

इस मौके पर समिति के संयोजक तथा स्थाई सचिव सुनील गोस्वामी ने अपने स्वेच्छा से पद का त्याग पत्र दिया जिसे बाद में वरीय निर्णायक सदस्यों में शामिल किया गया। गोस्वामी, के अलावा निर्णायक सदस्यों में राजेश सिंह (वर्तमान टिकेट), मनोहर राम, नरेश साव, धर्मेंद्र मंडल को रखा गया। ज्ञातव्य हो की लेदा में पिछले सौ सालों से छठ पूजा की प्रतिमा स्थापित कर पूजा की जाती है, तथा भव्य पंडाल भी लगाई जाती हैं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया जाता है। इस

पूजा में सभी दस पंचायतों के प्रतिनिधि शामिल होते आ रहे हैं।

मालूम हो कि पिछले साल,माननीय, विधायक गांडेय विधानसभा कल्पना मुर्मू सोरेन खुद आकर सूर्य भगवान को अर्ध समर्पित किए थे। तथा भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार मुनिया देवी आ कर भंडारा में शामिल हुई। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष अवधेश कुमार यादव ने कहा कि पूजा में भारी संख्या में लोगों की भीड़ रहती है, तथा, कार्यक्रम भी आयोजित किया जाता रहा है। इस बैठक में सुनील गोस्वामी, अवधेश कुमार यादव, छोटेलाल साव , मनोज मंडल, अनिल साव, मनोहर राम, नरेश साव राजेश यादव, छोटी यादव महेंद्र शर्मा, प्रदीप ठाकुर, पंकज वर्मा इत्यादि लोग शामिल थे।

आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को ले कार्यशाला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। भाजपा जिला कार्यालय में गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत पर कार्यशाला का एक आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में धनबाद विधायक राज सिन्हा के अलावे प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुरेश साहू, प्रदेश मंत्री दिलीप वर्मा, पूर्व विधायक जयप्रकाश वर्मा, पूर्व मेयर प्रकाश सेठ, जिप अध्यक्षा मुनिया देवी, चिंतामणि वर्मा भी शामिल हुए इस मौके पर कार्यशाला को संबोधित करते हुए धनबाद विधायक राज सिन्हा ने कहा कि पीएम मोदी ने आत्मनिर्भर भारत के लिए स्वदेसी वस्तुओं के इस्तेमाल पर बल दिया और धीरे धीरे इसे देश की जनता भी मान रही है। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का लक्ष्य साल 2047 तक भारत को विकसित देश बनाना है।

दो आदिवासी चचेरी नाबालिग बहनों के साथ सामूहिक दुष्कर्म

एक आरोपित गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रंका । रंका थाना क्षेत्र के एक गांव की दो आदिवासी चचेरी नाबालिग बहनों के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। नगरी गांव के आमाटांड़ टोले के तीन युवकों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म किए जाने की घटना प्रकाश में आई है।

इस बाबत दोनों पीड़िता की मां के बयान पर तीनों आरोपित युवकों के विरुद्ध रंका थाने में नामजद प्राथमिक दर्ज कराई गई है। जिसके आलोक में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। शेष आरोपित फरार बताए जाते हैं। घटना दशहरा के समय की बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार दोनों नाबालिग बहनें अपनी एक अन्य दोस्त तथा इसके पुरुष रिश्तेदार के साथ चिनियां थाना क्षेत्र के रणपुरा में दशहरा मेला देखकर देर रात अपने घर उसकी मोटरसाइकिल से वापस घर लौट रही थी।

रास्ते में मोटरसाइकिल पंचर हो जाने के क्रम में सभी लोग पैदल गाड़ी लेकर अपने घर जा रहे थे।

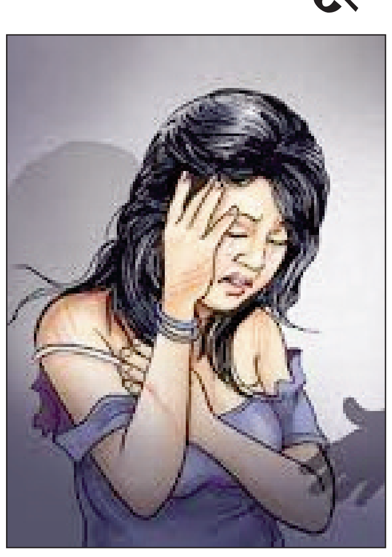

इसी बीच आमाटांड़ टोले के तीन युवक क्रमशः मंदिश यादव, शंकर यादव एवं ओम प्रकाश यादव एक काले रंग के स्कॉर्पियो से उतरे तथा दोनों नाबालिग बहनों सहित इनके साथ रही दोस्त जिसकी सगाई हो चुकी थी, उनके साथ छेड़छाड़ करने लगे।

इसके बाद आरोपितों ने रात का समय एवं सुनसान इलाका होने के वजह से दोनों पीड़िता की बालिग दोस्त तथा उसके पुरुष मित्र को छोड़ दिया। इसके बाद तीनों आरोपितों ने दोनों नाबालिग बहनों के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया।

इसके बाद घटना की जानकारी किसी को नहीं देने अन्यथा जान से मारने की धमकी देकर तीनों आरोपित वहां से फरार हो गए। बाद में दोनों बहनों ने घर जाकर स्वजन को आपबीती घटना की जानकारी दी। इसके बाद उक्त आरोपितों के विरुद्ध रंका थाना में नामजद प्राथमिक कराई गई है।

रंका थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करने के तत्काल बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपित शंकर यादव को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। साथ ही शेष आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार संभावित इलाके में छापेमारी कर रही है।

40वीं नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मनीष दिखायेंगे हौसला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। तिसरी प्रखंड के मनीष यादव भुनेश्वर, उड़ीसा में आयोजित एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग लेंगे। जिसे उपायुक्त ने शुभकामनाएं देते हुए उनके जज्बे, हौसले और दृढ़ संकल्प की सराहना की। ज्ञात हो कि एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया,नई दिल्ली एवं उड़ीसा एथलेटिक्स संघ द्वारा 10 से 14 अक्टूबर तक कलिंगा स्टेडियम, भुवनेश्वर में 40वीं नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। इस चैंपियनशिप में गिरिडीह जिले के तिसरी प्रखंड के मनीष यादव को झारखंड राज्य टीम में शामिल किया गया है। प्रतियोगिता में पूरे देश के सभी राज्यों के 2100 एथलीटों के बीच बालक अंडर 20 वर्ष आयु में मनीष यादव 400 मीटर एवं मिक्स रिले दौड़ के लिए अपना शत-प्रतिशत योगदान देंगे। इसके पूर्व मनीष यादव ने 22 से 24 सितंबर तक रांची में आयोजित 400 मीटर में रजत पदक एवं मिक्स रिले में स्वर्ण पदक जीत चुके हैं।

वर्तमान में मनीष यादव प्राइवेट एके-डमी बंगलौर में अभ्यास करते हैं। साथ ही पूर्व में राष्ट्रीय स्तर पर कई प्रतियोगिताओं में राज्य के सभी पदक जीत चुके हैं।

उपायुक्त, रामनिवास यादव ने मनीष यादव को जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग लेने हेतु शुभकामनाएं दी और उनके जज्बे, हौसले और दृढ़ संकल्प की सराहना की। उपायुक्त ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि इस चैंपियनशिप में आप पूरी मेहनत और समर्पण का परिचय देंगे, खेलों में आपकी समावेशिता और उत्कृष्टता हमारे प्रयासों को और सशक्त बनाएगी।₹

CMYK

नवबिहार टाइम्स
बोकारो, शनिवार 11 अक्टूबर 2025

लीज पर कॉमिक्स देने वाले ने
खड़ी कर दी 8,885 करोड़ की कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। एक ग्लोबल इंजीनियरिंग सर्विसेज प्रोवाइडर कंपनी है जिसका हेडक्वार्टर सिंगापुर में है। इस कंपनी में 21 हजार से अधिक लोग काम करते हैं जिनमें से 15,000 भारत में हैं। दुनिया भर के 17 देशों में इसके 83 सेंटर है। मार्च 2025 में समाप्त हुए वर्ष में इसका रेवेन्यू .1 बिलियन यानी करीब 8,885 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी के ग्राहकों में रोल्स रॉयस, जीई, प्रैट एंड व्हिटनी, एयरबस, ब्रिटिश पेट्रोलियम, एएमडी, रेनेसास, माइक्रोसॉफ्ट और क्वालकॉम शामिल हैं। इसकी स्थापना कर्नाटक के एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाली अजीत प्रभु ने की थी। अजीत का बचपन उत्तरी कर्नाटक के एक छोटे से शहर हुबली में बीता। वह एक साधारण परिवार से आते हैं। 1980 के दशक में कॉमिक्स मनोरंजन का एक जरिया हुआ करती थीं लेकिन अजीत के पास उन्हें खरीदने के लिए पैसे नहीं थे। उन्होंने एक ऐसी तरकीब निकाली की पैसा भी ज्यादा न देना पड़े और कॉमिक्स भी पढ़ने को मिल जाए। वह दुकान पर ही कॉमिक पढ़ते और इसके लिए 25 पैसे देते। दुकान मालिक की एक ही शर्त थी कि कॉमिक को सही सलामत वापस करना होगा। फिर वह कॉमिक्स को घर ले जाकर अपने दोस्तों को किराए पर देने लगे। इस तरह अजीत ने थोड़े पैसे जमा करने शुरू कर दिए और कॉमिक्स का एक कलेक्शन भी बना लिया। यूनिवर्सिटी में उनका फोकस टीचिंग या रिसर्च असिस्टेंटशिप खोजने पर था जो उनके कोर्स का भुगतान कर सकें। उन्हें मिली पहली नौकरी यूनिवर्सिटी के बुकस्टोर में मिली। उनका काम गोदाम से किताबें लाने और उन्हें स्टोर में ठीक से रखने करने में मदद करना था। बाद में उन्हें माइनोरिटी स्टूडेंट्स को को गणित पढ़ाने का काम मिला। इस काम से उन्होंने छह महीने में कार खरीदने लायक कमाई भी कर ली थी।

जीई ने बदली सोच

अजीत के जीवन अहम बदलाव उस समय आया जब उनके माता-पिता ने अमेरिका आने की इच्छा व्यक्त की। अजीत को उन्हें लाने के लिए 5,000 जुटाने की आवश्यकता थी। एक प्रोफेसर ने उन्हें जनरल इलेक्ट्रिक कॉर्पोरेट आर एंड डी में नौकरी करने की सलाह दी। जीई में उन्हें 58,000 के वेतन पर इंजीनियर की नौकरी मिल गई। अजीत अपना बिजनेस करना चाहते थे और साल 1997 में उन्होंने अरविंद मेल्लीगेरी के साथ क्वेस्ट ग्लोबल की स्थापना की। एनालिस्ट क्वेस्ट को एक इंजीनियरिंग आर एंड डी सर्विस कंपनी कहते हैं।

साधारण पृष्ठभूमि

अजीत के पिता हुबली में वकील थे। अजीत ने कन्नड़ माध्यम के सरकारी स्कूल में पढ़ाई की। वह मैथ्स और फिजिक्स में अच्छे थे जिससे उन्होंने एक इंजीनियरिंग कॉलेज में मैकेनिकल इंजीनियरिंग में दाखिला मिल गया। इसके बाद उन्होंने अमेरिका के ओल्ड डोमिनियन यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की। एसबीआई से लोन लेकर उनके अमेरिका जाने के टिकट का इंतजाम किया गया और जेब में 60 के साथ वह अमेरिका रवाना हो गए। अमेरिका में उनकी पहली रात पूरी तरह से हवाई अड्डे के टर्मिनल में बीती। आया और उन्हें अमेरिकी पे-फोन सिस्टम के काम करने का तरीका नहीं पता था।

9 दिन में चांदी में 12,500 रुपये उछली, सोने से तेज चांदी की रफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। चांदी की कीमत राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में गुरुवार को 6,000 रुपये की तेजी के साथ 1,63,000 रुपये प्रति किलोग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। चांदी में एक सप्ताह के भीतर दूसरी बार इतना तेज उछाल आया है। छह अक्टूबर को यह 7,400 रुपये चढ़कर 1,57,400 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई थी। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, बुधवार को कारोबार के अंत में चांदी की कीमत 1,57,000 रुपये प्रति किलोग्राम रही। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि भू-राजनीतिक, आर्थिक अनिश्चितताओं और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती के अनुमान के बीच वैश्विक बाजार में सुरक्षित निवेश के रूप में चांदी की खरीद बढ़ी है। इसके चलते इसकी कीमतों में लगातार उछाल आ रहा है। स्थानीय सर्राफा बाजार में, 99.9 प्रतिशत और 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना बृहस्पतिवार को अपने ऑल टाइम हाई लेवल क्रमश: 1,26,600 रुपये और 1,26,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर अपरिवर्तित रहा। वैश्विक स्तर पर, हाजिर सोना मामूली गिरावट के साथ 4,039.26 डॉलर प्रति औंस पर जबकि चांदी एक प्रतिशत से अधिक बढ़कर 49.67 डॉलर प्रति औंस के उच्च स्तर पर पहुंच गई। चांदी की कीमतों में भी इस साल 75 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी हो चुकी है। दिसंबर 2024 के अंत में इसके भाव 89,700 रुपये प्रति किलोग्राम पर थे, जो अब उछलकर 1,63,000 रुपये प्रति किलो (सभी करों सहित) के नए उच्च स्तर पर पहुंच गए हैं। यह चांदी का बीते कई दशकों में सबसे शानदार प्रदर्शन है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी चांदी के दाम लगातार चमक रहे हैं।

एक्स-बोनस ट्रेड कर रही है कंपनी, मिलेंगे 1 पर 1 शेयर फ्री

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले एक साल में निवेशकों को मालामाल करने वाली कंपनी नर्मदा मैकप्लास्ट ड्रिप इरिगेशन सिस्टम्स लिमिटेड के शेयर आज एक्स-बोनस ट्रेड कर रहे हैं। कंपनी के शेयरों में शुक्रवार को अपर सर्किट लगा है। बता दें, 2025 में कंपनी में पोजीशनल निवेशकों को 100 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है। एक्सचेंज को दी जानकारी में नर्मदा मैकप्लास्ट ड्रिप इरिगेशन सिस्टम्स लिमिटेड ने बताया है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर एक शेयर बोनस दिया जाएगा। इस बोनस इश्यू के लिए कंपनी ने 10 अक्टूबर 2025 यानी आज की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। जिन निवेशकों का नाम कंपनी के रिकॉर्ड बुक में आज रहेगा उन्हें बोनस शेयर का लाभ मिलेगा। इस कंपनी के शेयरों का बंटवारा भी प्रस्तावित है। कंपनी शेयर बाजार में अगले हफ्ते एक्स-स्प्लिट ट्रेड करेगी। एक्सचेंज को मिली जानकारी के अनुसार 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 5 हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 2 रुपये प्रति शेयर हो जाएगा। नर्मदा मैकप्लास्ट ड्रिप इरिगेशन सिस्टम्स लिमिटेड ने 17 अक्टूबर 2025 की तारीख को रिकॉर्ड डेट घोषित किया है। गुरुवार को यह स्टॉक बीएसई में 246.35 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। आज एक्स-बोनस ट्रेड करने की वजह से यह स्टॉक 128.50 रुपये पर खुला। लेकिन अपर सर्किट लगते ही कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 129.35 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। बीएसई के डाटा के अनुसार कंपनी के शेयरों की कीमतों में 2025 में 154 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, एक साल में कंपनी के शेयरों का भाव 488 प्रतिशत बढ़ा है।

ट्रंप के करीबी ने भी माना इंडियन इकॉनमी का लोहा, पार्टनरशिप के लिए बढ़ाया हाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रही इकॉनमी है और अमेरिका के करीबी देश ब्रिटेन ने भी इसका लोहा मान लिया है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने गुरुवार को कहा कि भारत वर्ष 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है और ब्रिटेन इस सफर में साझेदार बनने के लिए उपयुक्त स्थिति में है। स्टार्मर ने मुंबई में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौता ब्रिटेन को प्रौद्योगिकी, जीवन विज्ञान, नवीकरणीय ऊर्जा और अन्य क्षेत्रों में नेतृत्व बढ़ाने का अवसर देगा।

उन्होंने कहा कि दोनों देश 'ब्रिटेन-भारत प्रौद्योगिकी सुरक्षा पहल' को भी गहरा कर रहे हैं। बुधवार को एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ मुंबई पहुंचे स्टार्मर ने कहा कि उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ रूस-यूक्रेन संघर्ष पर भी चर्चा की और दोनों देशों ने इस संघर्ष को समाप्त करने के लिए साझा दृष्टिकोण अपनाया। दोनों देशों ने 2030 तक आपसी व्यापार को 100 अरब डॉलर पहुंचाने का लक्ष्य रखा है जो अभी 56 अरब डॉलर है। भारत अभी अमेरिका, चीन और जर्मनी के बाद दुनिया की चौथी सबसे बड़ी इकॉनमी है। माना जा रहा है कि अगले कुछ साल में भारत जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी बड़ी इकॉनमी बन जाएगा। स्नश्वह्ड्डद्ध के मुताबिक जर्मनी की इकॉनमी अभी 4.74 ट्रिलियन है जबकि भारत की 4.19 ट्रिलियन है। इस साल जर्मनी की इकॉनमी में 0.1 फीसदी गिरावट आने की संभावना है जबकि भारतीय इकॉनमी के 6.2 फीसदी ग्रोथ से बढ़ने का अनुमान है।

एचडीएफसी बैंक और अटल पेंशन योजना से जुड़ी दो खबरें आपके लिए बेहद जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। अटल पेंशन योजना का नया रजिस्ट्रेशन फॉर्म जारी हो चुका है। इसमें कई बदलाव किए गए हैं। अब पुराने फॉर्म से रजिस्ट्रेशन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। अटल पेंशन योजना में सबसे अहम बदलाव यह है कि एफएटीसीए/सीआरएस की घोषणा अब अनिवार्य कर दी गई है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कोई उपभोक्ता विदेशी नागरिक तो नहीं है। इस बदलाव से यह सुनिश्चित होगा कि एपीवाई खाते सिर्फ भारत में रहने वाले नागरिक ही खोल सकें। इसके अलावा फीस संरचना में भी बदलाव किया गया है। सरकारी क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए इलेक्ट्रॉनिक पीआरएएन किट 18 रुपये और फिजिकल कार्ड 40 रुपये में उपलब्ध होगा, जबकि वार्षिक रखरखाव शुल्क 100 रुपये होगा। एपीवाई और एनपीएस-लाइट खाता खुलवाने और रखरखाव की फीस 15 रुपये रखी गई है। निजी क्षेत्र में एएमसी 100 रुपये से लेकर 500 रुपये तक तय की गई है, जबकि सभी लेन-देन पर शुल्क माफ रहेगा। अटल पेंशन योजना 2015 में शुरू हुई थी और इसका उद्देश्य कामगारों को 60 वर्ष की उम्र के बाद 1,000 से 5,000 रुपये मासिक पेंशन प्रदान करना है। इसके लिए उम्र 18 से 40 साल के बीची में होनी चाहिए।

एप्पल, गूगल के बाद अब मेटा करेगी भारत में बड़ा निवेश

440000000 की डील फाइनल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की अर्थव्यवस्था को मृत बताने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब आंखें खोलकर देख लें। उनके ही देश की बड़ी-बड़ी कंपनियां भारत की अर्थव्यवस्था का लोहा मान रही हैं और यहां जमकर निवेश कर रहा हैं। एप्पल और गूगल के बाद अब मेटा भी भारत में बड़ा निवेश करने जा रही है। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार इसके लिए उनसे 5 मिलियन डॉलर (करीब 44 करोड़ रुपये) की डील फाइनल की है। मेटा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसी कंपनियों की मालिक है।

मेटा भारत में एक बड़ा अंडरसी केबल प्रोजेक्ट शुरू कर रहा है। इस प्रोजेक्ट का नाम वाटरवर्थ है। यह अरबों डॉलर का प्रोजेक्ट है। इस प्रोजेक्ट के लिए मुंबई और विशाखापत्तनम को लैंडिंग साइट्स (जहां केबल

जमीन पर उतरेगा) के तौर पर चुना गया है। इस प्रोजेक्ट के लिए मेटा ने भारत में सिफी टेक्नोलॉजीज को अपना लैंडिंग पार्टनर बनाया है। यह डील करीब 5 मिलियन डॉलर की बताई जा रही है। खास बात यह है कि गूगल भी अपने 400 मिलियन डॉलर के ब्लू-रमन सबसी केबल के लिए सिफी टेक्नोलॉजीज के साथ ही पार्टनरशिप कर रहा है।

डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में बढ़ती दिलचस्पी

मेटा और गूगल जैसी बड़ी टेक कंपनियों का भारत में इस तरह का निवेश, देश के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में उनकी बढ़ती दिलचस्पी को दिखाता है। यह इस बात का भी संकेत है कि दुनिया भर में डेटा कनेक्टिविटी के मामले में भारत का महत्व लगातार बढ़ रहा है। पिछले तीन सालों में भारत के सबसी केबल (समुद्र के नीचे बिछाए जाने वाले केबल) के क्षेत्र में बहुत बड़ी क्षमता जुड़ी है। सिर्फ मेटा और गूगल ही नहीं, बल्कि रिलायंस जियो और भारती एयरटेल जैसी भारतीय टेलीकॉम कंपनियां भी इस क्षेत्र में भारी निवेश कर रही हैं। वे भारत में बढ़ती डेटा की मांग का फायदा उठाना चाहती हैं। कैलिफोर्निया की कंपनी ओपनकेबल्स इंक के फाउंडर सुनील टैगारे का मानना है कि मेटा का यह केबल सिस्टम अगले 5 से 10 सालों में करीब 10 अरब डॉलर का निवेश हो सकता है। उन्होंने बताया कि इसमें सिर्फ केबल बिछाने का खर्च 2 अरब डॉलर होगा।

केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है... केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा

- कैसे बढ़ी किसानों की इनकम
- पर्यावरण संरक्षण और मूल्य आधारित सामाजिक व्यवस्था के साथ-साथ चलना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के परिवर्तनकारी नेतृत्व में भारत 2027 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की तरफ बढ़ रहा है। राष्ट्रीय राजधानी में भारत मंडपम में पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के 120वें वार्षिक सत्र को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है। इसे पर्यावरण संरक्षण और मूल्य आधारित सामाजिक व्यवस्था के साथ-साथ चलना चाहिए।

गडकरी ने कहा कि बीते 11 वर्षों में भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर में बड़ा बदलाव आया है और यह जापान को पछाड़कर दुनिया में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। साल 2014 में भारत 7वें स्थान पर था। उन्होंने कहा, अब 22 लाख करोड़ रुपये से अधिक के टर्नओवर के

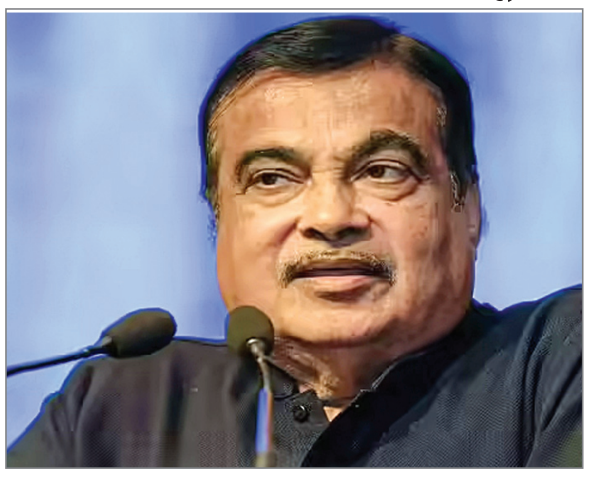

साथ भारत तेजी से दुनिया का ऑटोमोबाइल हब बन रहा है और बायोफ्यूल, इथेनॉल, मेथनॉल, बायोडीजल, एलएनजी और हाइड्रोजन में तेजी से प्रगति कर रहा है।

इस दौरान उन्होंने सरकार द्वारा कृषि में किए जा रहे वैल्यू एडिशन के बारे में भी चर्चा की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मक्के से इथेनॉल उत्पादन की अनुमति देने से न केवल किसानों की आय बढ़ी है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिला है। मक्के से इथेनॉल उत्पादन को मंजूरी देने से उत्तर प्रदेश और बिहार में किसानों की आय में काफी वृद्धि हुई है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था के 45,000 करोड़ रुपये से अधिक का फायदा हुआ है। इसी कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारत की लगभग 46 आबादी कृषि क्षेत्र में कार्यरत है और सरकार का ध्यान खाद्य उत्पादन तथा किसान कल्याण में आत्मनिर्भरता पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा को किसानों की समृद्धि के साथ-साथ चलना चाहिए। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारे किसान न केवल देश का पेट भरें, बल्कि सम्मान और स्थिरता के साथ कमाई भी करें। उन्होंने प्रति हेक्टेयर उत्पादकता बढ़ाने, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के माध्यम से बीजों की गुणवत्ता को बेहतर बनाने और छोटे तथा सीमांत किसानों को सशक्त बनाने के लिए मशीनीकरण में तेजी लाने की आवश्यकता पर जोर दिया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश का लक्ष्य खाद्य सुरक्षा से आगे बढ़कर कृषि के सभी पहलुओं में पोषण सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को भी शामिल करना चाहिए।

आईपीओ से पैसा जुटाने में भारत चौथे स्थान पर
निवेशकों को मिला औसतन 22 रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी।
घरेलू शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव के बावजूद आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये पैसा जुटाने के मामले में भारत दुनिया में चौथे स्थान पर है। बर्नस्टीन के विश्लेषण के मुताबिक, कैलेंडर वर्ष 2025 में भारतीय कंपनियों ने आईपीओ के जरिये 14.2 अरब डॉलर की राशि जुटाई।

अमेरिका 52.9 अरब डॉलर के साथ इस सूची में शीर्ष पर है। हांगकांग 23.4 अरब डॉलर के साथ दूसरे और चीन 16.2 अरब डॉलर के साथ चौथे स्थान पर है। विश्लेषण के मुताबिक, रुपये के संदर्भ में कैलेंडर वर्ष 2025 में प्राथमिक बाजार में 74 भारतीय कंपनियों ने आईपीओ से 85,241.08 करोड़ रुपये जुटाए हैं। यह पिछले पांच वर्षों में प्राथमिक बाजार से जुटाई गई तीसरी सबसे बड़ी राशि है। इसमें 30,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए खुले तीन बड़े आईपीओ बीवर्क इंडिया, टाटा कैपिटल और एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया शामिल नहीं हैं। इससे पहले 2024 में 91 आईपीओ से 1,59,783.76 करोड़ और 2021 में 63 इश्यू से 1,18,723.17 करोड़ रुपये की रकम जुटाई गई थी।

निवेशकों को मिला औसतन 22 फीसदी रिटर्न जनवरी, 2024 से अब तक यानी 21 महीने में भारत में 161 कंपनियों के आईपीओ सूचीबद्ध हुए। इन शेयरों ने निवेशकों को औसतन 22 फीसदी का

रिटर्न दिया है, जो बड़े बाजार सूचकांकों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन है। इन शेयरों ने पिछली सात तिमाहियों में से पांच में निफ्टी के रिटर्न को पीछे छोड़ दिया है। 161 में से 61 फीसदी शेयरों ने छह महीने में निफ्टी सूचकांक के मुकाबले निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है।विश्लेषण के मुताबिक, छोटे आकार के आईपीओ ने लिस्टिंग पर निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है। दो करोड़ डॉलर से कम के आकार वाले आईपीओ ने करीब 40 फीसदी का रिटर्न दिया है। दो से चार करोड़ डॉलर के इश्यू ने लिस्टिंग पर निवेशकों को 31 फीसदी का मुनाफा दिया है। एक अरब डॉलर से अधिक के आईपीओ सबसे कम सफल रहे है, जिन्होंने औसतन 9 फीसदी का रिटर्न दिया है।

जीएसटी कटौती से शहरी परिवारों ने त्योहारों में जमकर की खरीदारी; सीएमआईई की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, एजेंसी।
जीएसटी दरों में कटौती, महंगाई के मोर्चे पर राहत और आय वृद्धि की वजह से शहरी उपभोक्ताओं की खरीद धारणा में सितंबर, 2025 में तेजी देखने को मिली है। इसका असर यह हुआ कि शहरी इलाकों में रहने वाले परिवारों ने नवरात्र में एयर कंडीशनर (एसी), टीवी और कारों की जमकर खरीदारी की है।

भारतीय उत्पादों पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने से पैदा तनाव के कारण शहरी उपभोक्ताओं ने अगस्त, 2025 में खरीदारी टाल दी थी। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) की रिपोर्ट के मुताबिक, शहरी परिवारों की भावनाएं बेहतर होने से उपभोक्ता धारणा सूचकांक (आईसीएस) सितंबर में 2.1 फीसदी बढ़ गया। अगस्त में इसमें 1.8 फीसदी की

गिरावट आई थी। इसके साथ ही, एसी, टीवी, फ्रिज एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के साथ कार और दोपहिया वाहन खरीदने के लिए अच्छा समय मानने वाले शहरी परिवारों का अनुपात सितंबर में बढ़कर 40.1 फीसदी के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। अगस्त में यह 35 फीसदी था। आने वाले वर्षों में आय बेहतर होने की उम्मीद करने वाले शहरी परिवारों का अनुपात सितंबर में बढ़कर रिकॉर्ड 46 फीसदी पहुंच गया। यह लगातार चौथा महीना है, जब भविष्य में आय वृद्धि को लेकर शहरी परिवारों में आशावाद बढ़ा है। पिछले छह महीनों में शहरी परिवारों ने एक साल पहले की तुलना में अपनी वित्तीय स्थिति को लेकर लगातार भरोसा हासिल किया है। हालांकि, अगस्त तक उनकी खरीदारी की मंशा में यह मजबूती नहीं दिख रही थी।

सीएमआईई के मुताबिक, 42.1 फीसदी शहरी परिवारों का मानना है कि एक साल पहले की तुलना में उनकी कमाई बढ़ी है। इससे उनकी वर्तमान आर्थिक स्थिति सूचकांक (आईसीसी) में अगस्त के 1.5 फीसदी की गिरावट के मुकाबले सितंबर में 1.9 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। शहरी आर्थिक स्थिति सूचकांक में मार्च, 2025 से लगातार वृद्धि देखी जा रही है।

खरीद-बिक्री के लिहाज से शानदार त्योहारी सीजनत्न रिपोर्ट में कहा गया है कि एसी, टीवी, कार और दोपहिया वाहन जैसे उत्पादों पर हाल ही में जीएसटी दरों में की गई कटौती ने सितंबर में खरीदारी की धारणा को बढ़ावा दिया है। माहंगाई में कमी, आयकर छूट और कम ब्याज दरों ने भी शहरी भारत में जगमगाते उत्सव के माहौल का आधार तैयार कर दिया है। ऐसे में सितंबर में शहरी उपभोक्ताओं की भावनाओं में देखी गई शानदार वृद्धि यह संकेत है कि खरीद-बिक्री के लिहाज से मौजूदा त्योहारी सीजन काफी अच्छा रहने वाला है।

एकता कपूर ने अभिनेताओं से सार्वजनिक रूप से मांगी माफी

टीवी इंडस्ट्री की क्वीन एकता कपूर ने एक वीडियो जारी करते हुए उन सभी अभिनेताओं से सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है, जिनकी उन्होंने वर्षों से आलोचना की है। इसकी वजह भी सामने आ गई है। टेलीविजन और फिल्म निर्माता एकता कपूर ने इंस्टाग्राम स्टोरी सेक्शन पर एक वीडियो अपलोड किया। इसमें एकता कहती हैं, विज्ञापनों में अपने हालिया विवाद के बाद मैं उन सभी अभिनेताओं से सार्वजनिक रूप से माफी मांगना चाहती हूं, जिनसे मैंने कहा था, आपका अभिनय उम्मीद के मुताबिक नहीं था। मुझे सच में खेद है। दरअसल, हाल ही में एकता कपूर कई तरह के उत्पादों के विज्ञापनों में नजर आई थीं। इनमें एक विज्ञापन में उन्होंने दावा किया था, 'मैंने दुनिया को के-ड्रामा दिया', जो उनके मशहूर टीवी सीरियल्स 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी', 'कहानी घर घर की', 'कुसुम' और 'पवित्र रिश्ता' की तरफ इशारा था।

इनमें से कुछ में वह कहती दिखी थीं, कुछ कलाकार तो ऐसे थे, जो एक्टिंग तक नहीं करना जानते थे। इसके चलते एकता कपूर की खूब आलोचना हुई थी। हालांकि, यह विज्ञापन अब सोशल मीडिया से हटा लिया गया है, लेकिन खुद की किरकिरी होते देख एकता कपूर ने सार्वजनिक तौर पर माफी मांग ली।

दूसरी तरफ एकता कपूर की फिल्म 'कटहल' को हाल ही में 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के दौरान सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म के रूप में सम्मानित किया गया था। इस फिल्म को गुनीत मोंगा और एकता कपूर ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म में सान्या मल्होत्रा, अनंत जोशी, विजय राज और राजपाल यादव जैसे सितारे हैं। इस फिल्म को यशोवर्धन मिश्रा ने डायरेक्ट किया है। फिल्म की कहानी अशोक मिश्रा ने लिखी है। राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल करने के बाद एकता कपूर ने एक पोस्ट में लिखा था, राष्ट्रीय पुरस्कार और कटहल की जीत का जश्न मनाना बालाजी की पूरी टीम के लिए एक जादुई पल है। यह कहानी प्रामाणिक, अनोखे भारतीय आख्यानों पर प्रकाश डालने के लिए रची गई थी और आज की मान्यता इस सफर को अविस्मरणीय बनाती है।

वेटरन एक्ट्रेस परवीन बॉबी की बायोपिक सीरीज में दिखेंगी तृप्ति

तृप्ति डिमरी के पास इन दिनों कई प्रोजेक्ट्स हैं। इस बीच अब उनके नए प्रोजेक्ट को लेकर दिलचस्प खबर सामने आ रही है। तृप्ति के हाथ एक और बड़ा प्रोजेक्ट लगा है। तृप्ति को एक बायोग्राफिकल सीरीज में वेटरन एक्ट्रेस परवीन बॉबी की भूमिका निभाने के लिए चुना गया है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि इस नेटफ्लिक्स सीरीज का निर्माण जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है, जिसमें द स्काई इज पिंक की निर्देशक शोनाली बोस इस प्रोजेक्ट का निर्देशन करेंगी। एक सूत्र ने बताया कि तृप्ति की डेट्स तय हो गई हैं। निर्देशक शोनाली बोस और उनकी टीम इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू करने के लिए तेजी से आगे बढ़ रही हैं। बता दें कि तृप्ति के पास आने वाले समय में कई रोमांचक फिल्में हैं। उन्होंने अपने बहुमुखी अभिनय से खुद को एक स्टार के रूप में साबित किया है और अब वह एक बार फिर ओटीटी स्पेस में अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार हैं। इस बायोपिक के अलावा तृप्ति, विशाल भारद्वाज की अगली फिल्म का भी हिस्सा हैं, जिसमें वह शाहिद कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। इसे साजिद नाडियाडवाला द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। इस बायोपिक के अलावा तृप्ति, विशाल भारद्वाज की अगली फिल्म का भी हिस्सा हैं

कृति शेट्टी ने अब्दी-अब्दी के लिए सीखा बेली डांस

अभिनेत्री कृति शेट्टी बहुत जल्द दक्षिण भारतीय फिल्मों के अभिनेता के साथ फिल्म जीनी में दिखाई देंगी। इसका गाना अब्दी अब्दी बहुत जल्द रिलीज होगा। इस गाने के लिए खासतौर पर उन्होंने बेली डांस सीखा। कृति शेट्टी ने बताया कि इस गाने की तैयारी के लिए उन्हें अपने बिजी शेड्यूल से वक्त निकालना काफी मुश्किल रहा, फिर भी वह इसकी प्रैक्टिस के लिए जाती थीं। इस गाने में कल्याणी भी हैं, दोनों फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। गाने के रिलीज होने से पहले इनका बेली डांस करते हुए एक वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

इस गाने के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा, जब मुझे फिल्म में बेली डांस के बारे में पता चला, तो मैं बेहद खुश हुई, क्योंकि जैसा कि हम जानते हैं, जीनी एक मध्य पूर्व का विचार है, जो अरेबियन नाइट्स की कहानियों में देखा गया है। इसलिए फिल्म में बेली डांस का होना पूरी तरह से फिट बैठता है। यह मुझे बेली डांस की दुनिया तक ले गया, और मैं व्यक्तिगत रूप से बहुत उत्साहित थी, क्योंकि मुझे डांस करना पसंद है और इसने मुझे एक नया डांस फॉर्म सीखने का शानदार मौका दिया। उन्होंने बताया, मेरे लिए यह सीखना थोड़ा मुश्किल हो गया क्योंकि मैं चेन्नई में अपनी तीन तमिल फिल्मों की लगातार शूटिंग कर रही थी। मुझे अभ्यास करने का मौका केवल तभी मिलता था जब मैं मुंबई वापस आती थी और डांस क्लासेज में जाकर इसे सीखती थी। मैं वास्तव में वहां कुछ घंटे बिताती थी और इसमें काफी समय लगता था। खैर, मुझे नई चीजें सीखना बहुत पसंद है। यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत मजेदार था।

कृति ने यह भी बताया कि बेली डांस सीखना कोई आसान काम नहीं था, लेकिन पूरी लगन के साथ इसकी तैया में उन्होंने खुद को झोंक दिया। इस दौरान कमर को एक विशेष प्रकार से मूव करना सबसे कठिन रहा। बताया जा रहा है कि इस गाने में बेमिसाल कोरियोग्राफी, शानदार दृश्य और एक आकर्षक धुन है।

रॉकेटशिप से ईशा कोप्पिकर की वापसी

ईशा कोप्पिकर की अगली फिल्म, रॉकेटशिप, का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर आखिरकार लॉन्च हो गया है, जो दर्शकों को एक भावनात्मक रूप से भरपूर सिनेमाई अनुभव की पहली झलक देता है। निर्माता हरमन राय सहगल ने सोशल मीडिया पर ट्रेलर को एक भावुक कैप्शन के साथ साझा किया है जो फिल्म के सार को बखूबी दर्शाता है- हर सपने को चाहिए एक सहारा, हर सफर को चाहिए प्यार। व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल की इस प्रस्तुति में ईशा कोप्पिकर एक ऐसे किरदार के साथ पर्दे पर वापसी कर रही हैं। जिसमें वे एक ऐसी भूमिका निभा रही हैं जो अपनी बेटी के सपनों को साकार करने में समर्थन करने वाली एक माँ के रूप में उनके अभिनय कौशल को दर्शाता है। ईशा कोप्पिकर, जिन्होंने सालों से अपनी खूबसूरती, शालीनता और अभिनय प्रतिभा से दर्शकों के दिलों पर राज किया है, अब रॉकेटशिप में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभा रही हैं जो दर्शकों के दिल को छूने और भावनाओं की गहराइयों में ले जाने का वादा करती है। यह प्रोजेक्ट खास इसलिए भी है क्योंकि यह अनुभवी प्रतिभाओं और उभरते हुए फिल्म निर्माताओं – खासकर सुभाष घई की प्रतिष्ठित व्हिस्लिंग वुड्स इंटरनेशनल अकादमी के छात्रों – के बीच एक सुंदर सहयोग का प्रतीक है। ईशा का इस डिप्लोमा प्रोजेक्ट में हिस्सा लेने का फ़ैसला इस बात को दर्शाता है कि वह नए टैलेंट को बढ़ावा देने के लिए कितनी प्रतिबद्ध हैं, और किस तरह वो इन छात्रों की संघर्षपूर्ण यात्रा से खुद को जुड़ा हुआ महसूस करती हैं।रॉकेटशिप का ट्रेलर सोशल मीडिया पर आते ही खूब चर्चा बटोर रहा है। दर्शक इसके संवेदनशील विषयवस्तु और ईशा की दमदार भूमिका की जमकर सराहना कर रहे हैं।

इंडस्ट्री की दोस्ती सिर्फ पार्टी तक सीमित हैं सिर्फ शाहरुख खान अपवाद हैं

फिल्म निर्माता-निर्देशक करण जौहर पर अक्सर स्टारकिड्स को लॉन्च करने और नेपोटिज्म को बढ़ावा देने के आरोप लगते हैं। इसे लेकर उन्हें कई बार आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। मगर, करण जौहर ने इंडस्ट्री में गुट बनानकर काम करने जैसे आइडिया को खारिज कर दिया। उन्होंने हाल ही में इंडस्ट्री की दोस्तियों पर बात की। उन्होंने कहा कि फिल्मी दोस्ती सिर्फ पार्टियों तक सीमित होती हैं। फाइनेंस के मामले में लोग समझौता करने को तैयार नहीं होते।

मैं भी काम करने के लिए हूं, दान के लिए नहीं

करण जौहर का कहना है कि इंडस्ट्री में दोस्ती के नाम पर एक्टर्स सिर्फ पार्टियों तक सीमित रहते हैं। बाकी बिजनेस के मामले में सब अपना फायदा देखते हैं। कोई भी अभिनेता यह नहीं कहता, मेरी पिछली दो फिल्में नहीं चलीं, इसलिए मैं आपके पैसे लौटा रहा हूं। फिल्में न चलने पर किसी को भी पैसे लौटाने में कोई दिलचस्पी नहीं होती, वे बस आपसे लेते हैं। करण जौहर ने कहा, दोस्ती से मुझे अपनी प्रोफेशनल लाइफ में कभी कोई फायदा नहीं हुआ। अभिनेता पार्टियों में अच्छे और प्यारे लोग होते हैं, लेकिन वे सब काम के इरादे से काम करते हैं। मैं भी इस इंडस्ट्री में काम के लिए हूं, दान के लिए नहीं।

शाहरुख खान के साथ अलग रिश्ता

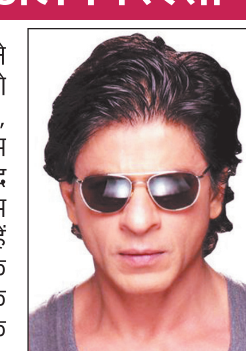

करण जौहर ने शाहरुख खान को लेकर कहा, शाहरुख खान इस मामले में अपवाद हैं। वे एकदम अलग हैं। मैं उन्हें एक दोस्त, एक इंसान, एक सहयोगी और एक भाई के तौर पर बहुत मानता हूं। वे इकलौते इंसान हैं, जिन्होंने मुझसे या मेरे पिता (निर्माता यश जौहर) से पैसों को लेकर कभी बात नहीं की। वो कहते थे, जो भी हो, पेपर्स भेज दो, मैं साइन कर दूंगा। जब मैं एक निर्देशक के तौर पर उनसे बात करता हूं, तो वो स्क्रिप्ट भी नहीं सुनते। मुझे बस उनके पास जाकर कहना होता है, मैं एक फिल्म डायरेक्ट कर रहा हूं और मुझे ये डेट्स चाहिए। हमारे बीच पैसा कभी चर्चा का विषय नहीं रहा। उनके अलावा, हर दूसरे एक्टर के साथ मेरा रिश्ता पूरी तरह से प्रोफेशनल रहा है और मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं है।

जो हूं, अपने दम पर हूं और भाई शाहिद को भी इस पर नाज है

दुनिया भर के प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल से लेकर ऑस्कर की ऑफिशियल एंट्री तक अपने अभिनय की गूंज पहुंचाने वाले एक्टर ईशान खट्टर ने अपने करियर का आगाज भले सिनेमा के जीनियस कहलाने वाले अनुराग कश्यप सरीखे फिल्मकार के असिस्टेंट के रूप में किया हो, मगर उनकी मंजिल हमेशा से एक्टिंग ही थी। यही वजह है, चाहे वो माजिद मजीदी की बियॉन्ड द क्लाउड्स रही हो या फिर धड़क, ईशान ने अपना सिक्का जमाया। इंटरनैशनल वेब सीरीज परफैक्ट कपल में भी वे एक अहम रोल में पसंद किए गए।

ग्लोबल स्टेज पर प्यारा और अच्छा काम करना जरूरी है

ईशान खट्टर की शुरुआती फिल्म बियॉन्ड द क्लाउड्स ईरानी फिल्मकार द्वारा निर्देशित थी, जिसे कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल्स में सराहना मिली थी। होमबाउंड की विश्व विख्यात ख्याति के साथ-साथ उन्होंने इंटरनैशनल वेब सीरीज में भी लोकप्रियता पाई। ग्लोबल स्टेज पर अपने अपने प्रतिनिधित्व के बारे में वे वे कहते हैं, मैं खुद को बहुत ही खुशकिस्मत मानता हूं। हॉलिवुड के इस शो में मेरी केंद्रीय भूमिका थी। जब मुझे इस शो के ऑडिशन का मौका मिला था, तब अपनी भूमिका को पढ़कर मैं भी बहुत खुश था, क्योंकि आम तौर पर हॉलिवुड में साउथ एशियन एक्टर्स को एक ही तरह की भूमिकाएं देकर टाइपकास्ट कर दिया जाता है साउथ एशियन एक्टर्स के प्रति एक आम नजरिया क्या होता है, मगर जब यह शो आया और इसमें मेरे किरदार को सराहना मिली, तब अहसास हुआ कि री प्रेजेंटेशन कितना जरूरी है।

मैंने और विशाल ने अपनी असुरक्षाएं खोल कर रख दीं

होमबाउंड में ईशान की भूमिका मोहम्मद शोएब अली को देखने के बाद दर्शक स्वयं अपने भीतर टूट-फूट महसूस करने लगता है। अपने मानसिक हाल पर ईशान कहते हैं, कुछ फिल्में फिल्मों से बढ़कर होती हैं। निर्देशक नीरज घेवान ने पहले ही साफ कर दिया था कि हम ये रोल निभाएं नहीं बल्कि उसे जिएं। किरदार को जीने के लिए उसकी तह में जाना जरूरी था और इसके लिए ये समझना भी भी आवश्यक था कि हमारी जिंदगी में आइडेंटिटी का मोल क्या है? जातिगत भेदभाव क्या है? इस किरदार के लिए हमारा एंट्री पॉइंट जुबान थी। जुबान हमारा कल्चर होता है। हमने तीन महीने डायलेक पर काम किया। हमने बाराबंकी के लिए एक ट्रिप ली। हमने वहां गांव के लोगों से मिलकर उनके सुख-दुख जाने। इसमें दोनों दोस्तों शोएब और चंदन (विशाल जेठवा) की दोस्ती केंद्र में है, तो हम एक -दूसरे के सामने वल्नरेबल बने, हमने अपनी असुरक्षाएं खोल कर रख दीं। वो रोल के लिए एक बड़ा हथियार साबित हुआ।

अपनी डायवर्सिटी को खोना नहीं है

फिल्म में ईशान खट्टर का किरदार शोएब जातिगत भेदभाव का शिकार होता है। असल जिंदगी में ईशान गंगा-जमुनी तहजीब से ताल्लुक रखते हैं (उनकी मां नीलिमा अजीम और पिता राजेश खट्टर) हैं, तो क्या कभी निजी जिंदगी में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से उन्होंने उस डिस्क्रिमिनेशन का सामना किया? इस पर ईशान कहते हैं, मेरे लिए गंगा-जमुनी तहजीब बहुत बड़ी चीज है। मैंने हमेशा इस बात पर बहुत गर्व किया है कि हम डायवर्सिटी से आते हैं। ये हमारे लिए बहुत खूबसूरत चीज है। हमें वो चीज खोनी नहीं चाहिए, क्योंकि वो हमारी ताकत है।

भाई शाहिद कपूर से तुलना किए जाने पर मुझे ऐतराज नहीं

फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखने और शाहिद कपूर जैसे स्टार के भाई होने के नाते आरंभिक दिनों में ईशान को तुलना का शिकार होना पड़ता था। तो क्या अब विश्व पटल पर आने के बाद कंपेरिजन बंद हो गया है? इस सवाल पर वे कहते हैं, मैंने इस बात से कभी कोई ऐतराज नहीं किया है। वो मेरे बड़े भाई हैं और मुझसे 15 साल बड़े हैं, मैं उन्हें देख कर बड़ा हुआ हूं और मैंने उन्हीं से प्रेरणा ली है।

मुझे इस बात से कोई आपत्ति नहीं कि हमारी तुलना होती है। वो तो होगी ही. मुझे अपनी सचाई पता है। मैं हमेशा से अपने बलबूते पर काम करना चाहता था। मैं बहुत खुशनसीब हूं, मुझे ऐसे मौके मिले, मैंने मेहनत की और आज मैं जो करना चाहता था, जहां होना चाहता था, अपने दम पर हूं।

कास्परोव ने आनंद पर शुरुआती बढ़त बनाई

तीसरी बाजी में भारत के दिग्गज शतरंज खिलाड़ी को हराया

सेंट लुइस, एजेंसी। शतरंज के इतिहास के संभवतः सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी कास्परोव ने 62 साल की उम्र में दिखाया कि 21 साल पहले संन्यास लेने के बावजूद उनमें अब भी काफी शतरंज बचा है। आनंद को भी मौके मिले लेकिन वह उनका फायदा उठाने में नाकाम रहे। भारत के दिग्गज शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद को क्लच शतरंज टूर्नामेंट की तीसरी बाजी में गैरी कास्परोव से हार का सामना करना पड़ा। इस तरह महान खिलाड़ियों के बीच खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में कास्परोव ने 2.5-1.5 की बढ़त बना ली। शतरंज के इतिहास के संभवतः सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी कास्परोव ने 62 साल की उम्र में दिखाया कि 21

साल पहले संन्यास लेने के बावजूद उनमें अब भी काफी शतरंज बचा है। आनंद को भी मौके मिले लेकिन वह उनका फायदा उठाने में नाकाम रहे। शतरंज 960 प्रारूप के तहत रोजाना दो रैपिड और दो ब्लिट्ज मुकाबले होने हैं। दिन की शुरुआती दो बाजी ड्रॉ रहीं जिसके बाद कास्परोव ने तीसरी बाजी में आनंद को हराया। आनंद के पास बाजी को ड्रॉ कराने का मौका था लेकिन वह चूक गए। पहली बाजी में भी आनंद का पलड़ा भारी था, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने सहज गलतियां करके दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी कास्परोव को वापसी करके बाजी ड्रॉ कराने का मौका दे दिया। दोनों खिलाड़ियों के बीच दूसरी और चौथी बाजी भी ड्रॉ रही।

रणजी ट्रॉफी

दिल्ली ने किया टीम का ऐलान, बडोनी करेंगे कप्तानी, नीतीश राणा की वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली ने हैदराबाद के खिलाफ 15 अक्टूबर से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी क्रिकेट मैच के लिए शुक्रवार को 24 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिसमें आयुष बडोनी को कप्तान और यश ढुल को उपकप्तान नियुक्त किया गया है।
दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ की चयन समिति ने नितीश राणा को भी टीम में शामिल किया है। राणा

उत्तर प्रदेश के साथ कुछ समय तक खेलने के बाद दिल्ली की टीम में वापस आ गए हैं। ष्षष्ट सचिव अशोक शर्मा ने बताया, 'चयनकर्ताओं ने 24 खिलाड़ियों को इसलिए चुना है क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे प्रत्येक मैच में चयन के लिए एक बड़ा पूल हमेशा उपलब्ध रहता है। जब हम दिल्ली में घरेलू मैच खेलेंगे, तो हम इसे घटाकर 15 कर देंगे। राणा की वापसी पर शर्मा ने कहा, 'वह एक अनुभवी खिलाड़ी हैं और चयनकर्ता उन्हें परखना चाहते थे। अगले मैच में हम ऋषभ पंत के खेलने की उम्मीद कर रहे हैं। बैठक में चयनकर्ता यशपाल सिंह, के भास्कर पिल्लई और मनु नायर के साथ-साथ मुख्य कोच सरनदीप सिंह, सीएसी सदस्य सुरिंदर खन्ना और डीडीसीए के अधिकारी अशोक शर्मा (सचिव) और अमित ग्रोवर (संयुक्त सचिव) भी शामिल हुए।

दिल्ली टीमः

आयुष बडोनी (कप्तान), यश ढुल (उप-कप्तान), अर्पित राणा, सनत सांगवान, अनुज रावत (विकेटकीपर), सुमित माथुर, शिवम शर्मा, रौनक वाघेला, नवदीप सैनी, सिमरजीत सिंह, मनी ग्रेवाल, सिद्धांत शर्मा, ध्रुव कौशिक, प्रणव राजवंशी (विकेटकीपर), नीतीश राणा, हिम्मत सिंह, आयुष दोसेजा, राहुल डागर, रितिक शौकीन, प्रियांश आर्य, तेजस्वी (विकेटकीपर), वैभव कांडपाल, रोहन राणा, आर्यन राणा (फिटनेस हासिल करने पर)।

फीफा 2026 विश्व कप क्वालीफायर

स्कॉटलैंड, नीदरलैंड्स और डेनमार्क का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। फीफा 2026 विश्व कप क्वालीफायर में स्कॉटलैंड ने ग्रीस पर 3-1 से शानदार जीत दर्ज करते हुए अपनी संभावनाओं को मजबूत किया है। वहीं, नीदरलैंड्स, डेनमार्क और ऑस्ट्रिया ने अपने प्रदर्शन से फैंस को प्रभावित किया। ग्रुप-सी के मुकाबले में हैम्पडेन पार्क में अपने पिछले दौरे में 3-0 से जीत हासिल करने वाली ग्रीस की टीम ने इस मैच में भी शानदार शुरुआत की। कोस्टास सिमिकास ने 62वें मिनट में गोल करते हुए ग्रीस को 1-0 से बढ़त दिलाई। हालांकि, ग्रीस की खुशी ज्यादा देर तक नहीं टिक पाई। स्कॉटलैंड की ओर से रयान क्रिस्टी ने दो मिनट बाद (64वें मिनट) ही नजदीकी रेंज से गोल दागा। लुईस फर्ग्यूसन ने 80वें मिनट में गोल करते हुए स्कॉटलैंड को 2-1 से बढ़त दिला दी। ग्रुप-सी के एक अन्य मैच में रासमस होजलुंड ने दो गोल दागकर डेनमार्क को हंगरी के खिलाफ 6-0 से जीत दिलाई। इसी के साथ जर्मनी ग्रुप में शीर्ष पर है, जबकि स्कॉटलैंड, ग्रीस और बेलारूस क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे पायदान पर मौजूद हैं। ग्रुप-जी में नीदरलैंड्स ने माल्टा को 4-0 से हराया। इस मुकाबले में कोडी गाकपो ने 12वें और 48वें मिनट में गोल दागे। विपक्षी टीम एक अदद गोल के लिए तरसती रह गई। नीदरलैंड की टीम इस ग्रुप में शीर्ष पर है। ग्रुप-एच में ऑस्ट्रिया ने सैन मैरिनो पर 10-0 से बड़ी जीत दर्ज की। इस मुकाबले में मार्को अर्नौटोविक ने चार (8वें मिनट, 47वें मिनट, 83वें और 84वें मिनट) गोल दागे।

डब्ल्यूपीएल में पहली बार मेगा ऑक्शन

5 प्लेयर्स रिटेन होंगेःहर फ्रेंचाइजी के पास 15 करोड़ का बजट, राइट-टु-मैच कार्ड भी मिलेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। विमेंस प्रीमियर लीग में पहली बार मेगा ऑक्शन होगा। ऑक्शन से पहले फ्रेंचाइजी टीमें 5 प्लेयर्स को रिटेन कर सकेंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, खिलाड़ियों को रिटेन करने की आखिरी तारिख 5 नवंबर है, जिसकी जानकारी टीमों को दे दी गई है। जबकि ऑक्शन की प्रक्रिया 25 से 29 नवंबर के बीच हो सकती है। गुरुवार को डब्ल्यूपीएल ने सभी फ्रेंचाइजी को एक ईमेल भेजे।

इसमें कहा कि हर टीम ज्यादा से ज्यादा तीन कैप्ड भारतीय, दो विदेशी और दो अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी रिटेन कर सकती है। अगर कोई फ्रेंचाइजी पांच खिलाड़ियों को रिटेन करती है, तो उनमें कम से कम एक अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी होना अनिवार्य है। हर फ्रेंचाइजी के पास 15 करोड़ रुपए का बजट ऑक्शन के लिए हर फ्रेंचाइजी के पास 15 करोड़ रुपए का पर्स है। वहीं, रिटेंशन स्लैब्स के लिए गाइडलाइन भी जारी की हैं। अगर कोई फ्रेंचाइजी पांच खिलाड़ियों को रिटेन करती है, तो उसकी पर्स से 9.25 करोड़ रुपए काटे जाएंगे। चार खिलाड़ियों के लिए 8.75 करोड़ रुपए, तीन के लिए 7.75 करोड़ रुपए, दो के लिए 6 करोड़ रुपए और एक के लिए 3.5 करोड़ रुपए घटाए जाएंगे।

शिवम दुबे का तूफानी शो

● 62 गेंदों में शतक, एक ओवर में जड़े 4 छक्के

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ऑलराउंडर शिवम दुबे इन दिनों जबरदस्त फॉर्म में हैं. एशिया कप में भारत को खिताबी जीत दिलाने के बाद अब उन्होंने घरेलू क्रिकेट में भी बल्ले से कहर बरपा दिया है. पुणे में खेले गए मुंबई और महाराष्ट्र के बीच प्रैक्टिस मैच में दुबे ने ऐसा तूफानी प्रदर्शन किया कि गेंदबाजों के होश उड़ गए.

62 गेंदों में शतक, 9 छक्के और 5 चौके

मुंबई की ओर से खेलते हुए शिवम दुबे ने सिर्फ 62 गेंदों पर शतक ठोक दिया. उनकी पारी में 9 छक्के और 5 चौके शामिल रहे. जिस अंदाज में उन्होंने बल्लेबाजी की, विपक्षी टीम पूरी तरह बैकफुट पर आ गई. सबसे खास पल तब आया जब उन्होंने बाएं हाथ के स्पिनर हितेश वालुंज के एक ही ओवर में लगातार चार छक्के जड़ दिए. दुबे उस वक्त क्रीज पर आए जब मुंबई की टीम शुरुआती दो विकेट गंवाकर दबाव में थी. कप्तान हार्दिक तामोरे भी 24 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गए थे. ऐसे में दुबे ने मोर्चा संभाला और 160 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए.

पृथ्वी शॉ ने जड़ा 181 रन, लेकिन विवाद में फंसे

इस मुकाबले में महाराष्ट्र की ओर से पृथ्वी शॉ ने भी बल्ले से आग उगली और शानदार 181 रन बनाए. हालांकि उनकी यह पारी बाद में विवादों में घिर गई. दरअसल, मैच के दौरान उनका झगड़ा मुंबई के खिलाड़ी मुशीर खान (सरफराज खान के छोटे भाई) से हो गया. जानकारी के मुताबिक, पृथ्वी शॉ आउट होने के बाद गुस्से में आ गए और उन्होंने मुशीर की ओर बैट उठाकर दौड़ लगा दी. मैदान पर माहौल गरम हो गया और दोनों खिलाड़ियों के बीच बहस बढ़ने लगी. अंपायर और टीम मैनेजमेंट ने बीच-बचाव कर किसी तरह मामला शांत कराया. इस घटना की जांच अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर दिलीप वेंगसरकर को सौंपी गई है.

रणजी से पहले मिला चेतावनी का संदेश

रणजी ट्रॉफी शुरू होने से पहले खेला गया यह तीन दिवसीय अभ्यास मैच कई मायनों में चर्चा में रहा. एक तरफ शिवम दुबे की तूफानी बल्लेबाजी ने सभी का ध्यान खींचा, तो दूसरी ओर पृथ्वी शॉ के आक्रामक रवैये ने निराश किया. शिवम का ये फॉर्म भारतीय टीम के लिए बड़ा संकेत है कि ये ऑलराउंडर आने वाले सीजन में भी मैच जिताऊ खिलाड़ी साबित हो सकते हैं.

यशस्वी जयसवाल ने टेस्ट में ठोका सातवां शतक

शुभमन गिल और रवि शास्त्री का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल ने शुक्रवार को दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में अपने टेस्ट करियर का सातवां टेस्ट शतक लगाया। इस शतक के साथ उन्होंने

शुभमन गिल और रवि शास्त्री का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया है जबकि एलेस्टेयर कुक और जावेद मियांदाद की एलीट लिस्ट में शामिल हो गए हैं। यहां यशस्वी ने खारी पियरे की पहली गेंद पर दो रन लेकर अपना सातवां शतक पूरा किया। उन्होंने 145 गेंदों में 16 चौके लगाते हुए अपना शतक बनाया। जायसवाल का सातवां टेस्ट शतक 24 साल की उम्र से पहले आया, केवल तीन खिलाड़ियों ने इससे अधिक शतक बनाए है। इस उम्र में ऑस्ट्रेलिया के डॉन ब्रैडमैन ने (12) शतक, सचिन तेंदुलकर ने (11) शतक, और गारफील्ड सोबर्स ने (9) शतक बनाने वालों में है। अब वह जावेद मियांदाद, ग्रीम स्मिथ, एलेस्टियर कुक और केन विलियमसन के साथ सात-सात शतक लगाने वाले क्लब में शामिल हो गए है।

23 की उम्र में सबसे ज़्यादा टेस्ट शतक

- 12 – डोनाल्ड ब्रैडमैन (ऑस्ट्रेलिया), 26 पारियों में
- 11 – सचिन तेंदुलकर (भारत), 80 पारियों में
- 9 – गैरी सोबर्स (वेस्टइंडीज), 54 पारियों में
- 7 – यशस्वी जायसवाल (भारत), एलेस्टेयर कुक (इंग्लैंड), जावेद मियांदाद (पाकिस्तान), ग्रीम स्मिथ (दक्षिण अफ्रीका), केन विलियमसन (न्यूज़ीलैंड)

इस उम्र में भारत के लिए सबसे ज़्यादा शतक

- 22 – सचिन तेंदुलकर (220 पारियां)
- 15 – विराट कोहली (119 पारियां)
- 8 – यशस्वी जायसवाल (71 पारियां)*
- 7 – रवि शास्त्री (110 पारी)
- 7 – शुभमन गिल (73 पारी)

बज गया आईपीएल 2026 का बिगुल

दिसंबर के दूसरे हफ्ते में नीलामी की संभावना, 15 नवंबर तक तय करनी होगी रिटेंशन लिस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की नीलामी दिसंबर 2025 के दूसरे या तीसरे हफ्ते में होने की संभावना है। अभी इसकी संभावित तारीखें 13 से 15 दिसंबर बताई जा रही हैं। सूत्रों के अनुसार, फ्रेंचाइजी पदाधिकारियों ने बीसीसीआई से हुई बातचीत में इन तारीखों पर चर्चा की है। हालांकि, लीग की गवर्निंग काउंसिल ने अब तक शेड्यूल पर अंतिम फैसला नहीं लिया है।

- **इस बार नीलामी भारत में होने की उम्मीद–** रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) इस बार नीलामी भारत में कराने के मूड में है। फ्रेंचाइजियों का भी यही मानना है कि मिनी ऑक्शन देश में ही हो। पिछले दो साल नीलामी विदेश (2023 में दुबई और 2024 में सऊदी अरब के जेद्दा) में हुई थी।
- **15 नवंबर तक तय करनी होगी रिटेंशन लिस्ट–** फ्रेंचाइजियों के पास खिलाड़ियों की रिटेंशन लिस्ट सौंपने के लिए 15 नवंबर तक का समय है। इस तारीख तक हर टीम को बताना होगा कि किन खिलाड़ियों को रखना है और किन्हें रिलीज करना है। बड़े बदलाव की उम्मीद ज्यादा नहीं है, लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स ऐसी दो टीमें हैं जो पिछले सीजन के खराब प्रदर्शन के बाद बड़ा फेरबदल कर सकती हैं।
- **कैमरन ग्रीन हो सकते हैं सबसे हॉट खिलाड़ी–** इस बार की नीलामी में ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन के सबसे चर्चित रहने की संभावना है। चोट की वजह से वह पिछली नीलामी से बाहर रहे थे, लेकिन इस बार कई टीमें उन्हें अपने पाले में लेने के लिए तैयार हैं।

आईपीएल 2026 से पहले सीएसके में होगा बड़ा बदलाव

इन 5 खिलाड़ियों को रिलीज करेगी पांच बार की चैम्पियन टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स (ष्टस्य) का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था. पांच बार की आईपीएल चैम्पियन टीम सीएसके ने 14 में से केवल 4 मुकाबले जीते थे और वो अंकतालिका में आखिरी स्थान पर रही थी. टीम मैनेजमेंट अब आईपीएल 2026 से पहले बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है. रिपोर्ट के मुताबिक चेन्नई सुपर किंग्स की टीम आईपीएल 2026 के लिए मिनी ऑक्शन से पहले पांच खिलाड़ियों को रिलीज कर सकती है. जिन खिलाड़ियों को टीम से बाहर किया जा सकता है-

उनमें सैम करन (इंग्लैंड), डेवोन कॉन्वे (न्यूजीलैंड), दीपक हुड्डा, विजय शंकर और राहुल त्रिपाठी शामिल हैं. टीम के बेहद खराब प्रदर्शन के चलते इन खिलाड़ियों को रिलीज करने की नौबत आई है. आईपीएल 2025 में ऋतुराज गायकवाड़ की चोट ने भी चेन्नई सुपर किंग्स की मुश्किलों में इजाफा किया था. ऋतुराज के बाहर होने के बाद एमएस धोनी ने टीम की कमान संभाली, लेकिन वो भी टीम की किस्मत नहीं बदल सके. अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा करने की रणनीति इस बार उलटी पड़ गई.

- **इस मामले में फिसड्डी रही सीएसके–** टॉप ऑर्डर के खराब प्रदर्शन ने चेन्नई सुपर किंग्स की मुश्किलें काफी बढ़ाई. डेवोन कॉन्वे, दीपक हुड्डा, विजय शंकर और राहुल त्रिपाठी का फॉर्म लगातार गिरता गया. आईपीएल 2025 में सीएसके के बल्लेबाजों ने 138.29 के स्ट्राइक रेट से 2315 रन बनाए, जो पिछले सीजन में किसी टीम का सबसे कम स्ट्राइक रेट था. इसके अलावा सीएसके ने पावरप्ले में सबसे कम रन (693) बनाए, साथ ही 29 विकेट गंवाए. टीम मैनेजमेंट अब युवा खिलाड़ियों पर भरोसा जताना चाहती है. रिपोर्ट्स के मुताबिक फ्रेंचाइजी का इरादा स्क्वॉड को नए सिरे से बनाने का है।

ऋचा घोष पर भारी पड़ी नादिन डी क्लर्क की पारी, दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 3 विकेट से हराया

विशाखापत्तनम, एजेंसी। महिला विश्व कप 2025 के बेहद अहम मुकाबले में भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम द्वारा दिए 252 रन के लक्ष्य को दक्षिण अफ्रीका ने 48.5 ओवर में 7 विकेट खोकर हासिल कर लिया। 252 का लक्ष्य हासिल करने उतरी दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान लौरा वोल्वार्ट के 111 गेंद पर 70, नादिन डी क्लर्क के 54 गेंद पर नाबाद 84, और क्लो ट्रायोन के 66 गेंद पर 49 रन की पारी की मदद से 48.5 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 252 रन बनाकर मैच जीत लिया।

संक्षिप्त समाचार

फोन में देखा एक्स का फोटो, गुस्से में शख्स ने गर्लफ्रेंड को 12 बार चाकुओं से गोदा

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के कोटला मबारकपुर में मंगलवार रात एक सनसनीखेज हत्याकांड ने इलाके को हिलाकर रख दिया। 26 साल की साक्षी गुरुंग की बेरहमी से हत्या के आरोप में पुलिस ने 25 साल के हिमांशु कुमार को गिरफ्तार किया है। यह युवक, जिसके खिलाफ पहले से चोरी और डकैती के 14 मामले दर्ज हैं, गैंगस्टर संस्कृति का दीवाना बताया जा रहा है। उसका साक्षी के साथ प्रेम संबंध था, लेकिन उसकी हिंसक और कंट्रोल करने वाली प्रवृत्ति ने इस रिश्ते को खूनी अंजाम तक पहुंचा दिया।
प्यार, जलन और खून का खेल पुलिस के मुताबिक, साक्षी और हिमांशु की मुलाकात जुलाई में जोधपुर में हुई थी। साक्षी, जो ओखला में एक कॉल सेंटर में काम करती थीं, वहां काम के सिलसिले में गई थीं। वहीं हिमांशु हरियाणा पुलिस से बचने के लिए वहां छिपा हुआ था। दोनों के बीच जल्द ही प्रेम संबंध बन गए, लेकिन हिमांशु की शक्की और हिंसक प्रवृत्ति ने रिश्ते को जहरीला बना दिया। 7 अक्टूबर की रात को हिमांशु ने साक्षी के फोन में उनके पुराने प्रेमी की तस्वीरें देखीं। बस, यहीं से शुरू हुआ वह तूफान जो साक्षी की जिंदगी को लील गया। गुस्से में आगबबूला हिमांशु ने साक्षी पर चाकू से ताबड़तोड़ 12 से ज्यादा वार किए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

शिक्षा निदेशालय को प्राइवेट स्कूलों की मुनाफाखोरी की जांच का हक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक महतपूर्ण फैसले में कहा कि दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय को यह अधिकार है कि वह निजी स्कूलों की मुनाफाखोरी व व्यावसायीकरण की जांच करे। हाईकोर्ट ने शिक्षा निदेशालय को कहा है कि वह दो निजी स्कूलों के खातों की जांच नए सिरे से करें और तय करें कि स्कूलों द्वारा वसूली जा रही फीस का सही उपयोग हो रहा है या नहीं। चीफ जस्टिस देवेन्द्र कुमार उपाध्याय एवं जस्टिस तुषार राव गेडेला की बेंच ने इस मामले में विशेषतौर पर कहा है कि अब इस आदेश को दोबारा चुनौती न दी जाए। यह मामला वर्ष 2017 से लंबित है। नियमानुसार शिक्षा निदेशालय को निजी स्कूलों के खातों की जांच का अधिकार है। इसे बार-बार चुनौती देकर कोई लाभ नहीं है। इससे समय की बर्बादी होती है। बेंच के समक्ष यह मामला दो निजी स्कूलों के छात्रों के परिजनों की तरफ से उठाया गया था। उनका कहना था कि दिल्ली सरकार के आदेश के बावजूद स्कूल फीस बढ़ाते आ रहे हैं। इस पर सुनवाई के दौरान स्कूल की तरफ से कहा गया कि स्कूल के वह गैर सहायता प्राप्त स्कूल हैं। उन्हें स्कूल का खर्च वहन करने के लिए इस तरह के कदम उठाने पड़ते हैं। स्कूलों का आग्रह नामंजूर = स्कूलों की तरफ से कहा गया कि निदेशालय को कहा जाए कि वह वर्ष 2018 के खातों की जांच ना करें, अन्यथा यह बहुत मुश्किल हो जाएगा। लेकिन खंडपीठ ने कहा कि अभी विषय यह नहीं है। फिलहाल खातों की जांच होने दी जाए। इससे पहले हाईकोर्ट की एकल पीठ ने शिक्षा निदेशालय को निजी स्कूलों के खातों की जांच करने को कहा था। इस पर निजी स्कूलों की तरफ से आपत्ति जताई गई थी।

नसबंदी वाले कुत्तों को एंट्री से रोका, तो भड़क गए डॉग लवर्स

जेएलएन स्टेडियम में भारी बवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में गुरुवार को एक नया विवाद छिड़ गया, जब कथित तौर पर स्टेडियम प्रशासन ने उन आवारा कुत्तों को दोबारा प्रवेश देने से रोक दिया, जिन्हें दो दिन पहले नसबंदी के लिए ले जाया गया था। पशु अधिकार कार्यकर्ताओं ने इसे सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन बताया, जिसमें आवारा जानवरों को उनके मूल स्थान से हटाने पर रोक है। यह हंगामा हाल ही में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान कुत्तों के काटने की घटनाओं के बाद शुरू हुआ। गुरुवार सुबह करीब 7 बजे, दिल्ली नगर निगम की गाड़ियां स्टेडियम के गेट नंबर 10 पर उन कुत्तों को वापस लाईं, जिन्हें नसबंदी और टीकाकरण के लिए लाजपत नगर ले जाया गया था। लेकिन स्टेडियम के गार्ड्स ने इन कुत्तों को अंदर आने से रोक दिया। एनिमल इंडिया ट्रस्ट के नोंगलेंबा, जो इन कुत्तों को लेकर आए थे, ने बताया, गार्ड्स ने कहा कि उन्हें ऊपर से आदेश मिलने तक कुत्तों को प्रवेश नहीं दे सकते। कार्यकर्ताओं का कहना है कि कुत्तों को घंटों गाड़ियों में भूखा-प्यासा इंतजार करना पड़ा, जबकि स्टेडियम प्रशासन से बार-बार अनुरोध किया गया। सुबह 10 बजे के आसपास, पीपल फॉर एनिमल्स की अंबिका शुक्ला और आशेर जेसुदास स्टेडियम

पहुंचे और स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (स्ढ्ढ) के अधिकारियों से मिलने की कोशिश की। लेकिन उन्हें बताया गया कि डीजी और स्ढ्ढ सचिव व्यस्त हैं। शुक्ला ने कहा, मैंने रिसेप्शन पर इंतजार करने की बात कही, लेकिन गार्ड्स ने मुझे जबरन बाहर धकेल दिया। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि कुत्तों को बाहर रखना गैरकानूनी स्थानांतरण है।

नशे में बस ड्राइवर का आतंक, सड़क पर पांच वाहनों को मारी टक्कर

पुलिसकर्मी से की हाथापाई

गुरुग्राम , एजेंसी। गुरुग्राम के सेक्टर 10 खांडसा रोड पर गुरुवार को दोपहर करीब ढाई बजे एक निजी बस चालक ने जमकर उत्पात मचाया। तेज रफ्तार और बेकाबू बस ने एक के बाद एक पांच वाहनों में जोरदार टक्कर मार दी। इनमें तीन कार और दो बाइकों टक्कर मारकर सड़क पर अफरा-तफरी मचा दी। गनीमत रही कि इस भीषण हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन वाहनों को काफी नुकसान पहुंचा और सड़क पर लंबा जाम लग गया।

हादसे के बाद बस ड्राइवर ने मौके से भागने की कोशिश की, लेकिन एक कार के मालिक ने साहस का परिचय देते हुए अपनी जान की परवाह न करते हुए उसका पीछा किया। फिल्मी अंदाज में कार सवार ने अपनी गाड़ी बस के ठीक आगे लगाकर ड्राइवर को भागने से रोक दिया।

बस रुकते ही ड्राइवर ने नीचे उतरकर हंगामा शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि ड्राइवर नशे की हालत में था और उसने वाहन मालिकों के साथ अभद्रता की। तुरंत ही स्थानीय लोगों ने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी।

मौके पर पहुंची ईआरवी (आपातकालीन प्रतिक्रिया वाहन) टीम ने ड्राइवर को हिरासत में लेने की कोशिश की, लेकिन नशे में चूर ड्राइवर ने पुलिसकर्मियों से भी उलझना शुरू कर दिया। उसने पुलिसकर्मियों को धक्का दिया और हाथापाई पर उतर आया। इस पूरी घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ड्राइवर को आखिरकार हिरासत में ले लिया गया है और उसका मेडिकल टेस्ट कराया गया है, जिसमें उसके नशे में होने की पुष्टि हुई है। पुलिस ने बस को जब्त कर लिया है। ड्राइवर के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के साथ हाथापाई करने समेत कई गंभीर

दिल्ली में सड़क पर बने गड्ढे के कारण ट्रक पलटने से एक की मौत; मृतक महिला की हुई पहचान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के द्वारका सेक्टर 3 में सड़क पर बने गड्ढे के कारण 9 अक्टूबर को एक तेज रफ्तार ट्रक पलट गया, जिसकी चपेट में आकर वहां से पैदल गुजर रही एक महिला की मौत हो गई। ट्रक पलटने की वजह से सड़क पर यातायात भी बंद हो गया, जिसके चलते लम्बा जाम लगा गया। हादसे की सूचना मिलने के बाद पहुंची बिंदापुर थाना पुलिस ने ट्रक को उठाकर सड़क के एकतरफ किया और महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी और ट्रक के रजिस्ट्रेशन नम्बर की मदद से पुलिस आरोपी की पहचान करने की कोशिश कर रही है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि मृतक महिला की पहचान 40 वर्षीय रेणू देवी के रूप में हुई है, जो कि अपने परिवार के साथ जेजे कॉलोनी, फेज तीन, द्वारका में रहती थी।

अरावली जंगल सफारी योजना को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा सरकार की 10 हजार एकड़ की अरावली जंगल सफारी पार्क परियोजना को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। भारतीय वन सेवा (आईएफएस) के पांच रिटायर्ड अफसरों और पर्यावरण समूह पीपल फॉर अरावलीज की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि अरावली को व्यावसायिक सफारी नहीं, बल्कि संरक्षण की जरूरत है।

यह याचिका 8 अक्टूबर को चीफ जस्टिस की बेंच के समक्ष सुनवाई के लिए आई थी। अदालत ने हरियाणा सरकार और केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय को नोटिस जारी किया। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने अगली सुनवाई 15 अक्टूबर तक हरियाणा सरकार को परियोजना पर किसी भी प्रकार का कार्य न करने का निर्देश दिया है।

पारिस्थितिकी तंत्र के लिए 'मौत की घंटी'= मुख्य याचिकाकर्ता डॉ. आरपी बलवान (रिटायर्ड आईएफएस अधिकारी) ने कहा कि यह परियोजना गुरुग्राम और नूंह जिलों के नाजुक अरावली पारिस्थितिकी तंत्र के लिए

मौत की घंटी बजाएगी। उन्होंने बताया कि राजस्व बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार इस परियोजना में होटल, रेस्तरां, केबल कार और अन्य स्थायी संरचनाओं का निर्माण शामिल है। इससे बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई होगी। सह-याचिकाकर्ता विनोद भाटिया ने बताया कि यह 10,000 एकड़ क्षेत्र वन्यजीव आवास और कॉरिडोर का हिस्सा है, जो फरीदाबाद के मंगर बानी को दिल्ली के असोला वन्यजीव अभयारण्य से जोड़ता है।

दिल्ली को जल्द मिलेगा अपना इंडिया हैबिटेट सेंटर

यहां बनेगा खास कल्चरल सेंटर

नई दिल्ली, एजेंसी।
पूर्वी दिल्ली के लोगों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। अब शाहदरा के व्यस्त व्यापारिक इलाके में जल्द ही एक ऐसा कल्चरल और सोशल सेंटर बनेगा, जो लोधी रोड के मशहूर इंडिया हैबिटेट सेंटर (आईएचसी) की तर्ज पर होगा। ट्रांस यमुना डेवलपमेंट बोर्ड (टीवाईडीबी) ने इस पुराने प्रस्ताव को फिर से जिंदा करने की ठानी है, जो यमुना के उस पार रहने वाले करीब 60 लाख लोगों के लिए एक नया कल्चरल ठिकाना बनेगा।

पटपड़गंज के पास प्रस्तावित इस केंद्र में कला, संस्कृति, मनोरंजन और सम्मेलन की सुविधाएं एक ही छत के नीचे मिलेंगी। दिल्ली सरकार के एक अधिकारी ने इसे पूर्वी दिल्ली का लैंडमार्क बताते हुए कहा, हमारा लक्ष्य एक ऐसी जगह बनाना है, जो कला, संस्कृति, शिक्षा और मनोरंजन का संगम हो। यह केंद्र न सिर्फ स्थानीय लोगों के लिए, बल्कि बाहर से आने वाले कलाकारों, वक्ताओं और मेहमानों के लिए भी एक आकर्षक जगह होगी।

दिल्ली मास्टर प्लान 2021 के अनुसार, हर 10 लाख की आबादी के लिए एक कल्चरल सेंटर होना चाहिए। अभी तक पूर्वी दिल्ली में केवल लक्ष्मी नगर का पूर्वा कल्चरल सेंटर ही ऐसा स्थान है, जो 2005 से चल रहा है। इस नए केंद्र के बनने से पूर्वी दिल्ली के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी होगी, जो इस तरह की सुविधाओं से वंचित रहे हैं। टीवाईडीबी को 15 साल पहले करीब 400 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। अब बढ़ती आबादी और महंगाई को देखते हुए अगले साल के बजट में 1000-1200 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। इस फंड का बड़ा हिस्सा इस हैबिटेट सेंटर जैसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स के लिए इस्तेमाल होगा। बोर्ड ने पूर्वी दिल्ली के 16 विधानसभा क्षेत्रों के विधायकों से अगले साल के लिए प्रोजेक्ट

प्रस्ताव मांगे हैं, जिसमें शाहदरा का यह कल्चरल सेंटर प्राथमिकता में है।

हाल ही में विधायक अरविंदर सिंह लवली को टीवाईडीबी का अध्यक्ष बनाया गया है। उनके साथ विधायक राज कुमार चौहान को दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड का प्रमुख नियुक्त किया गया है। यह नियुक्तियां शहर के कम विकसित हिस्सों में बुनियादी ढांचे की कमी को दूर करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। यह केंद्र सिर्फ सांस्कृतिक गतिविधियों तक सीमित नहीं रहेगा। यह स्थानीय रोजगार के अवसर पैदा करेगा, पर्यटन को बढ़ावा देगा और सांस्कृतिक आयोजनों, प्रदर्शनियों और सेमिनारों के लिए एक टिकाऊ सार्वजनिक स्थान प्रदान करेगा। यह पूर्वी दिल्ली के लिए एक गेम-चेंजर साबित हो सकता है। प्रस्ताव को अब टीवाईडीबी की आगामी बजट चर्चाओं में शामिल किया जाएगा। अगले कुछ महीनों में विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट और डिज़ाइन प्लान तैयार किए जाएंगे।

जेवर एयरपोर्ट के पास टप्पल में लॉजिस्टिक हब को 2 गांवों में होगा भूमि अधिग्रहण

नई दिल्ली, एजेंसी। जेवर एयरपोर्ट के पास टप्पल में विकसित होने वाले लॉजिस्टिक हब के लिए सर्वे पूरा होने के बाद अब जमीन अधिग्रहण की तैयारी शुरू हो गई है। गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय (जीबीयू) ने स्यारोल और डोरपुरी गांव की 165.67 हेक्टेयर भूमि का सोशल इम्पैक्ट असेसमेंट (एसआईए) पूरा कर ड्राफ्ट यमुना प्राधिकरण और अलीगढ़ जिला प्रशासन को भेज दिया है। जेवर एयरपोर्ट से 15 किलोमीटर दूर विकसित होने वाले लॉजिस्टिक पार्क से करीब 888 परिवार प्रभावित होंगे। प्राधिकरण के अधिकारी ने बताया कि अलीगढ़ के खैर तहसील क्षेत्र के स्यारौल और डोरपुरी गांव में लॉजिस्टिक हब पीपीपी मॉडल के तहत 40 वर्षों की अवधि के लिए डिजाइन, बिल्ड, ऑपरेट, फाइनेंस और ट्रांसफर पद्धति के अनुसार विकसित किया जाएगा। यह परियोजना यमुना प्राधिकरण के मास्टर प्लान 2031 (फेज-2) का हिस्सा है। इसका उद्देश्य दिल्ली-एनसीआर में तेजी से बढ़ रहे वेयरहाउसिंग और कार्गो की मांग को पूरा करना होगा।

रक्षा संबंधों को विस्तार देने को भारत-ऑस्ट्रेलिया ने किए 3 समझौते

आतंकवाद पर राजनाथ सिंह ने दिया कड़ा संदेश

सिडनी , एजेंसी।
भारत और ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को सूचना साझा करने सहित तीन प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके आस्ट्रेलियाई समकक्ष रिचर्ड मार्लेस के बीच कैनबरा में हुई सकारात्मक वार्ता के बाद ये समझौते द्विपक्षीय रक्षा और सैन्य संबंधों को और विस्तार देने के लिए किए गए।

सूचना साझा करने पर समझौते के अलावा दोनों पक्षों ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जो पनडुब्बी खोज में सहयोग और ज्वाइंट स्टाफ वार्ता के लिए एक रूपरेखा तैयार करने पर आधारित होगा। दो दिवसीय यात्रा पर आस्ट्रेलिया गए राजनाथ ने प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और विदेश मंत्री पेनी वोंग

से भी मुलाकात की, और मुख्य रूप से संबंधों को और अधिक गतिशील बनाने पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कैनबरा में आस्ट्रेलियाई युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि भी अर्पित की।

बहरहाल, दोनों रक्षा मंत्रियों ने एक स्वतंत्र, खुले, शांतिपूर्ण और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र को बनाए रखने में मदद के लिए क्षेत्रीय भागीदारों के साथ सहयोग बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया और इस क्षेत्र में नौवहन और उड़ान की स्वतंत्रता तथा निर्बाध व्यापार के लिए अपने मजबूत समर्थन को रेखांकित किया। यह संकल्प रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य आक्रामकता की पृष्ठभूमि में लिया गया है। राजनाथ-मार्लेस बैठक में दोनों पक्षों ने समुद्री सुरक्षा, रक्षा उद्योग सहयोग और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में संयुक्त अनुसंधान सहित व्यापक क्षेत्र में रक्षा सहयोग को गहरा करने के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की। आतंकवाद के खतरे के संबंध में राजनाथ ने भारत के रुख को दोहराया। उन्होंने पाकिस्तान के प्रति भारत की नीति का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा कि आतंक और वार्ता साथ-साथ नहीं चल सकते, आतंक और व्यापार साथ-साथ नहीं चल सकते तथा पानी और खून साथ-साथ नहीं बह सकते। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ एकजुट होने का भी आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि 12 वर्षों में यह पहली बार है जब किसी भारतीय रक्षा मंत्री ने आस्ट्रेलिया का दौरा किया है।

चीन में एक 82 साल की महिला 8 जिंदा मेंढक निगल गई

बीजिंग, एजेंसी। चीन में एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 82 साल की महिला ने 8 जिंदा मेंढक निकल लिए। जब उसके पेट में तेज दर्द उठा तो राज से पर्दा उठा। महिला का कहना है कि पीठ में दर्द से निजात पाने के लिए उसने ऐसा किया था। उसके दावे से डॉक्टर भी हैरान रह गए। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक महिला ने सुना था कि जिंदा मेंढक खाने से पीठ का दर्द ठीक हो जाता है। उसने अपने परिवार के ही किसी सदस्य से जिंदा मेंढक लाने को कहा। हालांकि उसने यह नहीं बताया कि वह मेढक का क्या करेगी। परिवार के लोगों ने मेंढक इकट्ठे करके उसे दे दिए। मेढक भी कोई छोटे-मोटे नहीं बल्कि इनकी लंबाई चौड़ाई हथेली के बराबर थी। महिला ने एक दिन तीन मेंढक निकले और अगले दिन पांच और मेढक निगल लिए। इसके बाद उसके पेट में तेज दर्द शुरू हो गया। महिला के बेटे ने डॉक्टर को बताया, मेरी मां ने आठ जिंदा मेंढक निकल लिए हैं। अब उन्हें इतना दर्द है कि वह चल भी नहीं पा रही हैं। बुजुर्ग महिला को हांगझाउ के अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने बताया कि उसके पाचन तंत्र ने नाम करना बंद कर दिया है। डॉक्टरों ने बताया कि उनके शरीर पर परजीवियों ने हमला कर दिया है। डॉक्टरों को पता चला कि महिला के शरीर में ऑक्सीफिल सेल्स बन गए हैं। एक डॉक्टर ने बताया, महिला के पेट में स्पार्गानम बन गए हैं जो कि एक प्रकार के परजीवी कीड़े होते हैं।

परमाणु ताकत से देंगे जवाब, देश को बनाएंगे समाजवादी स्वर्ग

सियोल, एजेंसी। परमाणु कार्यक्रम को लेकर चल रहे तनाव के बीच उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने एक बार फिर अमेरिका को चेतावनी दी। श्रमिक पार्टी की 80वीं वर्षगांठ पर भाषण देते हुए किम ने कहा कि वे उत्तर कोरिया को दुनिया का सबसे बेहतरीन समाजवादी देश बनाएंगे और परमाणु ताकत से किसी भी खतरे का जवाब देंगे। इस दौरान उन्होंने चीन और रूस जैसे देशों के नेताओं की मौजूदगी में पश्चिमी देशों के खिलाफ गठजोड़ मजबूत करने का संकेत भी दिया। दूसरी ओर उन्होंने अमेरिका से बातचीत की इच्छा भी जताई। अपने भाषण में किम ने कहा कि हमारे देश ने परमाणु हथियार और अर्थव्यवस्था दोनों के विकास की नीति अपनाई है ताकि अमेरिका के बढ़ते परमाणु खतरे का सामना किया जा सके। उन्होंने कहा कि हम अपने विरोधियों के राजनीतिक और सैन्य दबाव का साहसिक जवाब दे रहे हैं। मैं इस देश को समृद्ध और सुंदर बनाकर, दुनिया का सबसे बेहतरीन समाजवादी स्वर्ग बनाऊंगा। बता दें कि किम की श्रमिक पार्टी की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग, रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव और वियतनाम के कम्युनिस्ट पार्टी प्रमुख तो लाम शामिल हुए। किम ने इनमें से कई नेताओं से अलग-अलग मुलाकात कर संबंध मजबूत करने की बात की।

बुर्का पहना तो लगेगा लाखों का जुर्माना, इटली की मेलोनी सरकार लाई बिल

रोम, एजेंसी।
इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की अगुवाई वाली दक्षिणपंथी पार्टी ब्रदर्स ऑफ इटली ने संसद में एक विवादास्पद विधेयक पेश किया है, जो देशभर में सार्वजनिक स्थानों पर बुरका और निकाब जैसे चेहरे को ढकने वाले परिधानों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का प्रावधान करता है। यह कदम इस्लामी अलगाववाद और सांस्कृतिक अलगाव को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है। इसे मेलोनी सरकार ने धार्मिक कट्टरवाद से जोड़ा है। विधेयक के तहत उल्लंघन करने वालों पर 300 से 3,000 यूरो (लगभग 26,000 से 2.6 लाख रुपये) तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

यह विधेयक 8 अक्टूबर को संसद में पेश किया गया, जिसमें स्कूल, विश्वविद्यालय, दुकानें, कार्यालय और

अन्य सभी सार्वजनिक स्थानों पर चेहरे को पूरी तरह ढकने वाले कपड़ों पर रोक लगाने का स्पष्ट उल्लेख है। पार्टी के तीन सांसदों द्वारा पेश इस प्रस्ताव का उद्देश्य धार्मिक कट्टरवाद और धर्म-प्रेरित घृणा का मुकाबला करना बताया गया है। मेलोनी सरकार का दावा है कि यह कदम इटली की सामाजिक एकजुटता को मजबूत करेगा और सांस्कृतिक अलगाव को जड़ से समाप्त करेगा।

इटली में पहले से ही 1975 का एक पुराना कानून मौजूद है, जो सार्वजनिक स्थानों पर चेहरे को पूरी तरह ढकने पर रोक लगाता है, लेकिन यह बुरका या निकाब का स्पष्ट रूप से उल्लेख नहीं करता। मेलोनी की गठबंधन साझेदार लीग पार्टी ने इस साल की शुरुआत में चेहरे को ढकने वाले परिधानों पर सीमित प्रतिबंध वाली विधायी कोशिश की थी, लेकिन अब ब्रदर्स ऑफ इटली ने इसे देशव्यापी स्तर पर विस्तार देने का फैसला किया है। बुरका एक पूर्ण शरीर-ढकने वाला परिधान है, जिसमें आंखों पर जालीदार स्क्रीन जैसा कपड़ा होता है, जबकि निकाब चेहरे को ढकता है लेकिन आंखों के आसपास का हिस्सा खुला रहता है।

मेलोनी सरकार के एक मंत्री ने कहा, यह विधेयक फ्रांस से प्रेरित है, जहां 2011 में बुरका पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया था। हम इटली की पहचान और एकता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। वर्तमान में मेलोनी की गठबंधन सरकार संसद में बहुमत रखती है, इसलिए इस विधेयक के पारित होने की संभावना मजबूत मानी जा रही है, हालांकि औपचारिक बहस की तारीख अभी तय नहीं हुई है। यह विधेयक धार्मिक संगठनों पर वित्तीय पारदर्शिता के नए नियम भी थोपता है, खासकर उन पर जो राष्ट्र के साथ औपचारिक समझौते नहीं रखते। सरकार का कहना है कि इससे मस्जिदों और अन्य इस्लामी संस्थाओं की विदेशी फंडिंग पर निगरानी बढ़ेगी, जो कट्टरवाद को बढ़ावा दे सकती है।

मैट्रिक- इंटर में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्रों को मेडल देकर उपायुक्त ने किया सम्मानित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर-05 स्थित आशा लता केंद्र में शुक्रवार को आयोजित प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम में उपायुक्त अजय नाथ झा ने दिव्यांग बच्चों के साथ घंटों समय बिताया और उनके उत्साह एवं प्रतिभा की सराहना की। कार्यक्रम का वातावरण भावनाओं और अपनत्व से परिपूर्ण था। बच्चों के चेहरों की चमक, उनकी निःस्वार्थ मुस्कान और जीवन के प्रति अटूट लालसा ने सभी उपस्थित लोगों को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा श्री पियूष, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

इनके चेहरे की मुस्कुराहट ने आत्मा को पूर्ण किया: उपायुक्त

कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में उपायुक्त ने कहा कि इन बच्चों के चेहरों पर जो मुस्कुराहट है, वह किसी दया की नहीं, बल्कि उनके साहस, आत्मविश्वास और संकल्प की कहानी कहती है। ईश्वर ने हर व्यक्ति को किसी न किसी विशेषता से नवाजा है, बस हमें उसे पहचानना और सम्मान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज को अपनी सोच बदलनी होगी। दिव्यांगों के प्रति दया नहीं, बल्कि अधिकार और सम्मान की भावना रखनी होगी। कहा कि हम जब इन्हें दया के दृष्टिकोण से देखते हैं, तब हम इनके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाते हैं। ये हमारे समाज का उतना ही सशक्त हिस्सा हैं जितने हम सभी है।

बेहतर प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

इस अवसर पर आशा लता केंद्र में अध्ययनरत बच्चों, जिन्होंने माध्यमिक (मैट्रिक) और उच्च माध्यमिक (इंटर) परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को उपायुक्त द्वारा मेडल और उपहार देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने छात्रों से कहा कि आपकी यह सफलता यह प्रमाण है कि परिस्थितियां कभी बाधा नहीं बनतीं, यदि मन में दृढ़ संकल्प हो। उपायुक्त ने उपस्थित अभिभावकों और शिक्षकों का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया जिन्होंने इन बच्चों को आगे बढ़ाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने अभिभावकों को कहा कि ऐसा नहीं सोचे कि ईश्वर ने आपको सामान्य बच्चे क्यों नहीं दिया। ईश्वर ने आपको परीक्षा के लिए चुना है इ यह चुनौती है। आप सभी को ऐसे बच्चों की सेवा करनी है, उन्हें शिक्षा दिलानी है, आगे बढ़ाना है।

सेवा ही सर्वोच्च मूल्य है, इसे सर्वोपरि रखें

उपायुक्त ने कहा कि हर अधिकारी - संस्था - नागरिक को अपने जीवन में सेवा भाव को सर्वोपरि रखना चाहिए। यदि जीवन में हमें अवसर मिला है, तो उसका सर्वोत्तम उपयोग दूसरों की भलाई में होना चाहिए। सेवा - करुणा और संवेदना ही वह आधार हैं जिनसे पूरा समाज आगे बढ़ता है। ईश्वर ने हमें ऊंचाइयां दी हैं ताकि हम श्रेष्ठ बनें और समाज में सर्वोत्तम कार्य करें। उन्होंने जिला प्रशासन की ओर से आशा लता केंद्र को हर संभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया। कहा कि संचालित स्कूल की मान्यता दिलाने इ दिव्यांगों के लिए कालेज स्थापना को लेकर वह बीएसएल प्रबंधन इ शिक्षा निदेशालय आदि के समक्ष बात रखेंगे और इस दिशा में हर संभाव सकारात्मक पहल उठाएंगें। जिला प्रशासन की प्राथमिकता मानवता से जुड़ी योजनाओं को और सशक्त बनाना है।

पूरे बोकारो की ओर से प्रणाम - जोहार

उपायुक्त ने आशा लता केंद्र की निदेशक, शिक्षकों, प्रशिक्षकों और कर्मचारियों को पूरे बोकारो जिले की ओर से इप्रणाम-जोहारइ अर्पित किया। उन्होंने कहा कि आप सभी का समर्पण और सेवा भाव हमारे समाज के लिए प्रेरणा है। जिस निष्ठा से आप इन बच्चों को शिक्षित और सशक्त बना रहे हैं, वह कार्य केवल सेवा नहीं, बल्कि ईश्वर साधना है।

दिव्यांग बच्चों के बीच बिताए भावनात्मक पल

इससे पूर्व, केंद्र के निदेशक द्वारा केंद्र के संचालित विभिन्न कक्षाओं का भ्रमण कराया। इस दौरान उपायुक्त ने बच्चों से बातचीत की, उनकी कला और रचनात्मक प्रतिभा को देखा और सराहा। उन्होंने बच्चों के बीच चॉकलेट वितरित किया। इस दौरान केंद्र में ऐसा माहौल बना मानो पूरा परिसर उल्लास से भर गया हो। उधर, बच्चें अपने बीच उपायुक्त को पाकर काफी खुश थे। बच्चों के चेहरे पर खुशी की झलक साफ दिख रही थी। उपायुक्त ने छूटे हुए दिव्यांग बच्चों का दिव्यांग का प्रमाण पत्र बनाने एवं 48 घंटे में दिव्यांग पेंशन स्वीकृत करने का संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिया। मौके पर केंद्र के निदेशक भवानी शंकर जयसवाल, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा पियूष, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, अधिशासी निदेशक जी के उपाध्याय, वरीय प्रशासनिक अधिकारी मोहन आजाद, प्राचार्य प्रमोद कुमार दूबे, प्रबंधक सच्चिदानंद सिंह, शिक्षिका/शिक्षक - चैताली प्रसाद, आभा सिंह, गीता सिंह, हरिद्वार राय, संजय ठाकुर, शिव कुमारी, विद्यासागर मिश्रा, रीना सिंह, सुनिल सिन्हा, कृष्णा दूबे, मंजू कुमारी, सागर, फिजियोथेरापिस्ट डा. श्वेता स्नेहा आदि उपस्थित थे।

जनता दरबार में पहुंचे लोगों की समस्याओं पर उपायुक्त ने की सुनवाई

उप विकास आयुक्त ने बच्चे के भरण-पोषण मामले में त्वरित कार्रवाई का दिया निर्देश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में शुक्रवार को आयोजित साप्ताहिक जनता दरबार में उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए नागरिकों की शिकायतों व समस्याओं की क्रमवार सुनवाई की। जनता दरबार में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित हुए, जिन्होंने भूमि विवाद, सामाजिक सुरक्षा, आपूर्ति, शिक्षा, राजस्व, स्वास्थ्य सहित विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। उपायुक्त ने सभी मामलों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने व लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वहीं, कई मामलों का ऑन-स्पॉट निष्पादन भी किया। कुल 46 मामलों पर सुनवाई की गई।

शिशु भरण-पोषण सहायता हेतु डीडीसी ने दिखाई तत्परता

जनता दरबार के दौरान सदर अस्पताल, बोकारो से संबंधित एक अत्यंत संवेदनशील मामला सामने आया। प्रसव के उपरांत एक महिला की मृत्यु हो जाने के पश्चात उसके शिशु के भरण-पोषण हेतु सहायता की मांग को लेकर बच्चे के दादा-दादी उपस्थित हुए। मामले की गंभीरता को देखते हुए उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए, ताकि शिशु को शीघ्र सरकारी सहायता प्राप्त हो सके।

सभी प्रखंडों में भी आयोजित हुआ जनता दरबार

उपायुक्त के निर्देशानुसार जनता दरबार का आयोजन सभी प्रखंड सह अंचल कार्यालयों में भी किया गया, जहां प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी द्वारा स्थानीय स्तर पर प्राप्त आवेदनों की सुनवाई की गई। स्थानीय स्तर पर निष्पादित किए जा सकने वाले मामलों का समाधान मौके पर किया गया। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, डीपीएलआर मेनका, सहायक निदेशक (सामाजिक सुरक्षा) पियूष कुमार, डीएसई अतुल कुमार चौबे सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

दो अभ्यर्थियों को उपायुक्त ने सौंपे नियुक्ति पत्र

जनता दरबार के उपरांत उपायुक्त अजय नाथ झा द्वारा समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में दो अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। यह नियुक्ति आउटसोर्स कंपनी के माध्यम से की गई है। नियुक्त अभ्यर्थियों में लता कुमारी, पिता स्व. योगेश्वर गोराई झ चंदनकियारी प्रखंड में योगदान हेतु एवं रिंकी कुमारी, पिता ललन गुप्ता झ चास प्रखंड में योगदान हेतु मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) पद पर बहाल की गई हैं। उपायुक्त ने दोनों कर्मियों को कर्तव्यनिष्ठा एवं जनसेवा भावना के साथ कार्य करने का संदेश दिया।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर सिविल सर्जन ने किया जागरूकता रथ रवाना

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम अन्तर्गत जनमानस में जागरूकता हेतु जागरूकता रथ को सिविल सर्जन कार्यालय परिसर से सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद एवं उपाधीक्षक सदर अस्पताल बोकारो डॉ एनपी सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। तत्पश्चात स्वास्थ्य विभाग के कार्यालय कर्मियों के साथ तनाव प्रबंधन विषय पर एक बैठक की गई , जिसमें तनाव को दूर करने के तरीके के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

मानसिक स्वास्थ्य एक ऐसा विषय है जिस पर लोग खुलकर बात नही करना चाहते हैं -

सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद द्वारा उपस्थित सभी कर्मी को बताया कि मानसिक स्वास्थ्य के बिना हम पूर्ण स्वास्थ्य की परिकल्पना नही कर सकते हैं। मानसिक स्वास्थ्य एक ऐसा विषय है जिस पर लोग खुलकर बात नही करना चाहते हैं। हम सभी स्वास्थ्य कर्मी की जिम्मेदारी बनती है कि मानसिक रूप से अस्वस्थ्य व्यक्तियों की पहचान मानसिक स्वास्थ्य पखवाड़ा के दौरान करके बिना भेद-भाव के उन्हें मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराया जाए।

मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के साथ उपचार की सुविधा उपलब्ध-

मनोचिकित्सक सदर अस्पताल बोकारो डॉ प्रशान्त कुमार मिश्रा द्वारा सभी प्रतिभागियों को बताया गया कि मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम अन्तर्गत बोकारो जिला के सदर अस्पताल में ओ0पी0डी0 सेवा का प्रावधान किया गया है जहां पर मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के साथ उपचार की सुविधा उपलब्ध है। इसके अलावा समय समय पर कैम्प व स्कूल जागरूकता कार्यक्रम भी स्कूल स्तर पर किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजनों में मानसिक रोगों के प्रति व्याप्त भ्रांतियों को समाप्त करना, मानसिक रोगों के विषय में जागरूकता लाना व विषम परिस्थितियों में कहां से मदद मिल सकती है यह बतलाना व मानसिक रोगों को प्रारम्भ में पहचान कर उसका उपचार करने में समर्थ बनाना है। इस अवसर पर नोडल पदाधिकारी डॉ सेलिना टुडू, जिला कार्यक्रम प्रबंधक बोकारो रवि शंकर, पवन कुमार श्रीवास्तव, अमित कुमार, आशीष डीन, जिला परामर्शी मो0 असलम, कार्यक्रम सहायक आरती कुमारी मिश्रा एवं अन्य कर्मी उपस्थित थे।

धनबाद फायरिंग कांडः मुख्य आरोपी कुणाल सिंह और विनय सिंह जेल भेजे गए

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद के धनसार थाना क्षेत्र के एफसीआई रेलवे यार्ड में गुरुवार को हुई फायरिंग कांड के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। शुक्रवार को सिटी एसपी रित्विक श्रीवास्तव ने बताया कि घटना के मुख्य आरोपी कुणाल सिंह और विनय सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। आज दोनों आरोपी एंबुलेंस से लाया गया बतादे की गुरुवार को घटना के बाद यार्ड में मौजूद कर्मचारियों ने पकड़कर जमकर पिटाई कर दी थी, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था। घटना के दौरान एक ट्रक चालक को गोली लगी थी, जिसके बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई थी। वहीं यार्ड में मौजूद कर्मचारियों ने हमलावरों को काबू में कर पुलिस के हवाले कर दिया था। पुलिस ने मौके से 14 जिंदा कारतूस, एक पिस्टल और खोखा बरामद किया है। सिटी एसपी ने बताया कि मामले में पांच नामजद अभियुक्तों और अज्ञात लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है।वहीं, एक अन्य आरोपी की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिसे आईसीयू में भर्ती कराया गया है। पुलिस का कहना है कि उसके स्वस्थ होते ही उसे भी जेल भेजा जाएगा।

शिक्षकों ने की दस महीने से वेतन नहीं मिलने की शिकायत

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। प्रभारी जन शिकायत कोषांग नियाज अहमद ने आज जनता दरबार का आयोजन किया। जनता दरबार में कतरास के गुजराती हिन्दी मध्य विद्यालय के चार शिक्षकों ने बताया कि विद्यालय की प्रबंध समिति ने पिछले दस महीने से वेतन नहीं दिया है। वेतन मांगने पर अध्यक्ष व सचिव ने चारों शिक्षकों को स्कूल से निकल जाने का मौखिक आदेश दिया है। शिक्षको ने बताया कि वेतन मद में उन्हें न्यूनतम वेतन से भी कम वेतन, मात्र 2500 रुपए के आस पास, बगैर बैंक अकाउंट के और बगैर पीएफ काटे वर्षों से दिया जा रहा है। जबकि सभी शिक्षक लगभग 25 से 30 वर्षों से विद्यालय में कार्यरत है। बताया कि चारों शिक्षकों का यू-डाइस में लगभग 10 वर्षों से नाम नियमित शिक्षक में रहने पर भी प्रबन्ध समिति 4 रिक्त पद पर अनुमोदन भी नहीं कर रही है। शिक्षकों ने उनकी समस्याओं का समाधान करवाने की गुहार लगाई। जनता दरबार में भौंरा से आए रैयत ने बीसीसीएल द्वारा उनकी रैयती भूमि पर जबरन ओवरबर्डन डंप करने की शिकायत की। रैयत ने बताया कि बीसीसीएल के भौंरा में वी.एन.एस.सी. कोलियरी के परियोजना पदाधिकारी ने विगत 23 सितंबर की रात उनकी जमीन पर जबरन ओबी डंप करवा दिया। जब इसकी शिकायत बीसीसीएल प्रबंधन से कि तो प्रबंधन ने ओबी डंप हटाने का आश्वासन दिया। परंतु अभी तक ओवरबर्डन नहीं हटाया है। जनता दरबार में साजिश कर दुकान हड़पने, ऑनलाइन पंजी टू में सुधार करने, बंदोबस्त में मिली जमीन को ऑनलाइन पंजी टू में दर्ज करने, शिवलीबाडी में सरकारी जमीन पर कब्जा करने का प्रयास करने, प्रधानमंत्री आवास दिलाने, बंदोबस्त में मिली जमीन पर दबंगों द्वारा कब्जा करने, सरकारी जमीन पर कब्जा करने के लिए रैयती जमीन की घेराबंदी करने सहित अन्य आवेदन प्राप्त हुए।

संक्षिप्त समाचार

नव निर्वाचित कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने उपायुक्त से की शिष्टाचार भेंट

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शुक्रवार को नव निर्वाचित कांग्रेस जिलाध्यक्ष जवाहर लाल माहथा ने समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर जिले के समग्र विकास कार्यों तथा जनहित से जुड़ी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की। जिलाध्यक्ष ने जिले में चल रहे विकास परियोजनाओं की प्रगति, आमजन की समस्याओं और प्रशासनिक सहयोग के मुद्दों पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि संगठन प्रशासन के साथ मिलकर जिले को प्रगति की दिशा में आगे बढ़ाने का कार्य करेगा। उपायुक्त अजय नाथ झा ने नव निर्वाचित जिलाध्यक्ष को बधाई दी और जिले के विकास के लिए सहयोगात्मक समन्वय बनाए रखने की बात कहीं।

वोट चोरी के खिलाफ कांग्रेस का हस्ताक्षर अभियान शुरू

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कथित वोट चोरी के खिलाफ कांग्रेस पार्टी पूरे देश में हस्ताक्षर अभियान चला रही है। इसी को लेकर बोकारो जिले में भी आज हस्ताक्षर अभियान की शुरूआत की गई । इस अभियान की शुरूआत झारखंड के सह प्रभारी बेला प्रसाद, पूर्व विधायक जलेश्वर महतो और जयप्रकाश भाई पटेल ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान नगर अध्यक्ष और प्रखंड अध्यक्ष ने हस्ताक्षर किया हुआ पत्र सह प्रभारी को सौंपने का काम किया सह प्रभारी बेला प्रसाद ने बताया कि झारखंड से 25 लाख हस्ताक्षर कर किस को भेजना है बोकारो जिले के 256 पंचायत और सात नगर और वार्ड कमेटी से एक-एक हजार हस्ताक्षर युक्त पत्र भेजने का लक्ष्य पांच दिनों में रखा गया है इस हस्ताक्षर अभियान के तहत हम लोग लोगों को संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए जागरुक कर रहे हैं ।जिस तरह से भाजपा और आरएसएस चुनाव आयोग के माध्यम से वोट चोरी कर रही है इसका भी संदेश देने का काम किया जा रहा है।

सदर अस्पताल में मनाया गया 'विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस'

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा की अध्यक्षता में सदर अस्पताल में "विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस" मनाया गया। इस अवसर पर सिविल सर्जन ने कहा कि प्रति वर्ष 10 अक्टूबर को "विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। इसका उद्देश्य दुनिया भर में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, ज्ञान में वृद्धि करना और प्रयासों को गति प्रदान करना है। साथ ही आपात स्थितियों के दौरान मानसिक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की चुनौतियों पर प्रकाश डालना है। इस वर्ष "मानवीय आपात स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य" थीम रखी है। इस विषय पर जन जागरूकता लाने के लिए सदर अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। मौके पर सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा, डॉ रोहित गौतम, डॉ मंजू दास सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य पदाधिकारी व कर्मी मौजूद थे।

तम्बाकू मुक्त युवा अभियान शुरू, दुष्परिणामों से कराया जाएगा अवगत

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। तम्बाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 के तहत जन जागरूकता हेतु सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद एवं उपाधीक्षक सदर अस्पताल बोकारो द्वारा संयुक्त रूप से जागरूकता रथ को सिविल सर्जन कार्यालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस दौरान सिविल सर्जन ने बताया कि उक्त तम्बाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 की शुरूआत 09 अक्टूबर 2025 से 07 दिसम्बर 2025 तक कुल 60 दिनों तक चलेगा। इन 60 दिनों में तम्बाकू के दुष्प्रभाव से युवाओं को जागरूक करने के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियां की जायेंगी जैसे स्कूल जागरूकता कार्यक्रम, प्रभात फेरी, नुक्कड नाटक, होर्डिंग, रैली, स्कूलों मे शपथ कार्यक्रम का आयोजन साथ ही विभिन्न स्तर पर छापामारी अभियान का भी संचालन किया जाएगा।

जागरूकता रथ के माध्यम से आम जनमानस को कोटपा-2003 एवं झारखण्ड संशोधन अधिनियम 2021 के तक विभिन्न धाराओं के बारे में जानकारी दी। इसके साथ-साथ तम्बाकू उत्पाद विक्रेता करने वाले व्यक्तियों को कानून के अनुपालन हेतु विभिन्न बिन्दुओ के बारे में जानकारी दी जायेगी। इस अभियान के दौरान बोकारो जिला में निम्न बिन्दुओं पर कार्य किया जायेगा।

'तम्बाकू मुक्त युवा अभियान 3.0' के दौरान मुख्यता 6 रणनीतियों पर कार्य किया जायेगा।

(1) तम्बाकू उत्पादों के दुष्प्रभावों के संबंध में जन जागरूकता।

(2) तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान के गाईलाईन का पालन करना।

(3) ग्राम पंचायत को तम्बाकू मुक्त घोषित करना।

(4) कोटपा 2003 तथा ईलेक्ट्रोनिक सिगरेट प्रतिबंध अधिनियम 2019 के प्रावधानों अन्तर्गत छापामारी करना।

(5) प्रिन्ट मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया एवं सोशल मीडिया के द्वारा जन जागरूकता करना।

(6) विभिन्न हितधारको को प्रशिक्षित करना।

इस कार्यक्रम में डॉ सेलीना टूडू आर0सी0एच0 पदाधिकारी, रवि शंकर जिला कार्यक्रम प्रबंधक बोकारो, पवन श्रीवास्तव, आशीष डीन, जिला परामर्शी मो0 असलम, जिला कार्यक्रम सहायक आरती मिश्री, छोटेलाल दास एवं अन्य कर्मी उपस्थित थे।

विस्थापितों की मांग को लेकर जेएलकेएम ने किया धरना-प्रदर्शन

जसीडीह/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जसीडीह इंडस्ट्रीयल एरिया स्थित इंडियन ऑयल टर्मिनल के मुख्य द्वार के समीप झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) ने शुक्रवार को रैयत विस्थापितों की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन किया. इसका नेतृत्व जेएलकेएम के जिला अध्यक्ष संदीप कुमार यादव ने किया. विस्थापित व जेएलकेएम के नेता व कार्यकर्ता काफी संख्या में सड़क पर बैठे रहे. इससे टर्मिनल से टैंकरों का आवागमन कुछ घंटे तक बंद रहा. इसके बाद जिला अध्यक्ष व कार्यकताओं ने आइओसीएल के उप महाप्रबंधक को मांग पत्र सौंपा. मांग पत्र में कहा की कंपनी में पहले काम करने वाले रैयत को निष्कासित किया गया है उन्हे पुनः बहाल किया जाये. सभी विस्थापित रैयत को सर्वप्रथम कंपनी में 75 फीसदी भागीदारी होनी चाहिए. योग्यता के अनुसार 25 फीसदी स्थानीय ग्रामीणों को कंपनी में रोजगार दिया जाये. सुरक्षा के लिए कंपनी के चारों ओर बिजली की व्यवस्था सहित पांच किमी के अंतराल में पानी, चिकित्सा व विद्यालय की सुविधा उपलब्ध कराये. इसका अलावा भी कई मांगें बतायीं. वहीं कहा कि कंपनी द्वारा रोजगार, मुआवजा, स्वास्थ्य सुविधा, बिजली, शिक्षा के क्षेत्र में वादे पूरे नहीं किये गये हैं. अगर सभी मांगों को जल्द से जल्द पूरा नही किया जायेगा तो आगे भी आंदोलन किया जायेगा.

दक्षिण अफ्रीका से 16 दिन बाद लौटा शव, गांव में मातम

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। दक्षिण अफ्रीका में मजदूरी का काम कर रहे नलकुप्पा गांव के राज कुमार महतो अब इस दुनिया में नहीं रहे। लगभग 16 दिन पहले उन्होंने परदेस की धरती पर अंतिम सांस ली, और अब 16 दिन बाद उनका शव अपने गांव लौट आया। परदेस की कमाई से परिवार का भविष्य संवारने निकले राज आज सफेद चादर में लौट रहे हैं। गांव की गलियों में सन्नाटा है, हर आंख नम है — किसी को यकीन नहीं कि जो बेटे, पिता और पति रोज फोन पर हंसी बाँटते थे, वो अब मौन लौट रहे हैं। राज महतो के पिता स्वर्गीय सहदेव महतो पहले ही इस दुनिया को छोड़ चुके हैं। अब पीछे रह गई हैं उनकी पत्नि, दो बेटियां और एक बेटा, जिनके सिर से पिता का साया उठ गया है। गांव में गम का माहौल है। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि जगदीश चौधरी भी मौजूद रहे और उन्होंने शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी।

इस्पात सचिव का बोकारो दौरा, जनता द्वारा पोस्टकार्ड लिखने का ही परिणाम

प्लांट के हजारों कर्मियों ने विस्तारीकरण हेतु पीएम को लिखा पोस्टकार्ड

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट के स्थगित विस्तारीकरण परियोजना को शीघ्र प्रारंभ करने और बीजीएच को सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल बनाने की माँग को लेकर जारी महाहस्ताक्षर अभियान के तहत प्लांट के हजारों कर्मचारियों एवं ठेका कर्मियों द्वारा भी प्रधानमंत्री को पोस्टकार्ड लिखा जा रहा है। इसी क्रम में ब्लास्ट फर्नेस में ठेका कर्मी श्री जन्मजय गोस्वामी, कोक ओवन में नीतेश चौधरी और आएमएचपी-सिंटर प्लांट में सेल कर्मी सागर कुमार के नेतृत्व में सैकड़ों कर्मचारियों से पोस्टकार्ड लिखा गया है। इस महाहस्ताक्षर अभियान के संयोजक कुमार अमित ने कहा कि बोकारो की जनता द्वारा लिखे जा रहे पोस्टकार्ड के कारण ही यहाँ के नागरिकों की भावनाओं से अवगत हो प्रधानमंत्री ने इस्पात सचिव संदीप पौण्ड्रीक को अपने दूत के रूप में बोकारो भेजा और यहाँ की स्थिति की जानकारी ली। इस्पात सचिव के बोकारो दौरा से प्लांट के विस्तारीकरण का मार्ग प्रशस्त हुआ है। सेल प्रबंधन का बोकारो के समाज के साथ संवाद हिनता के कारण हीं समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं। प्रबंधन को समाज के साथ संवाद स्थापित कर और यहाँ के लोगों को विश्वास में लेकर काम करना चाहिए। समाज के साथ संवाद स्थापित करने से ही समस्याओं का समाधान सम्भव है। कुमार अमित ने बताया कि अब तक समाज के हर वर्ग से दस हजार से अधिक लोगों द्वारा पोस्टकार्ड लिख कर प्रधानमंत्री को भेजा जा चुका है। बोकारो से प्रतिदिन सैकड़ों पोस्टकार्ड प्रधानमंत्री को भेजा जा रहा है। बोकारो की जनता द्वारा प्रधानमंत्री को पोस्टकार्ड लिख कर भेजने का यह अभियान इस परियोजना के धरातल पर उतरने तक जारी रहेगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145665 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com

CMYK